शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मामले की सुनवाई के लिए विशेष अदालत का होगा गठन: परमेश्वर @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 18 मई, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-138

केरल सरकार पर हावी वामपंथी टेरर मॉडल

6 साल में 431 विस्फोटक हमले, एक में भी कार्रवाई नहीं

केरल में साल 2016 से सीपीआई-एम की कम्युनिस्ट सरकार है। कम्युनिस्ट जिस केरल मॉडल का हौवा खड़ा करते हैं, उस सीपीआई-एम राज वाले केरल में जून 2016 से अगस्त 2022 तक के प्राप्त आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक 431 बम धमाके हुए। इसमें रेखांकित करने वाली बात यह है कि वामपंथी सरकार के इन 6 वर्षों में हुए 431 आतंकी वारदातों में से किसी एक मामले में भी किसी को कोई सजा नहीं हुई। केरल पुलिस ने 431 बम धमाकों में से सिर्फ 162 मामलों में चार्जशीट दाखिल की है। जांच में सबूत नहीं मिलने का हवाला देते हुए 207 मामलों को बंद कर दिया गया। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि केरल पुलिस ने ज्यादातर मामलों की जांच नहीं की क्योंकि आरोपी सत्ताधारी पार्टी सीपीआई-एम से जुड़े थे। अधिकांश मामलों में शीर्ष पुलिस अधिकारियों ने जांच टीमों पर दबाव डाला कि वे केस में ढंग से जांच न करें और न ही सबूत प्रस्तुत करें। आतंकी हमलों के अलावा इस

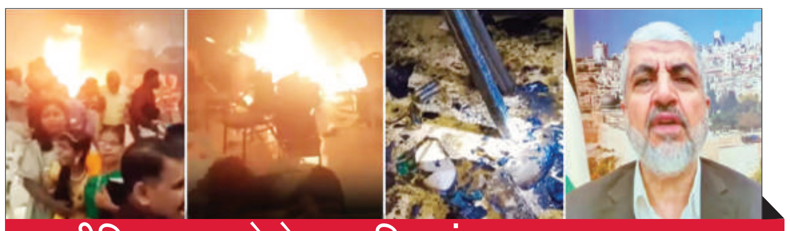

राजनीतिक दबाव से केरल पुलिस पंगु, कानून व्यवस्था बदतर

रिपोर्ट में गुंडागर्दी वाले हमलों का भी हवाला दिया गया है। गुंडागर्दी वाले हमलों के 150 मामलों में से 142 में चार्जशीट दाखिल कर दी गई। जिसमें 6 को बरी कर दिया गया। सिर्फ 5 गुंडों को ही सजा हुई।

केरल में गुंडा शब्द का इस्तेमाल उन मामलों में किया जाता है, जिसमें कोर्ट ने किसी को दोषी पाया हो या केरल के सक्षम अधिकारी द्वारा केरल असामाजिक गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम-2007 के केस में उन्हें शामिल पाया गया हो। ऐसे मामलों में सिर्फ 10 मामले सामने आए, जिसमें आरोपी बम बनाते पकड़े गए, जिसमें से 5 मामलों में चार्जशीट दाखिल की गई, जबकि 2 मामलों को बंद कर दिया गया।

पुलिस की ही रिपोर्ट में कहा गया है, टॉप पुलिस अधिकारियों ने इन मामलों को दबाने में दिलचस्पी दिखाई और जांच टीमों पर दबाव बनाया कि वो कोर्ट में पुख्ता सबूत न पेश करें। हाल ही में एक ऐसा भी मामला सामने आया है, जिसमें केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में एक सब इंसपेक्टर (एसआई) हिस्ट्रीशीटरों तक पहुंचा और उनसे पुलिस स्टेशन में आकर रजिस्टर पर साइन करने का अनुरोध किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने बाराबंकी की विशाल चुनावी जनसभा में कहा

राममंदिर पर एससी का फैसला पलटना चाहती है कांग्रेस

मोदी हिंदू-मुसलमान नहीं करता, इंडी गठबंधन के पाप गिनाता है
इंडी गठबंधन उटपटांग खिचड़ी है, पकने के पहले ही स्वाद बेमजा

बाराबंकी, 17 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा है कि अगर कांग्रेस आई तो राममंदिर पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला बदल देगी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस राममंदिर पर बुलडोजर चलवा देगी। प्रधानमंत्री ने इंडी गठबंधन को नसीहत भी दी कि उन्हें योगी जी से ट्यूशन लेना चाहिए कि कहां बुलडोजर चलाना है और कहां नहीं। पीएम मोदी शुक्रवार को यहां जैदपुर मार्ग के समीप विशाल चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आपके एक वोट की ताकत ने 500 साल के इंतजार को खत्म करके भव्य राममंदिर में श्रीरामलला को विराजमान कराया। कहा कि पहले जब लोग रामलला को टेंट में देखते थे तो सरकार को भद्दी भद्दी गालियां देते थे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि योगी जी के ओडीओपी मिशन से अब मुझे विदेश जाते वक्त गिफ्ट लेने के लिए चिंता नहीं करनी पड़ती। उन्होंने कहा कि यूपी में जो सफाई अभियान योगी जी ने चलाया है, उसके कारण यहां निवेश का माहौल बना है।

जनघोष बन गया अबकी बार 400 पार का नारा : योगी

बाराबंकी, 17 मई (एजेंसियां)। देश में अब तक चार चरणों के चुनाव सम्पन्न हो चुके हैं जबकि तीन चरण बाकी हैं। इसके बावजूद पूरे देश की जनता जनार्दन 4 जून के परिणाम को लेकर पहले से ही आश्वस्त है। वह जानते हैं कि इस बार भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ही जीत होगी। यही वजह है कि पूरे देश में एक बार फिर मोदी सरकार और अबकी बार 400 पार का नारा गूंज रहा है। यह उद्घोष अब जनघोष बन गया है। यह पूरे देश में कांग्रेस और इंडी गठबंधन के विभाजनकारी तुष्टीकरण और अराजकता की नीतियों के खिलाफ देश की आम जनमानस की उद्घोषणा का शंखनाद है।

सांसद स्वाति मालीवाल का मजिस्ट्रेट के सामने दर्ज हुआ बयान

केजरीवाल के घर में नारी की प्रतिष्ठा तार-तार

दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का आवास प्रताड़ना-गृह के रूप में काम कर रहा है। मुख्यमंत्री के इशारे पर एक महिला सांसद को जिस तरह पिटवाया गया और जिस तरह की शैतान हरकतें की गईं, वह भारतीय लोकतंत्र पर कलंक है। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के साथ दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सरकारी आवास पर सीएम के पीए विभव कुमार ने जिस तरह मारपीट और बदसलूकी की उस मामले में आज दिल्ली पुलिस ने स्वाति मालीवाल का मजिस्ट्रेट के सामने कलमबंद बयान दर्ज कराया। स्वाति मालीवाल ने एफआईआर में विभव कुमार पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं।

स्वाति मालीवाल की ओर से दर्ज कराई गई एफआईआर में कहा गया है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सहयोगी विभव कुमार ने उन्हें लातों और थप्पड़ों से मारा। स्वाति जब मदद के लिए चिल्लाईं तो मदद के कोई नहीं आया, उल्टा विभव ने उन्हें और पीटा। स्वाति ने बताया कि वह लगातार मदद के लिए चिल्ला रही थीं लेकिन विभव नहीं रुका। विभव ने उनकी छाती, पेट और शरीर

पीए ने मुझे लातों-थप्पड़ों से मारा और मेरे अंग पर आघात किया
गंदी गालियां दीं, फर्श पर घसीटा और सीएम आवास से बाहर फेंका

के निचले हिस्सों पर लात से हमला किया। स्वाति की शिकायत पर दिल्ली पुलिस ने लिभव कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। स्वाति ने मजिस्ट्रेट के समक्ष दर्ज कराए बयान में भी कहा है कि जब वे सीएम केजरीवाल से मिलने के लिए इंतजार कर रही थी तभी अचानक उनके पीए विभव कुमार कमरे में घुस आए। उन्होंने बिना किसी उकसावे के चिल्लाना शुरू कर दिया। मुझे गालियां भी दीं। उसने कहा, तू कैसे हमारी बात नहीं मानेगी? कैसे नहीं मानेगी?

महिला सांसद से बदसलूकी पर सीएम की चुप्पी संदेहजनक

नई दिल्ली. 17 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि राज्यसभा की एक सांसद के साथ केजरीवाल के करीबी ने बदसलूकी की। इसके बावजूद दिल्ली के मुख्यमंत्री अब तक चुप हैं। उन्होंने कहा कि केजरीवाल को इसके लिए माफी मांगनी चाहिए थी, लेकिन विभव कुमार उनके साथ लखनऊ में घूम रहे थे। स्वाति मालीवाल राज्यसभा सदस्य हैं और वह दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। उनकी चुप्पी को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे थे। अरविंद केजरीवाल अभी भी इस मुद्दे पर चुप हैं।

दक्षिण को अलग देश बताने पर तल्ख हुए अमित शाह

केटीआर के कुछ गंभीर सवालों पर चुप रह गए शाह

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। हाल ही में तेलंगाना के बीआरएस नेता केटी रामाराव ने अपने एक बयान में उत्तर बनाम दक्षिण के मुद्दे पर बात की और दक्षिण को अलग देश बताया। इस पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केटी रामाराव के उस बयान पर तीखी टिप्पणी की है और बीआरएस नेता के बयान को घोर आपत्तिजनक बताया है।

अमित शाह ने कहा इस देश को फिर कभी नहीं बांटा जा सकता। एक वरिष्ठ कांग्रेसी नेता ने कहा था कि उत्तर भारत को दक्षिण भारत से अलग कर देना चाहिए, लेकिन कांग्रेस पार्टी ने इस बयान से दूरी बना ली। देश की जनता को कांग्रेस के एजेंडे के बारे में सोचना चाहिए। अगर कोई कहता है कि दक्षिण एक अलग देश है तो ये बेहद आपत्तिजनक है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भाजपा दक्षिण के पांच राज्यों केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में सबसे बड़ी पार्टी बनने जा रही है।

दक्षिण की तरह बिहार-यूपी भी क्यों नहीं बढ़ाते प्रति व्यक्ति आय?

बीआरएस नेता केटी रामाराव ने बीते हफ्ते अपने एक बयान में कहा था कि उत्तर भारत अपने आप में अलग देश है। यह एक अलग दुनिया है। मैं ये नहीं कह रहा हूं कि यह पूरी तरह से अलग है, लेकिन व्यवहारिक तौर पर यह अलग देश है। मुझे लगता है कि यहां दक्षिण के मुकाबले अलग मुद्दे हैं। लोग अलग सोचते हैं। यही वजह है कि भाजपा दक्षिण में अपनी जगह नहीं बना पा रही है।

बीआरएस नेता ने प्रति व्यक्ति आय पर बात करते हुए कहा कि तेलंगाना में प्रति व्यक्ति आय 357 रुपए है, जो कि उत्तर भारत के राज्यों की तुलना में सबसे ज्यादा है। केटी रामाराव ने कहा कि बिहार में ये 57 रुपए और उत्तर प्रदेश में 87 रुपए के करीब है। ये उनकी (उत्तर भारत) सरकारों की कमी है कि वे अच्छा प्रशासन नहीं दे पा रही हैं। उनकी प्राथमिकताएं गलत जगह पर हैं, वे अपने लोगों को पिछड़ा बनाए रखना चाहती हैं और वोट लेने के लिए उनकी भावनाओं से खेलते हैं। दक्षिण में ऐसा नहीं है, यहां असल मुद्दों पर फोकस रहता है। केटी रामाराव ने कहा कि आधारभूत ढांचे, शिक्षा और साक्षरता दर और स्वास्थ्य सूचकांक आदि सभी जगह दक्षिण के राज्य अन्य राज्यों से बहुत आगे हैं, खासकर हिंदी पट्टी के राज्यों से।

शेयर मार्केट

बीएसई : 73,917.03
+253.31 +0.34% ↑
एनएसई :22,466.10
62.25 (0.28%) ↑

एस जयशंकर ने पाकिस्तान को सीधे तौर पर चेताया

सीमा पार आतंकवाद अब भारत को सहन नहीं

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सीमा पार से होने वाली आतंकी गतिविधियों को लेकर पाकिस्तान पर निशाना साधा है। साथ ही उन्होंने पड़ोसी देश को इसके परिणाम भुगतने की चेतावनी भी दी है। सीआईआई वार्षिक बिजनेस समिट 2024 में बोलते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि भारत में किसी भी तरह की सीमा पार आतंकवादी गतिविधि के प्रति सहनशीलता बहुत कम है। अगर ऐसा कुछ होता है तो एलओसी और सीमा पर इसका असर पड़ेगा।

विदेश मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान लगातार आतंकी गतिविधियों का अभ्यास कर रहा है। पहले हमारे देश में आतंकवाद को अपने पड़ोसी के सनकीपन के रूप में देखते थे। अब हमने आतंकवाद के साथ निपटने के लिए खुद को उसी तरह से तैयार किया है। एस जयशंकर ने कहा कि 2014 में भारत ने साफ तौर पर निर्णय लिया था कि हम सीमा पार के आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेंगे। विदेश मंत्री ने उरी और बालाकोट की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि इसका परिणाम उन्होंने देखा है। अगर हमारा पड़ोसी ऐसी हरकतें करना बंद कर दे तो हम भी उसके प्रति एक सामान्य पड़ोसी की तरह व्यवहार करेंगे। अब गेंद उनके पाले में है।

अगर वे आतंक के अपने धंधे को बंद कर देते हैं जिसे उन्होंने कई दशकों में बनाया है, तो लोग उनके साथ एक सामान्य पड़ोसी की तरह व्यवहार करेंगे।

चीन से सीमा विवाद को भारत के विदेश मंत्री ने अधिक जटिल बताया। जयशंकर ने कहा कि चीन के साथ संबंधों की जटिलता के तीन पहलू हैं। एक बुनियादी पहलू यह है कि सीमा क्षेत्र में शांति भंग हो गई है। अगर कोई देश लिखित समझौते से पीछे हट गया है और भारत की सीमाओं पर कुछ कर रहा है, तो हम यह नहीं कह सकते कि व्यापार सामान्य रूप से जारी रहेगा और अन्य चीजें नहीं होंगी।

विदेश मंत्री ने कहा कि चीन से व्यापार असंतुलन का मुद्दा भी है।

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^0
न्यूनतम : 23^0

दिल्ली शराब घोटाले में ईडी की आठवीं चार्जशीट दाखिल

आरोप पत्र में सीएम केजरीवाल अभियुक्त

आम आदमी पार्टी को भी आरोपी बनाया गया

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। दिल्ली शराब नीती घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आठवीं चार्जशीट दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में दाखिल की है। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दाखिल की गई यह आठवीं चार्जशीट है। ईडी ने बताया कि इस चार्जशीट में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी का नाम आरोपी के तौर पर दर्ज है। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दाखिल आठवीं चार्जशीट दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सीधे आरोपी बनाए गए हैं।

दूसरी तरफ सुप्रीम कोर्ट ने शराब घोटाला मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी और ईडी की रिमांड को चुनौती देने वाली याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। प्रवर्तन निदेशालय ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि वह दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी (आपा) को जल्द ही शराब नीति मामले में आरोपी बनाएगी। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ के समक्ष ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने बताया कि हम अरविंद केजरीवाल और आप के खिलाफ अभियोजन शिकायत (आर-ोपपत्र) दायर करने का प्रस्ताव कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने 17 घुसपैठियों को वापस भेजने को कहा

उनको दी जा रही सुविधाएं भारतीय नागरिकों को मिलें

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने 17 विदेशी नागरिकों को उनके देश वापस भेजने का आदेश दिया है। ये विदेशी नागरिक असम के एक डिटेंशन कैंप में रखे गए थे। जस्टिस अभय एस. ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने यह आदेश दिया कि इन विदेशी नागरिकों को तत्काल वापस भेजा जाए, क्योंकि उनके खिलाफ कोई अपराध दर्ज नहीं है, ऐसे में उन्हें वापस भेजने में कोई बाधा नहीं है और उन पर खर्च हो रहे संसाधन भारत के नागरिकों को मिलने चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मामले में क्या कार्रवाई की गई, इसकी रिपोर्ट दो महीने के भीतर सौंपी जाए और अगली सुनवाई 26 जुलाई को होगी। असम में डिटेंशन सेंटरों की स्थिति और उनमें रखे जा रहे लोगों की नागरिकता के संदेह के मामले लंबे समय से चर्चा में हैं। यह फैसला असम में डिटेंशन सेंटरों की स्थिति को लेकर दिया गया है, जहां ऐसे लोगों को रखा जाता है जिनकी नागरिकता संदेह में हो या जिन्हें ट्रिब्यूनल ने विदेशी घोषित कर दिया हो।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 76,000/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 90,640/-
(प्रति किलोग्राम)

जीतो बिजनेस नेटवर्क रेफरल मीट का ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो चैप्टर बेंगलूरु नॉर्थ एवं जीतो चैप्टर हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में महिला विंग द्वारा संचालित जीतो बिजनेस नेटवर्क रेफरल मीट का ऑनलाइन कार्यक्रम जूम पर आयोजित हुआ। जेबीएन राष्ट्रीय संयोजिका ज्योति जैन ने कहा कि आर्थिक सुदृढ़ हर कोई होना चाहता है। लेकिन घरेलू महिलाओं के ऊपर घर की जिम्मेदारी होती है, वह सामंजस्य बिठाते हुए कैसे आगे बढ़ती है उसके कुछ सूत्र है जो लागू करने से सफल होंगे। जब भी अपने कार्य की प्रस्तुति देनी हो तैयारी एकदम दमदार होनी चाहिए। अपने कार्य की विशेषताओं को उजागर कर उसकी खूबियों और उपलब्धियों के साथ प्रस्तुत करना सीखें। नई तकनीक के साथ अपने हुनर को आगे बढ़ाते हुए आर्थिक सुदृढ़ता की ओर कदम बढ़ायें। बिजनेस का मंत्र यही है की विचार एवं क्षमताओं के साथ पूर्ण आत्मविश्वास हो, व्यवसाय में आये जोखिम लेने की क्षमता हो और सकारात्मक दृष्टिकोण सफलता दिलाता है। हैदराबाद जोन संयोजिका सरला भूतोड़िया ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि यह एक ऐसा मंच है जो आपसी नेटवर्किंग को महत्व देते हुए निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर होता है। सदस्यों को अपने उत्पादकता, प्रेरणा और आपसी सौहार्द की भावना से एक-दूसरे को सहयोग करना चाहिए। यही इंटर चैप्टर इवेंट का मुख्य ध्येय है। जेबीएन पॉवर की क्या बात, जहां हर महिला आर्थिक रूप से सुदृढ़ और सशक्त होंती है। रेफरल समूह द्वारा प्रस्तुति कौशल, संचार कौशल और व्यावसायिक कौशल पर शिक्षित हो अपने सपनों को पंख देने की प्रेरणा दी। केकेजी जोन संयोजिका यश्मा जैन ने विषय प्रस्तुत करते हुए कहा कि जीतो बिजनेस नेटवर्क का एक मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और जैन समुदाय के भीतर व्यापार बढ़ाने में मदद करना है। मिलोगे और मांगोगे तो पाओगे यही जेबीएन का विश्वास है। जेबीएन देने के लिए ही बना है। महिला उद्यमिता को किसी भी देश की आर्थिक प्रगति का एक महत्वपूर्ण साधन माना गया है। वे न केवल खुद को आत्मनिर्भर बनाती हैं, बल्कि दूसरों के लिए भी रोजगार के अवसर बढ़ाती है। महिला उद्यमिता को प्रोत्साहन देने के लिए सामाजिक, पारिवारिक और आर्थिक मोर्चों पर बदलाव लाने की जरूरत का नाम ही जीतो जेबीएन है। हैदराबाद चैप्टर अध्यक्ष सुशील संचेती, महामंत्री परेश शाह एवं बेंगलूरु चैप्टर अध्यक्ष इंदरचंद बोहरा, महामंत्री सुधीर गादिया ने शुभकामनाएँ संप्रेषित की। इस रेफरल मीट में बेंगलूरु नॉर्थ जेबीएन वी कनेक्ट से बिन्दु मेहता, जिया जैन, किंजल जैन, लीला पितलिया, मीना जैन, पवन ओस्तवाल, पिंकी मेहता, पूर्वी जसानी, सीमा शाह, सुमन रांका, सुष्मिता सेठिया, तनुजा मेहता, विनुता जैन एवं हैदराबाद जेबीएन से अल्पा गांधी, अनीता जैन, अंजू बापना, चेतना जैन, हीना नाडा, मोना शाह, पल्लवी चोपड़ा, राखी जैन, रंजना जैन, रेखा भंडारी, रेखा, रूपाली जैन, संध्या जैन, सुषमा जैन, विनीता जैन ने अपने-अपने व्यवसाय की प्रभावी प्रस्तुति पीपीटी के जरिए 30-30 सेकेंड की दी।

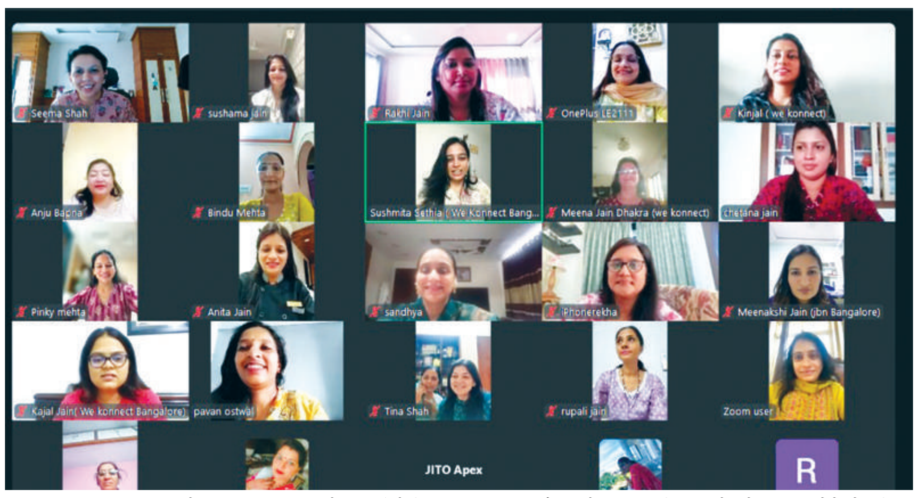

व्यवसाय को सराहा और रेफरल देने का वादा किया

सभी ने एक दूसरे के व्यवसाय को सराहा और रेफरल देने का वादा किया। कार्यक्रम का शुभारंभ नवकार मंत्र से हुआ। हैदराबाद महिला विंग अध्यक्ष वीणा जैन एवं बेंगलूरु नॉर्थ महिला विंग अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी ने संयुक्त रूप से सभी का स्वागत किया। हैदराबाद कार्यक्रम संयोजिका रंजना जैन एवं सह-संयोजिका अल्पा गांधी ने संचालन किया। बेंगलूरु नॉर्थ कार्यक्रम संयोजिका सुष्मिता सेठिया ने तकनीकी कार्यभार सम्भाला एवं सह-संयोजिका सुमन रांका ने धन्यवाद दिया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

कोडागु में नाबालिग लड़की का सिर काटने का मामला

मामले की सुनवाई के लिए विशेष अदालत का होगा गठन: परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने उस नाबालिग लड़की के माता-पिता से मुलाकात की, जिसका हाल ही में कोडागु जिले में एक व्यक्ति ने सिर काट दिया था। साथ ही कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए मामले की सुनवाई के लिए एक विशेष अदालत स्थापित की जाएगी। गृह मंत्री परमेश्वर ने कोडागु में सोमवारपेट शहर के पास कुमाबारागडिगे गांव में अपराध स्थल का दौरा करने और पीड़ित परिवार से मुलाकात करने के बाद मीडियाकर्मियों से बात करते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि जांच से पता चला है कि आरोपी, जिसकी पहचान प्रकाश (32) के रूप में हुई है, लड़की के साथ जबरन सगाई करने की कोशिश कर रहा था। जैसे ही अधिकारियों को इसके बारे में पता चला, उन्होंने सगाई रोक दी। इसके बाद, आरोपी लड़की के घर गया, झगड़ा किया और उसके माता-पिता पर अपनी बेटी की शादी उससे कराने के लिए दबाव डाला। गृह मंत्री ने कहा, फिर उसने उसकी मां पर हमला किया, पीड़िता को घसीटा और अपराध किया। यह किसी भी मानक से अस्वीकार्य है।

आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया है, और पुलिस उसे कानून के अनुसार सजा दिलाने के लिए काम कर रही है। हालांकि लड़की को वापस नहीं लाया जा सकता है, लेकिन सरकार परिवार को न्याय दिलाने का प्रयास करेगी।

विशेष अभियोजक नियुक्त किया जाएगा और मामले की सुनवाई के लिए एक विशेष अदालत स्थापित की जाएगी। गृह मंत्री ने आगे कहा कि वह इस घटना से बेहद दुखी हैं, हालांकि आचार संहिता के कारण वह परिवार के लिए मुआवजे की घोषणा करने में असमर्थ हैं। आदर्श आचार संहिता हटने के बाद सरकार कार्रवाई करेगी। राज्य में बिगड़ती कानून-व्यवस्था के बारे में पूर्व सीएम जगदीश शेट्टर के बयान के बारे में परमेश्वर ने कहा अगर शेट्टर के शासन के दौरान आंकड़ों का विश्लेषण किया जाए, तो उन्हें पता चलेगा कि कितनी हत्याएं, बलात्कार और अपराध हुए थे। इसलिए शेट्टर से मुझे प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं है। ज्ञातव्य है कि सगाई रद्द होने के बाद 9 मई को आरोपी ने 16 वर्षीय पीड़िता की हत्या कर दी थी। आरोपी ने चाकू से पीड़िता का सिर धड़ से अलग कर दिया और कटे हुए सिर को लेकर जंगल में भाग गया। पुलिस को 11 मई को एक पेड़ पर कटा हुआ सिर मिला। पकड़े जाने के बाद आरोपी ने पुलिस को बताया कि सगाई रद्द होने के बाद से वह परेशान था। उसने कबूल किया था कि जंगल में लड़की से तीखी बहस के बाद उसने यह अपराध किया। लड़की ने 10वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण की थी और मारे जाने से ठीक पहले वह जश्न मना रही थी।

संस्कार सीबीएसई स्कूल का दसवीं कक्षा का परिणाम लगातार 7वीं बार 100 प्रतिशत

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

हुब्बल्ली में स्थित संस्कार सीबीएसई स्कूल का दसवीं कक्षा का परिणाम वर्ष 2023-24 में भी 100 प्रतिशत प्रतिशत रहा। स्कूल के कार्यदर्शी सुधीर वोरा ने बताया कि दसवीं के हमारे सातवें बैच के छात्रों ने अपनी बोर्ड परीक्षा अच्छे अंकों से उत्तीर्ण की है। स्कूल के 7 वें बैच ने लगातार 100 प्रतिशत परिणाम प्राप्त किया हैं। हम सभी छात्रों को उनके परिणाम पर बधाई देते हैं। इस वर्ष के परिणाम में इतिश्री मोहनपुरिया ने 94.40 प्रतिशत, निहार पटाडिया ने 93.80 प्रतिशत, कनिका के अन्निगेरी ने 93.60 प्रतिशत, दीक्षा एम पुजार ने 93.40 प्रतिशत, फेबिन शाहुल ने 92.40 प्रतिशत, अयान शानवाद 92.40 प्रतिशत, अनम येल्लापुर ने 92 प्रतिशत, दीक्षा बाफना ने 91.80 प्रतिशत, जोबिआ ने 91.60 प्रतिशत, वेदांत नागदा ने 91.20 प्रतिशत, भावेश सेठिया ने 91 प्रतिशत और ओमकार गायकवाड़ ने 90.20 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। साथ ही 26 छात्र डिस्टिंक्शन से पास हुए हैं। 48 छात्र प्रथम श्रेणी में और 18 छात्र द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। संस्थापक अध्यक्ष महेंद्र एच. सिंघी, अध्यक्ष महावीर पी. कुंदूर, सचिव सुधीर एस. वोरा, कोषाध्यक्ष उज्ज्वल एम. सिंघी, निदेशक, प्रबंध समिति सदस्य, बेटरमेंट समिति के सदस्यों सहित सभी शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने छात्रों को उनके अच्छे प्रदर्शन के लिए बधाई दी।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अन्नमा देवी पूजा सेवा समिति बापूजी नगर द्वारा अन्नमा पूजा महोत्सव का आयोजन किया गया। विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां की विशेष पूजा अर्चना कर अन्नदान कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कांग्रेस सरकार ने देश के भविष्य को आकार देने वाली शिक्षा प्रणाली के साथ किया गंभीर अन्याय: सुरेश कुमार

छात्रों के साथ खिलवाड़ कर रही

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा विधायक सुरेश कुमार ने कहा कि यह एक उपलब्धि है कि राज्य सरकार, जिसने घोषणा की थी कि वह राज्य शिक्षा नीति को लागू करेगी, सबसे वैज्ञानिक रूप से बनाई गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) पर राजनीतिक प्रभाव के कारण गंभीर अन्याय किया है। मल्लेश्वरम में भाजपा के प्रदेश कार्यालय, जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार ने पिछले एक साल के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में शून्य योगदान दिया है। उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि यह सरकार कॉलेज में खासकर स्नातक कक्षाओं में पढ़ने वाले छात्रों के साथ खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने आलोचना की कि यह सरकार प्राथमिक और उच्च विद्यालय के छात्रों के भविष्य को धुंधला कर रही है। हमारे पास सीबीएसई, आईसीएसई और स्वायत्त विश्वविद्यालयों सहित केंद्रीय पाठ्यक्रम वाले स्कूल हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि अगर उन छात्रों के लिए एक नीति है, तो सरकारी स्कूल के लिए एक और नीति है। यह दोहरी नीति क्यों। हमारे सरकारी स्कूल के बच्चों को हुनर कौन सिखाता है? उन्होंने एक शिक्षा नीति समिति का गठन किया। लेकिन राज्य सरकार उस कमेटी का प्रभावी नेतृत्व नहीं कर पा रही है। इसकी वजह यह है कि राज्य सरकार में कोई पूर्णकालिक शिक्षा मंत्री नहीं है। सुरेश कुमार ने कहा एक पूर्णकालिक शिक्षा मंत्री की जरूरत है, जिसकी जानकारी सरकार को नहीं है। इसलिए, उन्होंने शिकायत की कि राज्य सरकार ने छात्रों के जीवन के साथ खिलवाड़ करके और उनका भविष्य बर्बाद करके एक बड़ा योगदान दिया है। सरकार 5वीं, 8वीं और 9वीं कक्षाओं का मूल्यांकन और बोर्ड परीक्षा आयोजित करने जा रही है। बच्चों, अभिभावकों और स्कूल प्रिंसिपल से बातचीत के बाद बिना उद्देश्य स्पष्ट किए मामला कोर्ट में चला गया। कोर्ट का रोक आदेश, उसका हटना, परीक्षा तिथि की घोषणा - यह सब हुआ और अब परिणाम घोषित नहीं किया गया है। छोटे बच्चों की मानसिकता, माता-पिता की चिंता पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। ये ऐसा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि इनके पास वोट नहीं है। छात्रों के साथ छेड़खानी, उनके जीवन को अंधकार की ओर ले जाना सही कदम नहीं है। उन्होंने कहा कि इस सरकार के शिक्षा मंत्री ने बच्चों की चिंता दूर करने, खेद व्यक्त करने और बच्चों में आत्मविश्वास जगाने का काम नहीं किया है। हमारे राज्य का सीईटी (कॉमन एंट्रेंस टेस्ट) पहले बहुत अच्छा माना जाता था। आज सीईटी को बर्बाद करने का श्रेय इसी सरकार को जाता है। सर्वर डाउन होने के कारण छात्रों को एडमिट कार्ड नहीं मिल सका। इतने सारे छात्रों ने मुझे फोन किया और मैंने इसे मंत्री के ध्यान में लाया। लेकिन उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ा। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि अवैध परीक्षा प्रतिबंध के नाम पर एक जिले के लड़के को दूसरे जिले में परीक्षा दिलवाई गई। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने बच्चों के सपनों पर पत्थर लगाने का काम किया है।

सभी स्कूलों में शिक्षकों की कमी

सरकार ने 15 हजार ग्रेजुएट प्राइमरी टीचर्स की भर्ती का ऐलान किया था। हालांकि 2 महीने में भर्ती का मौका है, लेकिन अव्यवस्था, न भर्ती और न नौकरी के कारण सभी स्कूलों में शिक्षकों की कमी है। यह शैक्षणिक वर्ष भी नजदीक है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि अब तक राज्य सरकार ने राज्य के आधिकारिक स्कूलों और अनौपचारिक स्कूलों की सूची जारी नहीं की है। डीडीपीआई को सूची जारी करने के लिए सूचित किए हुए तीन से चार महीने हो गए हैं। लेकिन, वह काम पूरा नहीं हुआ।

उन्होंने कहा कि यह बच्चों के अधिकारों के प्रति उपेक्षा दर्शाता है। कुछ स्कूलों ने शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले ही स्कूल शुरू कर दिया है। उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि फीस के लिए यह कार्रवाई की गई, लेकिन इस ओर ध्यान दिलाने से कोई फायदा नहीं हुआ। मुझे नहीं पता कि किताब कब आएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने देश के भविष्य को आकार देने वाली शिक्षा प्रणाली के साथ गंभीर अन्याय किया है। इस मौके पर भाजपा के राज्य मुख्य प्रवक्ता अश्वथ नारायण, बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश मौजूद थे।

यौन उत्पीड़न मामला : हासन के सांसद प्रज्वल रेवन्ना को भारत वापस लाने के प्रयास जारी: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने शुक्रवार को कहा कि महिलाओं के खिलाफ यौन शोषण के आरोपों का सामना कर रहे हासन के सांसद प्रज्वल रेवन्ना को भारत वापस लाने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) कुशलता से काम कर रही है। 33 वर्षीय प्रज्वल, जो जद (एस) के संरक्षक और पूर्व प्रधान मंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते हैं, पर महिलाओं के यौन शोषण के कई मामलों का आरोप है। इस घोटाले ने राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है और सत्तारूढ़ कांग्रेस और भाजपा-जद(एस) आपस में भिड़ गए हैं। कथित तौर पर प्रज्वल 27 अप्रैल को जर्मनी के लिए रवाना हुए और अभी भी फरार हैं। वह हासन लोकसभा क्षेत्र से भाजपा-जद(एस) गठबंधन के उम्मीदवार थे, जहां 26 अप्रैल को पहले चरण में मतदान हुआ था। गृह मंत्री डॉ. जी परेश्मेश्वर ने बेंगलूरु में अपने आवास पर संबंधित हासन सांसद प्रज्वल रेवन्ना से मामलों पर बात की। परमेश्वर ने जारी किए गए इंटरपोल के ब्लू कॉर्नर नोटिस के बारे में पूछे गए सवालों पर संवाददाताओं से कहा, प्रक्रियाएं जारी हैं, जब तक हम उसे सुरक्षित नहीं कर लेते, उसे यहां वापस नहीं ले आते और कानून के मुताबिक कार्रवाई नहीं करते, वे जारी रहेंगी। हम न तो इसे धीमा करेंगे और न ही रोकेंगे। भाजपा के इस आरोप पर कि प्रज्वल के देश से भागने के लिए सरकार जिम्मेदार है, मंत्री ने कहा वे यह कहेंगे, उन्हें ऐसी बातें कहनी होंगी। वे यह नहीं कह सकते कि सरकार अच्छा काम कर रही है। लेकिन एक सरकार के तौर पर हमारी जिम्मेदारी है। ऐसी घटनाओं को हल्के में नहीं लिया जा सकता। हम अपना काम करेंगे। कांग्रेस सरकार पर प्रज्वल से जुड़े कथित सेक्स वीडियो स्कैंडल मामले के पीड़ितों को न्याय सुनिश्चित करने के बजाय देवेगौड़ा के परिवार की प्रतिष्ठा को धूमिल करने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए, जद (एस) नेता एचडी कुमारस्वामी ने हाल ही में आरोप लगाया था कि जांच की हर जानकारी मांड्या जिले के एक कांग्रेस विधायक को जा रही है। लेकिन गृह मंत्री को नहीं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए, परमेश्वर ने कहा कुमारस्वामी भी अच्छी तरह से जानते हैं, कई चीजें हम सार्वजनिक डोमेन में नहीं ला सकते हैं, क्योंकि जांच जारी है। मांड्या विधायक को कौन जानकारी देगा? ऐसे आरोप लगाना आसान है। हम सभी की जिम्मेदारी है और हम जिम्मेदारी के साथ काम कर रहे हैं, और हम किसी मजबूरी में नहीं हैं। उन्होंने कहा मैं उन्हें (कुमारस्वामी) बताना चाहता हूं कि एसआईटी कुशलता से काम कर रही है और उन्हें मुझे या मुख्यमंत्री को जो भी जानकारी देनी है, वे देंगे। इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए।

बार-बार होने वाले हमलों के कारणों की होगी जांच

हुब्बल्ली में एक युवती की हत्या के बाद विपक्षी भाजपा द्वारा कर्नाटक में कानून व्यवस्था की स्थिति खराब होने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस सरकार पर निशाना साधे जाने के बाद गृह मंत्री ने कहा कि वह पुलिस की ओर से हुई चूक और अन्य कारकों की समीक्षा कर रहे हैं। जिसने इस तरह की बार-बार होने वाली घटनाओं को जन्म दिया है। परमेश्वर ने कहा मैं यह जानने के लिए समीक्षा कर रहा हूं कि क्या अधिकारियों की ओर से कोई चूक है या कोई अन्य कारक या कारण हैं। बार-बार ऐसी घटनाएं हो रही हैं, हमें यह पता लगाने की जरूरत है कि इसका कारण क्या है। मंत्री ने कहा कि वह घटना की जांच करने और रिपोर्ट सौंपने के लिए एक अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) को हुब्बल्ली भेज रहे हैं और यदि संभव हुआ तो वह वहां का दौरा भी करेंगे। भाजपा ने गुरुवार को अंजलि की हत्या को लेकर सरकार पर कड़ा प्रहार किया और उस पर कानून-व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने में विफल रहने और प्रशासन पर अपनी पकड़ खोने का आरोप लगाया। विपक्षी दल ने यहां तक मांग की कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को परमेश्वर को मंत्रिमंडल से हटाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि वह राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति को संभालने में बुरी तरह विफल रहे हैं।

पर्यावरण जागृति वैदिके बन्नूर के अध्यक्ष को किया सम्मानित

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सदसू सुधी मन्ने संघ केएम डोडी ने भारती नगर में विभिन्न सामाजिक सेवा कार्यों में अपनी श्रेष्ठ सेवाएं देने के लिए पर्यावरण जागृति वैदिके बन्नूर के अध्यक्ष महेंद्र सिंह राजपुरोहित को सम्मानित किया। समाजसेवी राजपुरोहित ने बताया कि शिक्षा और कृषि कार्य सहित विभिन्न सामजिक क्षेत्रों में सेवा कार्य के ढेरों अवसर मिलते है। योग्य अवसर देख कर सेवा का कार्य करना चाहिए।

कार्यक्रम के मुख्य अथिति के रूप में पूर्व विधायक डीसी तम्मणा, विधान परिषद सदस्य मधु माधे गौड़ा, अनूर अनुपमा सतीश, रामचंद्रे गौड़ा, लक्ष्मण,भाग्यमा, शिवणा, सज्जन सिंह राजपुरोहित और जगदीश आदि उपस्थित रहे।

किसानों के सूखा मुआवजा को बैंकों के ऋण समायोजन से बचाएं: आर अशोक

सीएम को किसानों का कर्ज माफ करने की घोषणा करनी चाहिए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। वरिष्ठ भाजपा नेता आर. अशोक ने शुक्रवार को कांग्रेस सरकार पर बैंकों को इस कठिन समय में अपने परिवारों को बचाने के लिए किसानों को दी गई सूखा मुआवजा राशि छीनने देने का आरोप लगाया। यहां पत्रकारों से बात करते हुए विपक्ष के नेता अशोक ने कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए इसे किसान विरोधी बताया और उस पर सहानुभूति की कमी का आरोप लगाया।

उन्होंने बैंकों को उनके ऋणों के समायोजन के रूप में मनरेगा भुगतान और किसानों की पेंशन लेने की अनुमति देने के लिए सरकार की आलोचना की। उन्होंने मांग की कि सीएम सिद्धरामैया को जिला आयुक्तों को निर्देश देना चाहिए कि वे बैंकों को जमा धन का उपयोग ऋण वसूली के लिए न करने का निर्देश दें। उन्होंने कहा अगर बैंक अनुपालन नहीं करते हैं, तो सीएम सिद्धरामैया को किसानों का कर्ज माफ करने की घोषणा करनी चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने सूखा राहत के लिए 3,454 करोड़ रुपये जारी किए हैं। हालांकि, अशोक ने आरोप लगाया कि सीएम सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने अपना हिस्सा जारी नहीं किया है। उन्होंने राज्य सरकार पर केंद्रीय राहत पैकेज किसानों तक पहुंचाने में विफल रहने का आरोप लगाया।

अशोक ने दावा किया कि राज्य सरकार ने आंखें मूंद ली हैं जबकि बैंक राहत राशि का उपयोग ऋण वसूली के लिए कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब, बैंक पेंशन और मनरेगा भुगतान भी ले रहे हैं, जिससे किसानों के पास पैसे नहीं हैं क्योंकि वे सबसे खराब सूखे के परिणाम भुगत रहे हैं। अशोक ने बताया कि पिछली भाजपा सरकार ने केंद्र और राज्य दोनों के योगदान से किसानों को दोहरा राहत पैकेज जारी किया था। उन्होंने मौजूदा सरकार की आलोचना करते हुए दावा किया कि खजाना खाली है और सीएम सिद्धरामैया बचे हुए फंड गिनने में व्यस्त हैं। अशोक ने राज्य सरकार से प्रति एकड़ 5,000 रुपये मुआवजे की घोषणा करने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि इस समर्थन के बिना, राज्य को इस वर्ष उच्च मुद्रास्फीति का सामना करना पड़ेगा। इससे पहले पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने मांग की थी कि राज्य सरकार को बैंकों को चेतावनी देनी चाहिए कि वे किसानों को दी जाने वाली सूखा राहत की राशि जमा न करें। इस संबंध में उन्होंने पोस्ट किया कि राज्य सरकार को तत्काल किसानों को ऋण देने वाले सभी बैंकों के प्रमुखों की बैठक बुलाकर इस मामले पर गंभीरता से चर्चा करनी चाहिए और उन्हें निर्देश देना चाहिए कि वे सूखा राहत राशि को ऋण के रूप में जमा न करें। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा किसानों के बैंक खातों में जमा की गयी सूखा राहत की राशि को किसानों के ऋण में जमा करने वाले बैंकों का व्यवहार वास्तव में क्रूर और निंदनीय है। उन्होंने कहा कि पहले से ही भीषण सूखे और फसल की बर्बादी से जूझ रहे किसानों की आंखों में आंसू लाने का अमानवीय कृत्य गलत है, चाहे इसे किसी भी नजरिए से देखें, किसानों की पीड़ा का कोई अंत नहीं है। लेकिन उन्होंने अपने हाथ बांधे रखने के लिए राज्य की कांग्रेस सरकार की आलोचना की, जिसे उनके आंसू पोंछने और दाता के रूप में खड़े होने की उम्मीद थी।

अंजलि हत्याकांड का आरोपी चलती ट्रेन से कूदने के बाद दावणगेरे में गिरफ्तार

अस्पताल में भर्ती

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले में अंजलि अंबिगर की हत्या के आरोपी गिरीश सावंत को कर्नाटक पुलिस ने दावणगेरे में गिरफ्तार कर लिया है। दो दिन पहले जिले के वीरपुर ओनी में 20 वर्षीय अंजलि अम्बिगर की उसके घर में एक युवक ने चाकू मारकर हत्या कर दी। कथित तौर पर लड़की ने शादी के उसके प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी थी। पुलिस के अनुसार, कथित तौर पर ट्रेन में हाथापाई के बाद चलती ट्रेन से कूदने के बाद आरोपी को चोटें आईं। वह रेलवे पुलिस को मिला जिसने उसे दावणगेरे के एक अस्पताल में पहुंचाया। शुरू में, उन्हें पता नहीं था कि वह अंजलि एम्बिगर की हत्या का संदिग्ध है। बाद में, एक अधिकारी ने देखा कि उसकी शक्ल-सूरत आरोपी से मिलती जुलती थी। जिसके बाद हुब्बल्ली-धारवाड़ पुलिस को अलर्ट कर दिया गया। हुब्बल्ली से एक पुलिस टीम दावणगेरे पहुंची और आरोपी को हिरासत में ले लिया, जिसे बाद में हुब्बल्ली लाया गया। गिरीश सावंत के सिर और चेहरे पर चोटें आई हैं। उसका हुब्बल्ली के अस्पताल में इलाज चल रहा है। इसी बीच शुक्रवार को हुब्बल्ली पुलिस आयुक्त रेणुका सुकुमार ने मीडियाकर्मियों को बताया कि आरोपी की गोवा या मुंबई भागने की योजना थी। उन्होंने रेलवे पुलिस की मदद से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने कहा कि हत्या के पीछे के मकसद पर कोई भी बयान देना जल्दबाजी होगी, क्योंकि आरोपी के बयान को अन्य सबूतों से पुष्ट करना होगा। साथ ही अभी आरोपी बयान देने की हालत में नहीं है। उन्होंने कहा कि रेलवे पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि वह ट्रेन से क्यों कूदा। पुलिस आयुक्त ने बताया कि गिरीश सावंत बाइक चोरी के चार मामलों में नामित है और उसे कम से कम एक बार गिरफ्तार किया गया था।

प्रदेशभर में अगले एक सप्ताह तक भारी बारिश की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य में पिछले दो सप्ताह से प्री-मानसून बारिश हो रही है और शुक्रवार से एक सप्ताह तक बारिश में बढ़ोतरी होगी। मौसम विभाग के अनुसार प्री-मानसून ठीक हो गया है और राज्य भर में बारिश होने का अनुमान है। कोडागु, चिक्कमगलूरु, शिवमोग्गा और पहाड़ी नाडु के तटीय जिलों में 21 मई तक भारी बारिश होगी। साथ ही दक्षिणी अंदरूनी इलाकों के कई जिलों में भी अच्छी बारिश होगी। मौसम विभाग ने पहाड़ी और तटीय इलाकों में भारी बारिश के मद्देनजर ऑरेंज अलर्ट की घोषणा की है। शुक्रवार सुबह-सुबह राजधानी बेंगलूरु के कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। विधान सौधा, केआर मार्केट, मैजेस्टिक, शिवाजीनगर, बसवनगुड़ी, जयनगर, बनशंकरी आदि इलाकों में सुबह बारिश हुई है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, मेलाई चक्रवात, ट्रफ और डिप्रेशन के कारण आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और बार-बार बारिश होने की संभावना है। दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के समय पर आने के संकेत मिल रहे हैं, क्योंकि बंगाल की खाड़ी, हिंद महासागर और अरब सागर में बारिश के लिए अनुकूल परिस्थितियां बन रही हैं। इससे राज्य में वर्षा की मात्रा बढ़ेगी। बेंगलूरु, बेंगलूरु ग्रामीण, चामराजनगर, कोलार, चिक्कबल्लापुर, कोडागु, मैसूरु, हासन, तुमकुरु, चित्रदुर्ग, मांड्या, रामानगर, दावणगेरे, उत्तर कन्नड़, दक्षिण कन्नड़, उडुपी, बेल्लारी जिलों में गरज के साथ बिजली गिरने की संभावना है। उत्तरी कर्नाटक और कल्याण कर्नाटक के कई जिलों में बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक दक्षिण कर्नाटक में बारिश की मात्रा बढ़ेगी और लगभग सभी जिलों में व्यापक बारिश का अनुमान है।

एक व्यक्ति की गोली लगने से मौत

चिक्कमगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। चिक्कमगलूरु तालुक के उलुवागिलु गांव के पास गुरुवार रात को जंगली सूअर का शिकार करने के दौरान गोली लगने से 33 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान चिक्कमगलूरु तालुक के केरेमाक्की के 33 वर्षीय संजू के रूप में हुई है। वह गुरुवार रात को उलुवागिलु गांव के पास लोगों के एक समूह के साथ जंगली सूअर का शिकार करने गया था, जब समूह के एक सदस्य ने गोलीबारी की और गोली उसे लग गई, जिससे वह घायल हो गया। मल्लंदूर पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

अगर कानून-व्यवस्था बनाए रखने पर्याप्त क्षमता नहीं है तो जगह खाली कर दें: बोम्मई

आरोपियों को कानून का डर नहीं

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह राज्य में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त नहीं है। वह हुब्बल्ली के वीरपुर ओनी में हत्या की शिकार अंजलि के आवास पर जाने के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। अंजलि की हत्या एक चौंकाने वाला घटनाक्रम है। आरोपियों को न तो कानून का डर है और न ही पुलिस का, उन्हें लग रहा है कि जो हो जाएगा सो हो जाएगा।

नेहा के मामले के बाद भी पुलिस नहीं जागी। सीएम और अन्य नेता ऊंचे स्वर में बोलते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ नहीं करने के कारण यह हत्या हुई है और अगर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गयी होती तो यह स्थिति उत्पन्न नहीं होती। इस स्थिति के लिए परोक्ष रूप से पुलिस जिम्मेदार है। वहां पुलिस स्टेशन क्यों हैं? उन्होंने पूछा कि अगर विपक्षी दल बयान देता है, तो राजनीतिक होता है, तो क्या

इतनी हत्याएं होने पर भी हमें अपना मुंह बंद रखना चाहिए? उन्होंने कहा कि अगर आप कानून को अपने हाथ में नहीं रख सकते तो तुरंत जगह खाली कर दें। क्या पुलिस के सस्पेंड होने से इस मामले को न्याय मिलेगा? मामले को लेकर एसआईटी का गठन किया जाए।

आरोपियों को फांसी देने की कार्रवाई की जाए। अंजलि के परिवार के लिए मुआवजे की मांग की। हम यहां अपना संघर्ष नहीं छोड़ सकते। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर इसी तरह हत्या का मामला हुआ तो लोग सरकार के खिलाफ हो जायेंगे। ज्ञातव्य है कि एक चौंकाने वाली घटना में, हुब्बल्ली शहर में बुधवार तड़के एक नाराज प्रेमी ने एक लड़की के घर में घुसकर उसकी चाकू मारकर हत्या कर दी थी। आरोपी ने पहले युवती को धमकी देते हुए चेतावनी दी थी कि उसका भी हाल नेहा हिरेमथ जैसा ही होगा, जिसकी हाल ही में हुब्बल्ली में एक कॉलेज परिसर में बेरहमी से चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस के मुताबिक, आरोपी सुबह 5.30 बजे महिला के घर में घुसा और जब वह सो रही थी तो उस पर हमला कर दिया। इससे पहले कि वह प्रतिक्रिया दे पाती, आरोपी उस पर हमला कर चुका था। परिवार द्वारा हमलावर को रोकने के प्रयासों के बावजूद, व्यक्ति ने महिला की हत्या कर दी और भागने में सफल रहा। आरोपी ने पीड़िता की दादी और दो बहनों की मौजूदगी में वारदात को अंजाम दिया। वह उसे पूरे घर में घसीटता रहा, लातें और चाकू मारता रहा। बाद में हत्यारे ने उसे रसोई में धकेल दिया जहां उसने उस पर फिर से चाकू से वार किया।

मैसूरु चलने का दबाव बना रहा था

यह घटना बेंडिगेरी पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में वीरपुरा ओनी इलाके में हुई। मृतक महिला की पहचान अंजलि अम्बिगेरा के रूप में हुई है, जबकि हत्यारे का नाम विश्वा है, जिसे गिरीश सावंत के नाम से भी जाना जाता है। इस घटना ने राज्य को झकझोर कर रख दिया, जो उसी शहर के एक कॉलेज परिसर में एक नाराज प्रेमी द्वारा एमसीए छात्रा नेहा हिरेमथ की नृशंस हत्या के बाद हुई। विश्वा घटनास्थल से भाग गया था। परिवार ने पुलिस को बताया कि उसने धमकी दी थी कि अगर उसने उसकी भावनाओं का जवाब नहीं दिया तो वह नेहा हिरेमथ की तरह उसे भी मार डालेगा। आरोपी अंजलि को ब्लैकमेल कर रहा था और उस पर अपने माता-पिता को बताए बिना अपने साथ मैसूरु चलने का दबाव बना रहा था। पुलिस की प्रारंभिक जांच में पता चला कि आरोपी का चोरी के मामलों में शामिल होने का इतिहास है और वह बाइक चोर के रूप में भी जाना जाता है। अंजलि की दादी गंगम्मा ने पहले पुलिस से संपर्क किया था और उन्हें आरोपियों की धमकियों के बारे में बताया था। हालाँकि, पुलिस ने शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया और उसे दूर भेजने से पहले उसे ज्यादा चिंतित न होने की सलाह दी।

1 जुलाई से लागू होने वाले नए कानूनों के कार्यान्वयन के लिए

शहर के सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को तैयार रहना चाहिए: पुलिस आयुक्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के पुलिस आयुक्त बी. दयानंद ने कहा कि आईपीसी, सीआरपीसी सहित देश के कानून बदल गए हैं और 1 जुलाई से लागू होने वाले नए कानूनों के कार्यान्वयन के लिए शहर के सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को तैयार रहना चाहिए। शहर के अदुगोडी स्थित सीएआर साउथ परेड ग्राउंड में आयोजित मासिक परेड में अभिनंदन प्राप्त करते हुए उन्होंने कहा कि आजादी के पहले से लागू आईपीसी, सीआरपीसी और साक्ष्य अधिनियम की जगह केंद्र सरकार ने भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य संहिता बनाई है, जो कानून का रूप लेगी और 1 जून से लागू होगी। इन नए कानूनों में कौन से नए खंड हैं? नए और पुराने अनुभागों में परिवर्तन और अंतर से अवगत रहें।

उन्होंने कहा कि देश में कानून लागू होने के बाद उसका पूरी तरह पालन करना हमारा कर्तव्य और जिम्मेदारी है। इस मामले पर 1 जुलाई से पहले पूरी जानकारी मिल जाएगी। बेंगलूरु शहर के कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों को पहले ही प्रशिक्षित किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि अगले 15 दिनों में और लोगों की ट्रेनिंग शुरू हो जायेगी। उन्होंने कहा कि इसमें मुख्य रूप से एसीपी स्तर के अधिकारियों को अपने सब-डिवीजन के अंतर्गत आने वाले सभी पुलिस स्टेशनों और फोकस ग्रुप अधिकारियों, सब-इंस्पेक्टर आईओ और आईओ सहायकों और स्टेशन राइटर जैसे चार या पांच कर्मचारियों को संवेदनशील बनाना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम अभियोजन अधिकारियों, अदालत अधिकारियों या स्थानीय कानून कॉलेजों की मदद से आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा, स्व-शिक्षा के माध्यम से इन कानूनों के बारे में जागरूकता हासिल की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह जानकारी पहले से ही सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है और यूट्यूब और अन्य ऐप्स से जानकारी प्राप्त की जा सकती है। इसके अलावा कर्नाटक पुलिस अकादमी ने इस बारे में बुकलेट भी जारी की है, जो सभी पुलिस स्टेशनों को दी गई है। इन्हें पढ़ें और समझें। उन्होंने कहा कि यदि कोई शंका हो तो अधिकारियों से चर्चा कर समाधान करें। 1 जून से जनता अगर थाने आकर शिकायत करेगी तो नये कानून के तहत केस दर्ज करना होगा। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि सभी पुलिस अधिकारियों को इस बात की व्यापक जानकारी होनी चाहिए कि बिना किसी संदेह के नए कानून में किस अधिनियम के तहत मामला दर्ज करना है। जनता को किसी प्रकार की परेशानी या असुविधा न हो इसका विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि एसीपी स्तर के अधिकारियों को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि इस संबंध में अदालतों में विभाग को कोई शर्मिंदगी न उठानी पड़े। राज्य में लोकसभा चुनाव सुचारु रूप से संपन्न हुआ। यह सहयोग करने वाले नूडल अधिकारियों, डीसीपी, एसीपी अधिकारियों के अच्छे संयोजन के कारण है। कमिश्नर ने इन सभी अधिकारियों को बधाई दी।

भाजपा नेता देवराज गौड़ा की न्यायिक गिरफ्तारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एक महिला से बलात्कार के प्रयास के आरोप में गिरफ्तार किए गए भाजपा नेता और वकील देवराजे गौड़ा को न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया गया है। वह तीन दिनों तक पुलिस हिरासत में थे और हासन पुलिस ने उन्हें शुक्रवार को जिला अदालत में पेश किया।

ट्रायल कोर्ट ने देवराजेगौड़ा को न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। देवराजेगौड़ा के खिलाफ 1 मई को होलेनरासीपुर पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई थी। हासन जिले की एक 36 वर्षीय महिला ने आरोप लगाया कि देवराजे गौड़ा ने उसकी संपत्ति बेचने में मदद करने के बहाने उसे परेशान किया। उन्हें धमकाया गया और दुर्व्यवहार किया गया। उसने वीडियो कॉल कर मानसिक प्रताड़ना दी। पीड़िता ने शिकायत में बताया था कि उसने वीडियो कॉल कर उसे उकसाने की कोशिश की। देवराज गौड़ा, जिन्होंने पिछले साल भाजपा नेताओं को प्रज्वल रेवन्ना द्वारा कई महिलाओं पर यौन उत्पीड़न के बारे में चेतावनी दी थी, ने मांग की थी कि हासन के जेडीएस सांसदों को लोकसभा टिकट नहीं दिया जाए। 2023 के विधानसभा चुनाव में प्रज्वल रेवन्ना के पिता होलेनरसीपुर विधायक एचडी रेवन्ना के खिलाफ चुनाव लड़ने वाले देव राजे गौड़ा ने यौन उत्पीड़न के वीडियो लीक करने के लिए राज्य के कांग्रेस नेताओं को जिम्मेदार ठहराया था। हाल ही में प्रज्वल रेवन्ना के मामले में देव राजे गौड़ा ने भी खूब हंगामा किया था।

चुनाव की गहमागहमी में अमित शाह के श्रीनगर दौरे को लेकर चर्चा

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 17 मई।

देश में जारी लोकसभा के अहम चुनाव, जिसमें भाजपा की इज्जत अब पूरी तरह से दांव पर लग चुकी है, के बीच प्रचार अभियान को छोड़ केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के कश्मीर के दो दिनी दौरे पर कई सवाल और आशंकाएं हवा में हैं। दरअसल यह सवाल और आशंकाएं इसलिए हैं क्योंकि अमित शाह अपने अचानक तूफानी फैसलों के लिए जाने जाते हैं।

कल श्रीनगर पहुंचने के तुरंत बाद, उन्होंने गुज्जर, बकरवाल, पहाड़ी और सिखों सहित विभिन्न समुदायों के कई प्रतिनिधिमंडलों से मुलाकात की थी। प्रतिनिधिमंडलों से मुलाकात के बाद शाह ने श्रीनगर के एक होटल में भाजपा नेताओं के एक समूह से भी मुलाकात की। सूत्रों ने कहा कि शाह ने जम्मू कश्मीर में वंशवादी शासन को समाप्त करने की आवश्यकता पर जोर दिया और अपने पार्टी कार्यकर्ताओं से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि अधिकतम लोग नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी और कांग्रेस के खिलाफ वोट करें। वैसे उनके इस अचानक दौरे से भाजपा का एक धड़ा भी हैरान था!

कश्मीर में मुख्यधारा के राजनीतिक नेताओं ने शाह की कश्मीर यात्रा के उद्देश्यों के बारे में आशंका जताई है, खासकर लोकसभा चुनावों के बीच में और जब भाजपा सीधे तौर पर घाटी में किसी भी सीट पर चुनाव नहीं लड़ रही है। नेकां प्रमुख उमर अब्दुल्ला ने बांडीपोरा में एक चुनाव प्रचार रैली से इतर संवाददाताओं से कहा कि क्या यह अजीब नहीं लगता कि गृह मंत्री अपना चुनाव अभियान छोड़कर दो दिनों के लिए ऐसी जगह आ रहे हैं जहां वे चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि शायद, वे जानते हैं कि आगा रुहुल्ला (श्रीनगर से नेकां उम्मीदवार) पहले ही श्रीनगर सीट जीत चुके हैं और अब नेशनल कॉन्फ्रेंस की संभावनाओं को नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं।

पीडीपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री नईम अख्तर ने भी शाह के कश्मीर दौरे पर आश्चर्य जताया था। अख्तर ने एक्स पर पोस्ट किया था जिसमें कहा था कि एक महत्वपूर्ण चुनाव के बीच में, कश्मीर का दौरा जहां पार्टी अपने उम्मीदवार भी नहीं उतार रही है! आशा है कि सब कुछ ठीक है। हालांकि अधिकारियों ने बताया कि शाह गुरुवार शाम यहां पहुंचे और शुक्रवार सुबह नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए। हालांकि जम्मू-कश्मीर में लोकसभा चुनाव के बीच उनकी यात्रा के कारण कश्मीर स्थित कुछ मुख्यधारा के राजनीतिक नोओं के साथ उनकी बैठकों की अटकलें लगाई गईं, लेकिन घाटी छोड़ने से पहले मंत्री की व्यस्तताओं पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया था।

संविधान पीठ का फैसला मानना बाध्यकारी: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा है कि जजों की कम संख्या वाली पीठों पर संविधान पीठ का फैसला बाध्यकारी होगा। सुप्रीम कोर्ट ने अपने अप्रैल 2022 के एक फैसले का जिक्र करते हुए यह टिप्पणी की। 7 अप्रैल 2022 के एक फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि कोई पंचायत उस जमीन पर स्वामित्व का दावा नहीं कर सकती, जो हरियाणा के भूमि कानून के तहत असली मालिकों से मंजूर अधिकतम सीमा तक ली गई हो।

शीर्ष अदालत ने कहा था कि पंचायतें उन जमीनों का सिर्फ प्रबंधन और नियंत्रण कर सकती हैं और उन पर स्वामित्व का दावा नहीं कर सकतीं। पीठ ने कहा कि भूमि मालिकों को जमीन वापस भी नहीं की जा सकती क्योंकि जमीन का अधिग्रहण वर्तमान की जरूरतों के साथ ही भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर किया जाता है। अब सुप्रीम कोर्ट ने अपने अप्रैल 2022 के फैसले की समीक्षा करते हुए कहा कि संविधान पीठ द्वारा निर्धारित कानून को अनदेखा करना और उसके विपरीत दृष्टिकोण रखना एक गलती होगी।

सुप्रीम कोर्ट में अप्रैल 2022 के फैसले की समीक्षा की मांग को लेकर याचिका दायर की गई थी। इस याचिका पर गुरुवार को सुनवाई करते हुए जस्टिस बी आर गवई और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि हमारे विचार से संविधान पीठ के फैसले को नजरअंदाज करने से इसकी मजबूती कमजोर होगी और सिर्फ इस आधार पर फैसले की समीक्षा की अनुमति दी जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट अब 7 अगस्त को समीक्षा याचिका पर सुनवाई करेगा।

बंगाल में टीएमसी नेताओं के ठिकानों पर सीबीआई का छापा

कोलकाता, 17 मई (एजेंसियां)। सीबीआई ने शुक्रवार को बंगाल में टीएमसी के दो नेताओं के ठिकानों पर छापेमारी की। यह छापेमारी साल 2021 में चुनाव के बाद हुई हिंसा के मामले में की गई। सीबीआई ने बंगाल के पूर्वी मेदिनीपुर जिले के काठी इलाके में टीएमसी नेताओं के ठिकानों पर छापा मारा। 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद हुई हिंसा में भाजपा के एक कार्यकर्ता की मौत हो गई थी।

सीबीआई अफसरों की एक टीम ने काठी ब्लॉक नंबर 3 में टीएमसी नेता देबब्रत पांडा के घर छापेमारी की। साथ ही दूसरे ब्लॉक में टीएमसी नेता नंददुलाल मैती के घर पर भी कार्रवाई की। सीबीआई अफसर ने बताया कि पांडा और नंददुलाल के बेटे का नाम 52 अन्य आरोपियों के साथ एफआईआर में है। हिंसा में भाजपा कार्यकर्ता जन्मेजय दुलाई की मौत हुई थी। सीबीआई अफसरों ने बताया कि आरोपियों से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

आरोपियों से पूछताछ भी होगी। अधिकारियों के मुताबिक चुनाव बाद हिंसा मामले में 30 आरोपियों को समन भेजकर पूछताछ के लिए बुलाया गया था, लेकिन कोई भी नहीं पहुंचा, जिसके बाद सीबीआई ने छापेमारी की कार्रवाई की।

मई 2021 को पश्चिम बंगाल विधानसभा के नतीजे आने के साथ ही बंगाल में हिंसा की घटनाएं हुईं। खासकर टीएमसी कार्यकर्ताओं ने जगह जगह भाजपा कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया। हिंसा के डर से कई भाजपा कार्यकर्ताओं ने अपने घर भी छोड़ दिए थे। हिंसा के डर से राजनीतिक कार्यकर्ताओं के घर छोड़ने का मामला कलकत्ता हाईकोर्ट भी पहुंचा था।

उमर अब्दुल्ला के लिए राह आसान नहीं है बारामुला में

जम्मू, 17 मई (ब्यूरो)। पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला बारामुला में कड़े मुकाबले में उलझे हुए हैं, जहां तीखे राजनीतिक नारे और झड़पें चुनावी माहौल की विशेषता हैं। उड़ी, कुपवाड़ा और हंदवाड़ा जैसे प्रमुख क्षेत्रों सहित निर्वाचन क्षेत्र में लगभग 17 लाख मतदाताओं के साथ, इस सीट पर बहुत कड़ा मुकाबला है।

पिछले चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अकबर लोन ने यह सीट हासिल की थ। इस बार उमर अब्दुल्ला अपनी पारंपरिक सीट श्रीनगर छोड़कर खुद बारामुला से चुनाव लड़ रहे हैं। उन्हें पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के सज्जाद लोन और इंजीनियर राशिद से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि पीडीपी ने भी इस क्षेत्र में अपनी ताकत दिखाई है। उसके कार्यकर्ता ने अपनी पार्टी के चुनाव चिह्न कलम के समर्थन में लगातार नारेबाजी करते दिख रहे हैं। प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, गुलमर्ग की बर्फीली चोटियों और कश्मीर घाटियों में पर्यटकों की आमद के बावजूद बारामुला वर्तमान में राजनीतिक गतिविधि का केंद्र है। कस्बों और गांवों में चुनावी गर्मी साफ दिख रही है।

बारामुला के चौक चौराहों पर उमर के पोस्टरों में उनकी पार्टी का हल चिन्ह प्रमुखता से दिखाई देता है, जो उनकी उपस्थिति को मजबूत करता है। इस बीच, पीडीपी कार्यकर्ताओं ने गुलमर्ग से बारामुला तक रास्ते में पीडीपी हमारी जमात है, कलम याद रखें जैसे नारे लगा कर अपनी उपस्थिति दर्शाने की भरपूर कोशिश की है। इंजीनियर राशिद के बेटे और खुद उम्मीदवार अबरार राशिद ने आतंकी फंडिंग के आरोप में अपने पिता के तिहाड़ जेल में बंद होने के बावजूद समर्थन जुटाया है। कश्मीरी में अभियान के नारे उनके संघर्ष पर जोर देते हैं, मतदाताओं से राशिद की सहायता के लिए अपने प्रेशर कुकर चुनाव चिह्न पर बटन दबाने का आग्रह करते हैं। सज्जाद गनी लोन की पीपुल्स कॉन्फ्रेंस, जिसका प्रतीक सेब है, स्थानीय मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए बारामुल्ध्ला की प्रसिद्ध सेब की खेती का लाभ उठाती है।

उनके समर्थकों का दावा है कि यह प्रतीक स्थानीय जनता को सबसे अधिक प्रभावित करता है। कांग्रेस ने उमर अब्दुल्ला के साथ गठबंधन किया है, जबकि भाजपा विशेष रूप से मैदान से अनुपस्थित है, हालांकि उमर अपने भाषणों में उन पर निशाना साधते रहते हैं। स्थानीय राजनीतिक विशेषज्ञों का सुझाव है कि उमर अब्दुल्ला ने नेकां के घटते आधार को फिर से हासिल करने के लिए बारामुला को चुना। हालांकि, कुपवाड़ा और हंदवाड़ा में सज्जाद लोन का प्रभाव, इंजीनियर राशिद के लिए युवा समर्थन के साथ मिलकर, इसे एक चुनौतीपूर्ण प्रतियोगिता बनाता है।

पीडीपी के फैयाज अहमद ने भी दौड़ में गर्मी बढ़ा दी है। युवा मतदाताओं के बीच रोजगार एक प्रमुख मुद्दा बना हुआ है। स्थानीय लोगों को पर्यटन से परे रोजगार के अवसरों की आवश्यकता है। लोग भ्रष्टाचार और राज्य सरकार के चुनावों के महत्व पर प्रकाश डालते हैं। इस बीच राजनीतिक पंडितों का मानना है कि सज्जाद लोन कड़ी प्रतिस्पर्धा प्रदान करेंगे, जबकि अन्य इंजीनियर रशीद को एक मजबूत विकल्प के रूप में देखते हैं। पिछले चुनाव में, नेकां के अकबर लोन ने 30,000 वोटों से जीत हासिल की थी, जिसमें पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के राजा इजाज अली और इंजीनियर राशिद के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा थी। इस साल एक प्रमुख नेता के रूप में उमर अब्दुल्ला की उम्मीदवारी से वोटों के अंतर पर असर पड़ने की उम्मीद है। हालाँकि, कुछ स्थानीय लोग चुनाव के बाद बड़े नेताओं की व्यस्तता पर संदेह व्यक्त करते हैं।

भाजपा की अनुपस्थिति के बावजूद उमर अब्दुल्ला अपने भाषणों में उन पर परोक्ष रूप से सज्जाद लोन का समर्थन करने का आरोप लगाते हुए निशाना साधते रहते हैं। गहन राजनीतिक गतिविधि और रणनीतिक गठजोड़ से चिह्नित यह चुनाव, जम्मू-कश्मीर में सबसे अधिक बारीकी से देखे जाने वाले मुकाबलों में से एक बना हुआ है।

मौलवी केस में बड़ा खुलासा पाकिस्तान का कनेक्शन निकला

कर्णावती, 17 मई (एजेंसियां)। हिंदू संगठनों के नेताओं को फोन पर जान से मारने की धमकी देने वाले सूरत के कठोर गांव निवासी मौलवी सोहेल टिमोल, मुज़फ्फरपुर के शहनाज़ और महाराष्ट्र के शकील से पूछताछ में बड़ी जानकारी सामने आई है। पुलिस की जांच में पाकिस्तान और नेपाल का कनेक्शन मिला है। पुलिस को फर्जी दस्तावेज भी हाथ लगे हैं।

इस पूरे मामले की जांच के लिए पुलिस ने तीनों आरोपियों को रिमांड पर लेकर कड़ी पूछताछ की।

सूरत क्राइम ब्रांच, एनआईए और केंद्रीय एजेंसियों ने मौलवी के कठोर स्थित घर पर मौलवी को साथ रखकर छापा मारा था। मौलवी के घर से पुलिस को उसके नाम के दो वोटिंग कार्ड और जन्म का प्रमाणपत्र मिला है। इनमें से एक सूरत के कठोर का था और दूसरा महाराष्ट्र के नवापुर का था।

शहनाज़ के पास से नेपाल और भारत की नागरिकता के दस्तावेज मिले हैं। इन डॉक्यूमेंट का कहां-कहां उपयोग किया गया है, इस पर पुलिस ने जांच शुरू की है।

आरोपी पाकिस्तान के हैंडलर डोगर के सम्पर्क में थे। हिंदू विचारधारा के साथ जुड़े हुए लोगों से मौलवी, शहनाज और शकील अलग-अलग वर्चुअल नंबर से सम्पर्क करते थे और उनको फोन पर धमकी देते थे। शहनाज़ भारत-नेपाल बॉर्डर पर गांव लहान में गारमेंट्स का धंधा करता था और वह पाकिस्तानी हैंडलर के साथ सम्पर्क में था। मौलवी सोहेल पाकिस्तान के डोगर के सम्पर्क में था और डोगर तमाम आरोपियों को उकसाने का काम करता था। हिंदू विचारधारा से जुड़े जो लोग सोशल मीडिया पर एक्टिव थे, वह सब उनके निशाने पर थे।

सोशल मीडिया पर हिन्दुओं के बारे में विचार रखने या मुसलमान के खिलाफ कुछ भी लिखने या कमेंट्स करनेवालों को वह रडार पर रखते थे। बाद में फोन पर धमकी देते थे।

हिंदूवादी विचारधारा रखनेवालों को वर्चुअल कॉल कर जान से मारने की धमकी दी जाती थी। आरोपी जिस फोन नंबर का उपयोग करते थे वह नंबर भी डोगर ही एक्टिव कराकर देता था। सरफराज, सादिक, एम वखास और जशबाबा जैसे और भी पाकिस्तानी हैंडलर्स के नाम सामने आए हैं।

तमाम आरोपी इन सब हैंडलर्स के साथ क्या बातचीत करते थे? मौलवी को मिला हुआ फंड कहा से आया और किसने दिया इस दिशा में भी पुलिस ने जांच शुरू की है।

धमकी देने के लिए 17 अलग-अलग नंबर और 42 ई-मेल आईडी का इस्तेमाल किया गया।

उग्रवादी के फरार होने के मामले में त्रिपुरा जेल के तीन कर्मचारी निलंबित

अगरतला, 17 मई (एजेंसियां)। त्रिपुरा के सिपाहीजला जिले में स्थित केंद्रीय कारागार से आजीवन कैद की सजा भुगत रहे एक प्रतिबंधित संगठन के सदस्य के फरार होने के मामले में उप-जेलर देबाशीष शील सहित तीन कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया है।

प्रतिबंधित संगठन नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (एनएलएफटी) के सदस्य स्वर्ण कुमार त्रिपुरा जेल की सुरक्षा को धत्ता बताते हुए 14 मई को फरार हो गया।

निलंबित कर्मचारियों में दो अन्य तपन रूपिनी (वार्डर) और माफ़िज़ मिया (गार्ड कमांडर) शामिल हैं।

उग्रवादी के भागने की घटना में शामिल होने का आरोप लगाते हुए जेलर की ओर से दर्ज की गई प्राथमिकी के आधार पर रूपाणी और मिया को पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। सिपहीजाला की एक स्थानीय अदालत ने उन्हें 22 मई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। एक सरकारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि तीन जेल कर्मचारियों को कर्तव्यों में लापरवाही बरतने के आरोप में निलंबित कर दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और महानिरीक्षक (आईजी) कैदी को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान में तीन जिलों के पुलिस अधीक्षक के साथ समन्वय कर रहे हैं।

सिपाहीजला के जिलाधिकारी नागेश कुमार ने बताया था कि प्रतिबंधित संगठन के सदस्य के फरार होने की जानकारी मंगलवार सुबह तब हुई जब कैदियों की हाजिरी लगाई जा रही थी। उसे दक्षिण त्रिपुरा के संतीरबाजार इलाके में हुई हत्या के मामले में दोषी ठहराया गया था और उम्रकैद की सजा सुनाई गयी है।

उग्रवादी 2016 में केंद्रीय कारागार और 2022 में कंचनपुर उपकारागार से फरार हो चुका है।

तटीय आंध्र प्रदेश और रायलसीमा में अलग-अलग स्थानों पर भारी के आसार

अमरावती, 17 मई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के रायलसीमा और उससे सटे उत्तरी तमिलनाडु पर एक चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है और यह समुद्र तल से 5.8 किमी ऊपर तक फैला हुआ है। मौसम विज्ञान केंद्र ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यहां जारी एक दैनिक मौसम रिपोर्ट में कहा गया है कि दक्षिण छत्तीसगढ़ से लेकर कोमोरिन क्षेत्र तक रायलसीमा और उससे सटे उत्तरी तमिलनाडु के ऊपर चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है जो समुद्र तल से 1.5 किलोमीटर ऊपर फैला हुआ है।

इसके अलावा दक्षिण-पश्चिम मानसून के 19 मई के आसपास दक्षिण अंडमान सागर, दक्षिणपूर्व बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों और निकोबार द्वीप समूह में आगे बढ़ने की संभावना है। इसके दवाब से अगले 24 घंटों के दौरान दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश और रायलसीमा में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने का अनुमान है। मौसम विभाग ने कहा कि अगले पांच दिनों के दौरान उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश और यानम, दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश और रायलसीमा में अलग-अलग स्थानों पर बिजली कड़कने और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ तूफान आ सकता है। अगले सात दिनों के दौरान उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश और यानम, दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश और रायलसीमा में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछार पड़ सकती है। पिछले 24 घंटों के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यानम में कई स्थानों पर और रायलसीमा में एक या दो स्थानों पर बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार रायलसीमा के कुरनूल में अधिकतम तापमान 39.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

विरासत भी व विकास भी यह हैं मोदी सरकार की गारंटी: कंगना

मंडी/कुल्लू, 17 मई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी की हिमाचल प्रदेश के मंडी से प्रत्याशी कंगना रनौत ने अपने चुनावी जन संवाद में कहा है कि विरासत भी व विकास भी यह मोदी सरकार की गारंटी हैं। कंगना ने कहा है कि केंद्र सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय व धार्मिक विरासतों के पुनःनिर्माण व संरक्षण के लक्ष्य लेकर काम कर रही है। वर्ष 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजादी के बाद दशकों तक उपेक्षित प्राचीन भारतीय कलाकृतियों की पुनर्प्राप्ति और संरक्षण पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित किया है।

कंगना ने कहा है कि बेहतर वैश्विक संबंधों का लाभ उठाते हुए भारत ने अपनी समृद्ध विरासत की सुरक्षा के महत्त्व पर जोर देते हुए चुराए गए सांस्कृतिक खजाने को सफलतापूर्वक पुनः प्राप्त कर लिया है। यह सक्रिय पहल न केवल सांस्कृतिक संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है, बल्कि अमृतकाल में इन महत्त्वपूर्ण ऐतिहासिक कलाकृतियों की वापसी सुनिश्चित करने में भारत की कूटनीतिक कौशल को भी रेखांकित करती है। वर्ष 2014 से 2022 तक 344 से अधिक कलाकृतियाँ भारत वापस लाई गईं। नवंबर 2021 में 18वीं सदी की चोरी हुई माँ अन्नपूर्णा की मूर्ति एक सदी की लंबी अनुपस्थिति के बाद कनाडा से वाराणसी वापस लाई गई। चोल काल के अंत की एक प्राचीन भगवान हनुमान की मूर्ति ऑस्ट्रेलिया से बरामद की गई और 2023 में भारत लौट आई। स्कॉटलैंड ने कानपुर के एक मंदिर से जब्त की गई 14वीं सदी की औपचारिक इंडो-फारसी तलवार और 11वीं सदी का पत्थर का दरवाजा लौटा दिया। अमेरिका 2023 में 105 से अधिक चोरी हुई कलाकृतियों को वापस भेजने पर सहमत हुआ। कंगना ने कहा की श्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने पिछले दस वर्षों में हर एक क्षेत्र में पूरे विश्व में लोहा मनवाया है।

उन्होंने कहा कि इस दौरान महिलाओं, युवाओं व किसानों को आगे बढ़ने के कई अवसर मिले हैं।

शुभ लाभ

बलरामपुरवासियों का रामलला पर पहला अधिकार: सीएम योगी

बलरामपुर में बनी थी रामलला के मंदिर निर्माण की रणनीति

बलरामपुर, 17 मई (एजेंसियां)। अयोध्या में रामलला के भव्य मंदिर के निर्माण की रणनीति वर्ष 1949 में बलरामपुर में बनी थी इसलिए रामलला पर पहला अधिकार आप सबका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में 500 वर्षों के बाद भव्य रामलला का मंदिर बनाकर बलरामपुरवासियों का इंतजार खत्म किया है। आप सभी अच्छी तरह जानते हैं कि यह काम कांग्रेस और सपा के लोग कभी नहीं कर पाते क्योंकि यह लोग तो हमेशा प्रभु श्रीराम के अस्तित्व पर सवाल खड़ा करते आये हैं। यह सब लोकतंत्र में आपके वोट की ताकत से हुआ है। यही वजह है कि पूरे देश में जनता जनार्दन एक स्वर में अबकी बार मोदी सरकार और 400 पार की बात कह रही है। वह कह रहे हैं जो राम को लाएं हैं, हम उनको लाएंगे। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी का इतिहास रामद्रोही है। ऐसे में यह चुनाव राम भक्तों और रामद्रोहियों के बीच का हो गया है। यह रामद्रोही के साथ राष्ट्र विरोधी भी हैं। यह लोग आतंकवाद को प्रेरित और प्रोत्साहित करने वाले हैं। यह लोग समाज को आपस में जाति के नाम पर लड़ाने वाले है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को बलरामपुर के उतरौला के गोंडा लोकसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान उन्होंने गोंडा के लोकसभा प्रत्याशी कुंवर कीर्तिवर्धन सिंह के पक्ष में वोट की अपील की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इंडी गठबंधन वाले अनुसूचित जाति और पिछड़ी जाति के आरक्षण पर सेंध लगाने वाले हैं। यह बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का अपमान करने वाले लोग हैं। यह देश को तुष्टिकरण की नीति के जरिये अस्थिरता और अराजकता की ओर धकेलना चाहते हैं, लेकिन हम ऐसा होने नहीं देंगे। यह वही लोग हैं जिन्होंने देश के हर नागरिक के सामने पहचान का संकट खड़ा कर दिया था। कांग्रेस के समय में रोज सुबह समाचार में भ्रष्टाचार और शाम होते-होते आतंकी वारदात की खबर सुनने को मिलती थी।

सीएम योगी ने कहा कि गोंडा में समाजवादी पार्टी के समय में खाद्यान्न घोटाला हुआ था, जिसे भुलाया नहीं जा सकता है। आज यह आटा और डाटा फ्री में देने की बात कहते हैं जबकि गरीब के राशन में डकैती डालते थे। इनकी इन बातों पर कतई विश्वास नहीं करना है। आज गरीब के हक पर कोई डाका नहीं डाल सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर गरीब का जनधन अकाउंट खोलकर कमीशनखोरी को समाप्त किया है। आज डीबीटी के माध्यम से अकाउंट में पैसा भेजा जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए जनता ही उनका परिवार है। ऐसे में उन्होंने देश के हर 70 वर्ष के बुजुर्ग को हर साल 5 लाख फ्री इलाज की सुविधा देने की घोषणा की है, जो मोदी की गारंटी को दर्शाता है। सीएम ने कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने राम भक्तों पर गोलियां चलाई थी, जिसे यह देश कभी भूल नहीं सकता है। ऐसे में अपने वोट की चोट से रामद्रोहियों की जमानत जब्त करानी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस चुनाव में एक तरफ रामद्रोही हैं, वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रामभक्त हैं। जिनके लिये देश ही सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि राम भक्त के लिए जनता जनार्दन की सेवा ही सबसे महत्व-पूर्ण है। ऐसे में हम आत्मनिर्भर और विकसित भारत बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कांग्रेस के समय में आतंकवाद की घटना होती थी तो वह कहते थे कि आतंकवादी सीमा पार के हैं। वहीं पिछले 10 वर्षों में एक भी आतंकी घटना नहीं हुई। सीएम योगी ने कहा कि देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर, हाईवे, रेलवे और एयरपोर्ट का निर्माण हो रहा है। श्रावस्ती का एयरपोर्ट चालू हो गया है। यहां मां पाटेश्वरी के नाम पर नया विश्वविद्यालय बनने जा रहा है। गोंडा, बहराइच और बलरामपुर में मेडिकल कॉलेज का निर्माण युद्ध स्तर पर चल रहा है। वहीं आप याद करिये समाजवादी पार्टी की सरकार के समय में यहां की सड़कों की क्या दुदर्शा थी। उस समय सड़क पर चलना दूभर था। उस दौरान गोंडा से देवीपाटन जाने में 4 घंटे लगते थे। वहीं आज यह दूरी 45 मिनट में पूरी की जा रही है। यही मोदी की गारंटी है। इस अवसर पर पूर्व मंत्री रमापति शास्त्री, विधायक राम प्रताप वर्मा, प्रभात वर्मा, विनय द्विवेदी, प्रतीक भूषण, विजय बहादुर पाठक, जिला पंचायत अध्यक्ष बलरामपुर आरती तिवारी, भाजपा गोंडा के जिलाध्यक्ष अमर किशोर कश्यप आदि उपस्थित थे

बिहार को लालटेन युग में ले जाना चाहते हैं कांग्रेस और आरजेडी : योगी

सीएम योगी ने बिहार के सारण में चुनावी जनसभा को किया संबोधित

सारण, 17 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि जहां एक तरफ मोदी जी के नेतृत्व में देश डिजिटल युग में प्रवेश कर रहा है वहीं कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) बिहार को लालटेन युग में ले जाना चाहते हैं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इंडी गठबंधन के लोग जातियों को लड़ाकर और आतंकवाद, नक्सलवाद एवं भ्रष्टाचार को बढ़ाकर सत्ता प्राप्त करना चाहता है। योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को यहां धौरहरा खुर्द में सारण लोकसभा सीट के लिए चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पार्टी प्रत्याशी राजीव प्रताप रूड़ी के लिए जनता से वोट की अपील की।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मैं भगवान श्रीराम की धरती से आपके बीच आया हूं। हम यूपी वाले बिहार को अपना ननिहाल मानते हैं, क्योंकि ये मां जानकी का मायका। उन्होंने कहा कि देश के प्रथम राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद और जय प्रकाश नारायण जी के जिस बिहार ने दुनिया को दिशा दी, कांग्रेस और आरजेडी ने उसके नौजवानों के सामने पहचान का संकट खड़ा कर दिया। कहा कि यूपी में भी माफिया नाम की बीमारी थी जिसे पूरी तरह से समाप्त किया जा चुका है, अब यूपी में महोत्सव होते हैं।

अपने संबोधन की शुरुआत में योगी आदित्यनाथ ने भोजपुरी में कहा, महर्षि दधीचि और बाबा हरिनाथ की पवित्र धरती पर राउर लोगन क वंदन अभिनंदन कर तानी। उन्होंने कहा कि आज सीता प्राकट्य दिवस भी है। इससे बड़ा सौभाग्य क्या हो सकता है कि इस अवसर पर मुझे सारण आने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के चार चरण हो चुके हैं। देश में चारों ओर एक ही नारा गूंज रहा है, मन में एक ही संकल्प है, फिर एक बार मोदी सरकार और अबकी बार चार सौ पार। जनता कह रही है कि जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या में रामलला के भव्य मंदिर का उद्घाटन हुआ तो सबसे पहला उपहार बिहार की जनता की ओर से आया था। उत्सव का माहौल जैसे अयोध्या में था वैसे ही बिहार और जनकपुर में था। अयोध्या और देश के महात्म्य को केवल वही समझ सकता है, जिसके मन में राम की भक्ति होगी। इसे रामद्रोही नहीं समझ सकते। क्योंकि उनके मन में एक ही भाव है कि जैसे भी हो देश की कीमत पर, जातियों को लडाकर, आतंकवाद, नक्सलवाद, भ्रष्टाचार को बढ़ाकर सत्ता प्राप्त करना है। हमारे लिए राम के प्रति भक्ति और राष्ट्र के प्रति अटूट समर्पण का भाव है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी में माफिया पहले सत्ता का संचालन करते थे। बड़े बड़े दंगे कराते थे। रामनवमी, होली, दीप-ावली, शिवरात्रि, जनमाष्टमी और छठ में दंगा कराते थे। मैंने तय किया कि मोदी जी ने मुझे यूपी की बागडोर सौंपी है तो इन दंगाइयों को रसातल में पहुंचाउंगा। अब यूपी में 7 साल से कोई दंगा, कोई कर्फ्यू नहीं होता। माफिया भी समाप्त हो चुके हैं, अब वहां महोत्सव होते हैं। योगी ने लालू प्रसाद यादव को निशाने पर लेते हुए कहा कि भगवान करे लालू जी स्वस्थ्य रहें, मगर वो कहते हैं कि पिछड़ों का सभी आरक्षण मुसलमानों को दे देना चाहिए। ये संविधान को गाली दे रहे हैं, संविधान की खिल्ली उड़ा रहे हैं। बाबा साहब ने कहा था कि धर्म के आधार पर संविधान में आरक्षण नहीं दे सकते हैं। ये धर्म के आधार पर देश के विभाजन की आधारशिला रखना चाहते हैं।

योगी ने कहा कि 1970 में इंदिरा गांधी ने गरीबी हटाओ का नारा दिया था। उनका पोता कह रहा है कि सम्पत्ति का सर्वे कराएंगे। आपके पूर्वजों की दी हुई जमीन की आधी प्रापर्टी कांग्रेस और आरजेडी वाले कब्जा करेंगे। इनमें औरंगजेब की आत्मा घुस गई है। ये जजिया कर लगाना चाहते हैं। योगी ने कहा कि ये चुनाव भाजपा, जेडीयू, लोजपा के लिए आत्मनिर्भर और विकसित भारत का चुनाव है। पूरा चुनाव रामभक्तों और रामद्रोहियों के बीच आ गया है। ये रामद्रोही कहते हैं कि राममंदिर बेकार में बना है। कहा कि लालू के शागिर्द यूपी में भी बैठे हैं। हमने उन्हें भी सही जगह पर बिठा दिया है। वो पहले माफिया से साठगांठ रखते थे, उन्हें जहन्नुम भेजा जा चुका है। अब रामभक्तों और राष्ट्रभक्तों की बारी है।

समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का नया संस्करण खून-चुसवा : योगी

अयोध्या, 17 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को फैजाबाद लोकसभा क्षेत्र के तहत मिल्कीपुर, अयोध्या में विशाल जनसभा को संबोधित किया और मौजूदा सांसद व भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह के लिए अधिक से अधिक संख्या में मतदान की अपील की। इस दौरान सीएम योगी ने सपा और कांग्रेस पर करारा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और सपा का वर्तमान संस्करण बहुत खतरनाक हैं। जब भी ये दोनों मिलते हैं मानकर चलिए कि कोई अपशकुन होने वाला है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के इस नए संस्करण को 'खून चुसवा' कहते हैं। औरंगजेब की आत्मा इनके अंदर घुस गई है। ये देश के लोगों से जजिया कर वसूलना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि आज जो माहौल देश के अंदर बन रहा है इसमें हम सबको सहभागी बनना है। ये अवसर कमल चुनाव पर वोट करके लोक और परलोक दोनों सुधारने का है। विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करना है तो यह केवल भाजपा ही कर सकती है। मोदी जी भारत के विकास के रथ के सारथी हैं। महाभारत के इस युद्ध में वह श्रीकृष्ण की भूमिका में हैं और जहां मोदी जी होंगे, कमल का फूल होगा तो विजय अवश्य होनी है। वहीं, रामद्रोहियों की जमानतें जब्त होंगी।

सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस, सपा और बसपा ये तीनों केवल आज के दिन पर वोट कटवा हैं। सपा और कांग्रेस जब आपस में मिलते हैं तो कोई न कोई गड़बड़ जरूर करते हैं। जब राज्य में समाजवादी पार्टी की सरकार थी और केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी तब अयोध्या में रामजन्म भूमि पर हमला हुआ था। इस बार इन्होंने अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ी जाति के आरक्षण पर सेंध लगाने की साजिश की है।

इनका गरीबी हटाओ का मॉडल बहुत खतरनाक है। ये कहते हैं कि एक झटके में गरीबी हटा देंगे। किसी ने पूछा कैसे हटाएंगे तो कहा कि संपत्ति का सर्वे करेंगे और फिर जो आपके बाप, दादा की संपत्ति होगी उसमें से आधी संपत्ति ले लेंगे और समाजवादी पार्टी के गुंडों में बांट देंगे। उन्होंने कहा कि कमल के फूल पर जब वोट पड़ता है वही मोदी और योगी को ताकत देता है। यही ताकत है जिसने 500 वर्षों की समस्या का समाधान एक झटके में करके आपको और वर्तमान पीढ़ी को गौरव की अनुभूति कराई है। एक तरफ ये विकास है और दूसरी तरफ गरीब कल्याण भी है। कांग्रेस-सपा के समय राशन माफिया हावी थे। भाजपा के समय माफिया को जहां पहुंचाना था पहुंचा दिया। पूरे देश के अंदर अभी तीन चरण के चुनाव बाकी हैं, लेकिन यह पहला चुनाव है जब एक ही नारा गूंज रहा है और वह नारा है फिर एक बार मोदी सरकार और अबकी बार 400 पार। जब लोग बोलते हैं कि 400 पार कैसे? तो जनता कह देती है कि जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे।

उन्होंने कहा कि यह बोलने में कोई संकोच नहीं है कि वर्तमान का यह चुनाव चौथा चरण आते-आते पूरे देश के अंदर रामद्रोही और रामभक्तों के बीच बंट गया है। रामद्रोही वही जो रामभक्तों पर गोलियां चलाते हैं। रामद्रोही वही जो हमारे रामलला की जन्मभूमि पर हमला करने वालों पर मुकदमे वापस लेते हैं। रामद्रोही वही जो कहते हैं कि अयोध्या में राम मंदिर बेकार बना है। रामद्रोही वही जो राम भक्त कल्याण सिंह की मृत्यु पर संवेदना व्यक्त नहीं करते लेकिन माफिया के मरने पर मातम मनाने जरूर जाते हैं। रामद्रोही वही जो देश के अंदर आतंकवाद और नक्सलवाद की जड़ हैं। रामद्रोही वही जो भारत का विकास नहीं चाहते। रामद्रोही वही जो विकास के कार्यों में जगह-जगह बैरियर बनते हैं और रामद्रोही वही जो गरीब के हक पर डकैती डालते हैं। इसमें सबसे पहला नाम आता है समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का।

याद करिए रामभक्तों पर गोलियां समाजव-ादी पार्टी ने चलाई थी। ये समाजवादी पार्टी के लोग ही कहते थे कि अयोध्या में कोई परिंदा भी पर नहीं मार सकता। ये माफिया को अपने गले का हार बनाते थे। पूरे प्रदेश को इन्होंने तबाह करके रख दिया था। भू माफिया, खनन माफिया, शराब माफिया और इतने माफिया पर माफिया इन्होंने पैदा किए कि प्रदेश का विकास बाधित हो गया। उत्तर प्रदेश के नौजवानों के सामने पहचान का संकट आ गया। प्रदेश के बारे में लोग तमाम प्रकार की बातें करते थे, लेकिन जब आप आशीर्वाद देते हैं और अच्छी सरकार बनाते हैं तो 500 वर्षों का इंतजार समाप्त होता है और राम लला भी विराजमान होते हैं। रामभक्तों का संरक्षण होता है तो माफिया की राम नाम सत्य की यात्रा भी धूमधड़ाके से निकाल दी जाती है।

सीएम योगी ने कहा कि राम भक्त वही जो राष्ट्र के बारे में सोचे, राम भक्त वही जो राष्ट्र की सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था करे, राम भक्त वही जो भारत का सम्मान बढ़ाए, राम भक्त वही जो विकास के बड़े बड़े कार्य ला दे, राम भक्त वही जो बिना भेदभाव के गरीबों के उत्थान के लिए काम करे और इसमें सबसे बड़ा नाम है भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का।

भाजपा सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की बात करती है : यादव

श्रावस्ती, 17 मई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की बात करती है।

डॉ. यादव ने उत्तरप्रदेश के श्रावस्ती लोकसभा की गैसडी विधानसभा के पचपेड़वा में भाजपा प्रत्याशी साकेत मिश्रा के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की बात करती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और समाजवादी विचारधारा के लोग कुछ लोगों को अपने वोटों का गुलाम बनाकर रखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं भाजपा सरकारों ने हर वर्ग, हर क्षेत्र के लोगों को सम्मान दिया, लेकिन कांग्रेस और समाजवादी वर्ग विशेष को ही मानते हैं। मुस्लिम देशों में सबसे ज्यादा सम्मान प्रधानमंत्री श्री मोदी का हो रहा है।

डॉ. यादव ने कहा कि भाजपा हर वर्ग और हर क्षेत्र के लोगों को सम्मान देती है। मुस्लिम वर्ग के लोग हमारे साथ हैं तो इसमें भी कांग्रेसियों और समाजवादियों के पेट में दर्द हो रहा है। भाजपा ने डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम साहब को देश का राष्ट्रपति बनाया, लेकिन कांग्रेस ने यह काम कभी नहीं किया। कांग्रेस हमेशा से सिर्फ वोट बैंक की राजनीति ही करती रही है। कांग्रेस ने सिर्फ वोट लिए हैं, उनके विकास के लिए कुछ नहीं किया।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में एक ही परिवार के लोग प्रधानमंत्री बने, लेकिन वे दिल्ली से चुनाव नहीं लड़ सके। उन्हें दिल्ली से चुनाव लड़ने में डर लगता है। उन्होंने कहा कि श्री मोदी के नेतृत्व में नई शिक्षा नीति लागू की गई। इस शिक्षा नीति को लागू करने वाला देश का पहला राज्य मध्यप्रदेश बना और अब नई शिक्षा नीति में हमने भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण को पाठ्यक्रम में शामिल किया है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि भाजपा आमजन की पार्टी है। हमारे यहां जनता से ही प्रधानमंत्री बनता है, मुख्यमंत्री बनता है, मंत्री, सांसद, विधायक बनता है, लेकिन एक पार्टी ऐसी भी है, जिसमें एक ही परिवार से प्रधानमंत्री, अध्यक्ष बनता है।

रामनाथ कोविंद ने सपरिवार की सरयू सलिला की आरती

अयोध्या, 17 मई (एजेंसियां)। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद अपने परिजनों के साथ शुक्रवार को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या में सरयू सलिला की आरती में शामिल होकर पूजा-पाठ किया।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद अपने परिजनों सहित अस्सी सदस्यों के साथ अयोध्या में सरयू सलिला की आरती में शामिल होकर पूजा-पाठ किया। पूर्व राष्ट्रपति की पत्नी सविता कोविंद, सुपुत्री स्वाति कोविंद व अपने अन्य रिश्तेदारों के संग तय कार्यक्रम के अनुसार वंदेभारत ट्रेन से सीधे अयोध्या आये। वहां से कड़ी सुरक्षा के बीच सडक़ मार्ग द्वारा भगवान ऋषभदेव दिगम्बर जैन मंदिर, रायगंज अयोध्या पहुंचे। दिगम्बर जैन मंदिर में पूर्व राष्ट्रपति एवं उनके परिजनों व रिश्तेदारों का भव्य स्वागत किया गया।

पूर्व राष्ट्रपति के साथ करीब अस्सी लोग आये हैं जिसमें उनकी धर्मपत्नी सविता कोविंद, सुपुत्री स्वाति कोविंद व अन्य रिश्तेदार शामिल हैं। सभी लोगों संग आंजनेय सेवा संस्थान की आरती में शामिल हुए वहां उन्होंने सरयू मैया का दर्शन-पूजन कर भव्य आरती उतारी। उसके बाद वहां बजरंग बली की प्रधानतम पीठ हनुमानगढ़ी मंदिर गये और मत्था टेका। जैन तीर्थांकर भगवान ऋषभदेव के दर्शन एवं साध्वी गणिनी प्रमुख ज्ञानमती माता से आध्यात्मिक चर्चा व सत्संग करने के लिये भी कहा। अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पूर्व राष्ट्रपति कोविंद एक श्रद्धालु के रूप में मध्यांह भगवान ऋषभदेव, दिगम्बर जैन मंदिर रायगंज पहुंचे। उनका वहां भव्य स्वागत किया गया। मुख्य रूप से जैन मंदिर के अध्यक्ष पीठाधीश रविन्द्र कीर्ति, स्वामी और कमेटी के समस्त पदाधिकारी सम्मिलित हुए। रात्रि विश्राम करने के बाद सुबह श्रीरामजन्मभूमि पर विराजमान रामलला का दर्शन एवं प्रसिद्ध हनुमानगढ़ी मंदिर का पूजन करने के बाद अयोध्या से कानपुर के लिये प्रस्थान करेंगे। अयोध्या के जैन मंदिर में रात्रि विश्राम करेंगे।

जानकारी

नीम के तेल में छिपा है हर रोग का उपचार

नीम की प्रयोग आयुर्वेदिक औषधि के रूप में किया जाता है। नीम के बीज से निकाला हुआ तेल हमारे कई काम आ सकता है। नीम के तेल में बहुत सारे औषधीय गुण छुपे हुए हैं। यह तेल बेहद ही सुगंध वाला होता है। ये सेहत और सौंदर्य दोनों के लिए फायदेमंद होता है। इसके अलावा यह कई बीमारियों के लिए भी कारगर होता है। इसके बारे में विस्तार से बताते हैं।

मोतियाबिंद की बीमारी: आंखों में मोतियाबिंद और रतौंधी हो जाने पर नीम के तेल को सलाई से आंखों में अंजन की तरह से लगाएं। आंखों में सूजन हो जाने पर नीम के पत्ते को पीस कर अगर दाई आंख में है तो बाएं पैर के अंगूठे पर नीम की पत्ती को पीस कर लेप करें। ऐसा अगर बाई आंख में हो तो दाएं अंगूठे पर लेप करें, आंखों की लाली व सूजन ठीक हो जाएगी।

मलेरिया से बचाव: नीम से मलेरिया भगाया जा सकता है। इससे मच्छर और पैदा होने वाले लार्वा को खत्म किया जा सकता है। मच्छरों पर यह बहुत असरदार होता है। नीम के तेल से मलेरिया पर काबू पाया जा सकता है। किसानों के लिए यह जैविक कीटनाशक का काम करता है। यह पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचाता। यह जमीन या पानी की आपूर्ति में कोई हानिकारक पदार्थ नहीं मिलाता, यह बायोडीग्रेडेबल है। यह मधुमक्खियों और केंचुए के रूप में उपयोगी कीड़े को नुकसान नहीं पहुंचाता।

स्वस्थ त्वचा: रूखी सूखी त्वचा के लिए नीम बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है। एक्जिमा से स्किन पर सूजन और खुजली होती है। इसके लिए इफेक्टिड एरिया में नीम का तेल लगाएं। जलने की वजह से शरीर में जख्म बन जाने पर नीम का तेल लगाने से जख्म जल्दी ठीक हो जाते हैं। इन्फेक्शन से बचाता है। कील-मुंहासों और त्वचा के दाग भी दूर हो जाते है।

रक्तप्रदर मे लाभ: आधा चम्मच नीम का तेल दूध में मिलाकर सुबह-शाम को पीने से रक्तप्रदर और सभी प्रकार के प्रदर बन्द हो जाता है। एथलीट फूट, नाखून कवक जैसे त्वचा रोग फंगल संक्रमण के कारण होते हैं। नीम में पाए जाने वाले दो योगिक 'गेदुनिन' और 'निबिडोल' त्वचा में पाए जाने वाले फफूंद को समाप्त करते हैं और संक्रमण को कम करते हैं।

रुसी दूर करे: बालों को चमकदार, स्वस्थ बाल के लिए,सूखापन दूर करने के लिए नीम के तेल का प्रयोग करें। नीम का तेल नियमित लगाने से सिर की खुजली दूर होगी जिससे रूसी की समस्या ठीक हो जाएगी। इसके तेल से बाल दो मुंहे भी नहीं होते।गंजेपन की समस्या है तो सिर में नीम का तेल लगाएं। इससे जूएं-लीखें भी दूर हो जाती हैं।

दांतों और मसूड़ों की मजबूती: दांतों और मसूड़ों की समस्या में नीम का तेल की कुछ बूंदों मंजन में मिला कर मले। नीम के तेल में एंटी बेक्टीरियन तत्व पाए जाते हैं । जो दांतों में होने वाली समस्यओं जैसे दांतों के दर्द, दांतों का कैंसर, दांतों में सड़न आदि में राहत देता है।

रोके बढ़ती हुई उम्र: नीम में पाये जाने वाले तत्व ऑक्सीकरण रोधक होते हैं। जो चेहरे में होने वाले परिवर्तनों को रोक देते हैं। नीम के तेल लगाने से चेहरे की झुर्रियां कम होती है। और आपकी बढ़ती हुई उम्र रूक जाती है।

गर्मी और बारिश में सफर

खूबसूरत भी है खतरनाक भी

इन बातों का रखें ख्याल तो होगी आसानी

गर्मियों की छुट्टियां खत्म होते होते मानसून शुरू हो जाता है। अक्सर लोग इन्हीं दिनों सफर के लिए जाते हैं। ऐसे में इन बातों का रखें खास ध्यान।

हर मौसम में रखें ख्याल

इन दोनों ही मौसम में आप सफर पर सूती और ढीले ढाले कपड़े लेकर जायें। ये कपड़े जल्दी सूखने वाले और ईको फ्रेंडली हो तो और भी अच्छा है। इसी तरह सबसे आरामदेह फुटवियर को सफर के लिए रखें। इसके अलावा सनग्लास और सनस्क्रीन ले जाना बिलकुल ना भूलें।

स्ट्रीट फूड को विशेष तौर पर अवॉइड करें। इससे गैस, अपच और डिहाइड्रेशन जैसी प्राब्लम्स हो सकती हैं। ज्यादा ऑयली खाना खाने से भी बचें। ठंडे और लिक्वेड फूड जूस, तरबूज खाना प्रिफर करें।

अगर आप को कोई स्पेसफिक प्राब्लम है और उसकी दवायें खाते हैं तो उसे जरूर साथ रख लें। गर्भवती महिलायें पानी और स्नैक्स जरूर साथ में कैरी करें ताकि लंबे सफर के दौरान बीच बीच में कुछ खाती और पीती रहें। बच्चों के लिए भी सफर में कुछ खाने पीने लेकर जरूर चलें। सरदर्द, अपच, उल्टी रोकने वाली जरूरी दवायें और ओरल रिहाइड्रेशन पाउडर आदि ले जाना ना भूलें।

सफर चाहे कार, विमान, ट्रेन या बस किसी से भी करें पर सबसे कंफर्टेबल तकिया जरूर कैरी करें ताकि बैकपेन जैसी प्रॉब्लम्स ना हों। साथ ही थकान से बचने के लिए बीच-बीच में रुक कर थोड़ा आराम जरूर करें।

मानसून में कार के सफर में रखें याद

अगर आप बाई रोड कार से ट्रैवल कर रहे हैं तो इस बात का ख्याल रखें कि आप सड़क के लगभग बीच में ही गाड़ी चलायें। हालाकि कई बार भारी ट्रैफिक के दौरान यह संभव नहीं होता है लेकिन कोशिश करें आप सड़क के ज?यादा किनारे न जायें।

अक्सर लांग ड्राइव पर ब्रेक का प्रयोग कम होता है लेकिन बीच-बीच में हल्का सा ब्रेक लगाते रहें इससे ब्रेकिंग पैड सुखते रहेंगे और अचानक जरूरत पड़ने पर उनकी ग्रिप अच्छी रहेगी।

गाड़ी में म्यूजिक सुनना सबको पसंद होता है पर वाल्यूम को धीमा रखें जिससे कार पर पड़ने वाली बारिश की बूंदों की आवाज से आपको बारिश की गति का अंदाजा मिलता रहेगा।

बरसात में ड्राविंग के दौरान सड़क पर बड़े वाहन जैसे बस, ट्रक आदि से दूरी बनाये रखें और उन्हें ओवरटेक करने की गलती ना करें।

सड़क के किनारे मिट्टी वाले रास्ते से बचें। बारीश के बाद मिट्टी पर फिसलन बढ़ जाती है जो गति और ब्रेकिंग सिस्टम दोनों को प्रभावित कर नुकसान पहुंचा सकती है।

बनें टेक्नोफ्रेंडली

यात्रा के लिए मौसम कोई भी हो पर बड़े काम की बात है। आज कल स्मार्ट फोन्स और टैक्नॉलिजी का जमाना है। इसलिए सफर पर जाने के पहले कई सिक्योरिटी एप्स को अपने फोन में डाऊनलोड करके रखें। ये आपके लिए खासी मददगार साबित हो सकती हैं।

इन एप्स से आपको जहां आप घूमने जा रहे हैं उसके नक्शे, होटल से लेकर फ्लाइट्स या दूसरे सफर के साधनों और लेंग्वेज ट्रांसलेटर्स तक हर चीज में मदद कर सकती हैं।

सबसे आखिर में रवाना होने से पहले जिस जगह आप जा रहे हैं वहां की टूरिज्म वेबसाइट्स पर नजर डाल लें और समझ लें कि आपने सफर के लिए सही मौसम चुना है।

ट्यूमैटॉइड अर्थराइटिस

जब खुद का दुश्मन बने शरीर...

रीढ़ की हड्डी (स्पाइन) को कई विकारों से ग्रस्त कर देता है स्पाइनल र्‍यूमैटॉइड अर्थराइटिस। रोग गंभीर है लेकिन जीन थेरेपी और अन्य आधुनिक इलाज से इस मर्ज को काबू में लाया जा सकता है। स्पाइनल र्‍यूमैटॉइड अर्थराइटिस ऐसी बीमारी है, जिसमें हमारे शरीर का रोग-प्रतिरोधक तंत्र (इम्यून सिस्टम) हमें बचाने के बजाय हमारे शरीर पर ही आक्रमण करने लग जाता है। इस रोग में शरीर का रोग-प्रतिरोधक तंत्र हमारे शरीर के खिलाफ उसमें बनने वाले प्रोटीन, हड्डियों में स्थित कणों, जोड़ों, इंटरवर्टिब्रल डिस्क (आई. वी. डी) और रीढ़ की मांसपेशियों को खत्म करने लग जाता है। इसके परिणामस्वरूप हमारे जोड़ खराब होने लग जाते हैं, जिससे रीढ़ में विकार आ जाता है, जिसे हम स्पॉन्डिलाइटिस कहते हैं।

रोग का दुष्प्रभाव

स्पाइनल रयूमैटॉइड अर्थराइटिस के कारण आने वाले अधिकतम बदलावों को पलटा नहीं जा सकता। इसके परिणामस्वरूप रीढ़ की हड्डी हमेशा के लिए कार्य करना बंद कर देती है या फिर इसमें अकड़न रह जाती है। ज्यादातर यह माना जाता है कि यह बीमारी लाइलाज है और इसके साथ ताउम्र रहना पड़ेगा। यह रोग कम उम्र खासतौर पर किशोरावस्था में शुरू हो सकता है। रोगी की गंभीरता को देखा जाए, तो इसका प्रभाव न सिर्फ रोगी के शरीर पर परंतु पीड़ित व्यक्ति के मस्तिष्क 58 और सामाजिक और आर्थिक स्थितियों पर भी पड़ता है।

बीमारी के लक्षण

जोड़ों में सूजन, अकड़न या लालिमा होना, थकावट महसूस करना, तेज बुखार होना र्‍यूमैटॉइड अर्थराइटिस के प्रमुख लक्षण हैं। यह रोग कम आयु में प्रारंभ हो जाता है, जिससे जल्दी ही रीढ़ की हड्डी में विकार और सूजन बढ़ जाती है। अंततः रीढ़ की हड्डी का स्पॉन्डिलाइटिस हो जाता है।

परंपरागत इलाज

परंपरागत इलाज के अंतर्गत र्‍यूमैटॉइड अर्थराइटिस में शुरुआती तौर पर तेज एंटी-इनफ्लेमेटरी दवाएं दी जाती हैं। दवा का प्रभाव बढ़ाने के लिए एंजाइम्स (ओरल फॉर्म टैब्लेट या कैप्सूल के रूप में) भी दिए जाते हैं। इसके अलावा डॉक्टर पल्स थेरेपी-भी कुछ समय के लिए देते हैं। इसमें स्टेरॉइड्स दिए जाते हैं। इलाज के दौरान डॉक्टर डिजीज मॉडीफाइंग ड्रग्स भी देते हैं। ये उपचार स्थायी रूप से बीमारी को ठीक नहीं करते, बस रोगी के लक्षणों में अल्पकालिक राहत प्रदान करते हैं।

स्टाइलिश दिखने के लिए चुनें सही आईवेयर

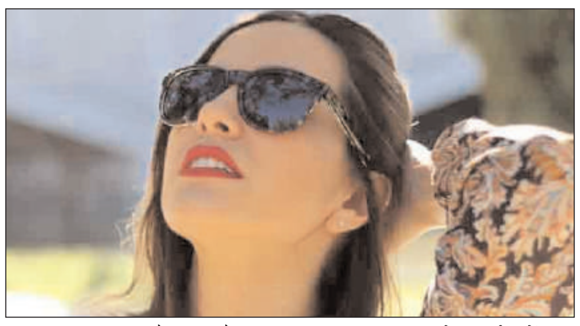

स्टाइलिश और अट्रैक्टिव दिखना चाहती हैं तो कलरफुल व डिजाइनर सनग्लासेस ट्राई करें। इन दिनों स्क्वेयर, रेक्टैंगुलर व हाफ फ्रेम वाले, कैट आई शेप वाले गॉगल्स अभी भी ट्रेंड में है...

स्टाइलिश और अट्रैक्टिव

स्टाइलिश और अट्रैक्टिव दिखना चाहती हैं तो कलरफुल व डिज़ाइनर सनग्लासेस ट्राई करें। इन दिनों स्क्वेयर, रेक्टैंगुलर व हाफ फ्रेम वाले सनग्लासेस ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं।

कैट आई शेप

कैट आई शेप वाले गॉगल्स अभी भी टेंड् में हैं लेकिन कलरफुल फ्रेम्स वाले गॉगल्स की बात ही कुछ अलग है।

स्पोर्टी लुक गॉगल्स

स्पोर्टी लुक के लिए स्क्वेयर शेप वाले ये गॉगल्स आपकी पर्सनैलिटी में चार चांद लगा देंगे।

हाफ फ्रेम वाले गॉगल्स

हाफ फ्रेम वाले ये गॉगल्स अट्रैक्टिव लुक के लिए पसंद किए जाते हैं।

मोटे फ्रेम वाले गॉगल?स

रेट्रो स्टाइल के मोटे फ्रेम वाले गॉगल्स यंगस्टर्स की पहली पसंद हैं। ये रेट्रो के साथ कैजुअल लुक भी देते हैं।

एविएटर शेप वाले गॉगल्स

स्टाइलिश दिखने के लिए एविएटर शेप वाले गॉगल्स को ट्राई करें।

रोज खाएं मुट्ठीभर भीगे हुए चने, फिर देखिए कमाल

बादाम यादाशत को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। बच्चों ही नहीं बड़ों के लिए भी यह बहुत फायदेमंद होते हैं।

इसमें विटामिन इ, जिंक, कैल्शियम,मैग्नीशियम,मिनरल्स और ओमेगा- 3 फैटी एसिड से भरपूर होते हैं लेकिन बादाम की तुलना में चना कम कीमत में ज्यादा फायदे देता है। इसमें आयरन, प्रोटीन और कई मिनरल्स पाए जाते हैं। जो शरीर को एनर्जी देते हैं।

1. कमजोरी करे दूर

इनमें आयरन, प्रोटीन और मिनरल्स काफी मात्रा में पाए जाते हैं। इसे खाने से शरीर को कई एंटीऑक्सीडेंट मिलते हैं। इसके सेवन से कमजोरी दूर होती है।

2. हार्ट डीजीज

चना खाने से कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल में रहता है। इससे हार्ट डिजीज का खतरा कम होता है और हार्ट हेल्दी रहता है।

3. एनीमिया में फायदेमंद

इसमें आयरन की मात्रा अधिक होती है। अगर आप एनीमिया की समस्या से परेशान हैं तो रोजाना चना खाने से इस समस्या से छुटकारा मिलेगा।

4. किडनी की सफाई

चने में फॉस्फोरस होता है जो हीमोग्लोबिन का लेवल बढाता है और किडनी से एक्स्ट्रा साल्ट निकालता हैं।

5. हेल्दी स्किन

इसे चबा कर खाने से स्किन हेल्दी और ग्लोइंग रहती है।

इसका रोजाना सेवन करने से स्किन से जुड़ी कई समस्याओं जैसे- खुजली और रैशेज से छुटकारा मिलता है।

6. यूरिन प्रॉब्लम

अगर आप बार-बार यूरिन जाने की समस्या से परेशान हैं तो भीगे चनों को गुड़ के साथ खाएं। ऐसा करने से इस प्रॉब्लम से राहत मिलेगी।

हेयर रिंग से दें बालों को नया स्टाइल

परफेक्ट मेकअप, हेयर स्टाइल और ड्रेस आपको स्टाइलिश दिखाता है। अगर आपका हेयर स्टाइल अच्छा न हो तो आपकी लुक खराब हो जाती हैं। बालों में स्टाइलिश लुक देने के लिए आजकल कई चीजों का इस्तेमाल किया जाता है जैसे कि हेयर रिंग। हेयर रिंग का इस्तेमाल करके आप सबसे अलग दिख सकती है। आजकल लड़कियां खूब हेयर रिंग बालों का यूज कर रही हैं। आज हम आपको बताते हैं कि कैसे आप हेयर रिंग का इस्तेमाल बालों को स्टाइलिश दिखा सकती हैं।

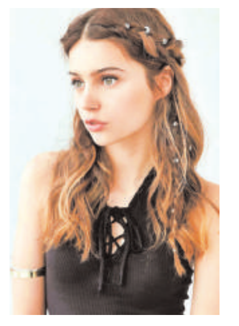

- हेयर रिंग बनाने के लिए आपको चोटी बनाना बहुत जरूरी है इसलिए सबसे पहले बालों की चोटी बना लें।
- हेयररिंग ज्यादा फ्रेंच, बॉक्सर और डबल डच हेयर स्टाइल पर अच्छे लगते हैं।
- अब इन्हें चोटी पर थोड़ी-थोड़ी दूरी पर लगाएं।
- ये रिंग्स बालों पर आसानी से ऐडजस्ट हो जाती हैं। इनको आप कोई डिजाइन देकर भी लगा सकती है।
- आप चाहें तो इन्हें अलग-अलग डिजाइन देकर लगा सकती है जिससे आपके बाल सुंदर लगें।

ऐसे दूर करे आंखों की थकान

खूबसूरत आंखे हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। यह जरूरी नहीं कि आंखे सिर्फ मेकअप के साथ ही खूबसूरत दिखती है। नींद न पूरी होना या काम का प्रशेर अधिक होने से हमारी आंखे थकी-थकी लगती है, जिससे चेहरे की खूबसूरती कम हो जाती है।

आईब्रो पेंसिल: आंखों की थकान छुपाने के लिए आईब्रो पेंसिल का इस्तेमाल करें। अपनी आईब्रो को पेंसिल के साथ भरें। इससे आंखों की थकान भी छिप जाएगी और उन्हें नया लुक भी मिलेगा।

ठंडे खीरे के स्लाइस: अपनी आंखों को खीरे के स्लाइस से ढके। इससे आंखों की थकान दूर होगी।

आईशैडो: आईशैडो के साथ अपनी आंखों की थकान को छुपाएं। इसके लिए कुछ खास तरह से आईशैडो लगाएं। ऐसा करने से आपकी आंखे सुंदर भी दिखेगी।

क्लीनजिंग और मॉइस्चराइजर: स्किन की क्लीनजिंग करके आंखों पर ठंडे पानी के छींटे मारें। इसके बाद मॉइस्चराइजिंग क्रीम से हल्के हाथों से आंख के आस-पास मसाज करें। ऐसा करने से ब्लड सर्कुलेशन बढ़ेगा और आंखों की थकान दूर होगी।

रेसिपी

मसाला मशरूम

सामग्री

1 कटा टमाटर, 1 कटी प्याज,1 टुकड़ा दालचीनी, 2 छोटे चम्मच अदरक लहसुन का पेस्ट, 6-7 लौंग,6-7 छोटी इलायची, 2 छोटे चम्मच तेल,1 छोटा चम्मच पिसी लाल मिर्च, नमक स्वादानुसार, 250 ग्राम कटा मशरूम, 1 कटोरी हरा धनिया।

विधि

इस को बनाने के लिए सबसे पहले मिक्सर में टमाटर, प्याज, दालचीनी और अदरक-लहसुन का पेस्ट, लौंग, इलायची और थोड़ा पानी डालकर पीस लें। अब एक पैन में तेल गर्म होने के बाद इस पेस्ट को डालकर कुछ देर भूनें फिर उसमें पिसी लाल मिर्च और नमक मिलाएं। सब चीजों को अच्छी तरह से मिला लेने के बाद उसमें मशरूम डालें। फिर से सब सामग्रियों के साथ मशरूम को मिलायें और अब 5—7 मिनट तक ढक कर पकाएं। अब उसको सर्विंग बाउल में ढालकर धनिया पत्ता से गार्निश करें और गरमागरम सर्व करें।

चॉकलेट लावा केक

सामग्री

200 ग्राम चॉकलेट
110 ग्राम मक्खन
3 अंड़े
60 ग्राम चीनी
1 टीस्पून वैनिला एक्सट्रेक्ट
30 ग्राम मैदा

विधि

एक पैन लेकर उसमें पानी डाल दें और इसमें चॉकलेट डालकर गर्म करें। इसमें मक्खन डालकर अच्छे से मिलाएं ताकि यह पिघल जाए। एक अलग बाऊल लेकर उसमें 2 अंड़े और1अंड़े का पीला भाग मिलाकर फैट लें। इसमें अब वनीला एसैंस और चीनी डालकर मिक्स कर लें। इसमें मैदा डालकर मिला लें। इसके बाद इसमें पिघली हुई चॉकलेट और मक्खन का मिक्सचर डालकर मिला लें। ध्यान रखें इसमें गांठ न पड़े। अब कप केक के पेपर सांचों पर मक्खन लगाएं ताकि केक इस पर चिपके न और इस पर थोड़ा मैदा छिड़क दें। इसमें अब केक का मिक्सचर डाल दें। ओवन को 350एस्न/180एष्ट पर प्री हीट करें और इसमें 5-10 मिनट के लिए कप केक को रखें। बेकिंग के बाद केक को सांचे से निकाल कर प्लेट में रखें और इसे चॉकलेट सिरप से गार्निश करें। वनिला आइसक्रीम के साथ इसे सर्व करें।

संपादकीय

370 के बाद कश्मीरी जनादेश

जम्मू-कश्मीर की श्रीनगर सीट पर आम चुनाव के चौथे चरण में करीब 38 फीसदी मतदान हुआ। यह 1996 के बाद सर्वाधिक मतदान है। तब 40.9 फीसदी वोट डाले गए थे। राष्ट्रीय संदर्भ में यह बहुत कम मतदान लग सकता है, लेकिन कश्मीर के नाजुक हालात के मद्देनजर यह ऐतिहासिक और उत्साही मतदान है। 1998 के 30 फीसदी मतदान का भी रिकॉर्ड टूट गया है। पिछले आम चुनाव 2019 में, अनुच्छेद 370 को निरस्त करने से पहले, श्रीनगर सीट पर मात्र 14 फीसदी मतदान हुआ था। संसद के जरिए 5 अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 निरस्त किया गया। उसके बाद का यह पहला लोकसभा चुनाव है। चुनावी लोकतंत्र और कश्मीरी जनादेश को मतदाताओं की ऐसी भागीदारी से ताकत मिलेगी। हालांकि अमन-चैन और संपूर्ण सामान्य हालात बनना फिलहाल एक लंबी प्रक्रिया है, लेकिन कश्मीर बदला है और बदल रहा है। कश्मीरी घाटी में मतदान के ऐसे रुझानों को पढ़ना और समझना बेहद मुश्किल और पेचीदा है। मतदान पर दमन और दबाव के आरोप लगते रहे हैं। मतदान से पहले सुरक्षा-व्यवस्था सबसे अहम सरोकार था, क्योंकि 4 मई को भारतीय वायुसेना के काफिले पर आतंकी हमला किया गया था। पुंछ इलाके के उस हमले में हमारा एक जांबाज सैनिक 'शहीद' हुआ और 4 सैनिक घायल हुए थे। कश्मीर में ऐसा टुकड़े-टुकड़े आतंकवाद आज भी मौजूद है। कश्मीर का राजधानी-शहर श्रीनगर आज चहल-पहल में डूबा है। लोग पार्क में बैठे पार्टी कर रहे हैं और पत्रकारों को भी चाय-नाश्ते की पेशकश कर रहे हैं। श्रीनगर में चुनाव के वक्त इसकी कल्पना भी नहीं की जाती थी। लोग प्रधानमंत्री मोदी और उनके बदलावों की भी चर्चा कर रहे थे। घाटी में तो भाजपा का अस्तित्व ही नहीं रहा है। भाजपा ने अपना उम्मीदवार भी श्रीनगर से खड़ा नहीं किया था। वह किसी 'अपनी पार्टी' और 'पीपुल्स कॉन्फ्रेंस' को चुनावी समर्थन दे रही थी, यह भी गप्पबाजी के अलावा कुछ नहीं है। श्रीनगर सीट पर फारूक अब्दुल्ला की 'नेशनल कॉन्फ्रेंस' और महबूबा मुफ्ती की 'पीडीपी' ने एक-दूसरे के खिलाफ प्रत्याशी उतारे थे, हालांकि दोनों ही 'इंडिया' गठबंधन के घटक हैं। वे इतने मतदान को अनुच्छेद 370 निरस्त करने के खिलाफ कश्मीरियों का गुस्सा करार देते हैं। अभी जम्मू-कश्मीर की शेष सीटों पर मतदान होना है, लेकिन भाजपा का मानना है कि अनुच्छेद 370 कोई मुद्दा ही नहीं रहा। भाजपा के लिए यह ऐतिहासिक इसलिए है, क्योंकि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने 'एक विधान, एक निशान, एक प्रधान' के लिए लंबा संघर्ष किया था। उनकी शहादत आज भी एक रहस्य है। अनुच्छेद 370 'जनसंघ' के दौर से एक वैचारिक और सैद्धांतिक एजेंडा रहा है। मोदी सरकार ने अगस्त, 2019 में संसद के जरिए इसे निरस्त किया और उसके बाद आम कश्मीरी आंदोलित भी नहीं हुआ। कश्मीर में 'तिरंगा' फहराया जा रहा है। भारत का संविधान और तमाम कानून कश्मीर में भी प्रभावी हो गए हैं। आरक्षण की व्यवस्था भी लागू कर दी गई है। गैर-कश्मीरी भी जमीन खरीद कर अपना कारोबार कर रहे हैं। कश्मीरी महिलाओं के पारिवारिक और वैवाहिक हक शेष भारत की तरह लागू कर दिए गए हैं। कश्मीर बदल गया है, इसका पुख्ता सबूत यह है कि आम चुनाव के जरिए जनादेश भी शांति और सद्भाव से दर्ज करा दिया गया है। यकीनन यह बदले और नए कश्मीर का पहला जनादेश है। टीवी चैनलों पर असंख्य कश्मीरियों को यह कहते सुना और देखा गया-बेशक बहुत कुछ बदल गया है। अब हम रात-दिन सक्रिय और सुरक्षित हैं।'' आम चुनाव के ऐसे मतदान ने उम्मीदें भी जगा दी हैं कि जम्मू-कश्मीर का राज्यत्व भी बहाल होगा और विधानसभा चुनाव भी ऐसे ही सुकून के साथ होंगे। बीते दिसंबर माह में सर्वोच्च अदालत ने चुनाव आयोग को निर्देश दिए थे कि जम्मू-कश्मीर में 30 सितंबर, 2024 तक विधानसभा चुनाव कराए जाएं। अदालत ने यथाशीघ्र राज्यत्व भी बहाल करने के निर्देश दिए थे। चूंकि जम्मू-कश्मीर में परिसीमन का काम पूरा हो चुका है और मतसूचियां भी अपडेट की जा चुकी हैं, लिहाजा अब चुनावों के लिए किसी भी बहाने की गुंजाइश नहीं है। राज्य में पूर्ण सामान्यीकरण के लिए भी विधानसभा चुनाव कराने बेहद महत्वपूर्ण हैं।

1998 के 30 फीसदी मतदान का भी रिकॉर्ड टूट गया है। पिछले आम चुनाव 2019 में, अनुच्छेद 370 को निरस्त करने से पहले, श्रीनगर सीट पर मात्र 14 फीसदी मतदान हुआ था। संसद के जरिए 5 अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 निरस्त किया गया। उसके बाद का यह पहला लोकसभा चुनाव है। चुनावी लोकतंत्र और कश्मीरी जनादेश को मतदाताओं की ऐसी भागीदारी से ताकत मिलेगी। हालांकि अमन-चैन और संपूर्ण सामान्य हालात बनना फिलहाल एक लंबी प्रक्रिया है, लेकिन कश्मीर बदला है और बदल रहा है। कश्मीरी घाटी में मतदान के ऐसे रुझानों को पढ़ना और समझना बेहद मुश्किल और पेचीदा है। मतदान पर दमन और दबाव के आरोप लगते रहे हैं। मतदान से पहले सुरक्षा-व्यवस्था सबसे अहम सरोकार था, क्योंकि 4 मई को भारतीय वायुसेना के काफिले पर आतंकी हमला किया गया था। पुंछ इलाके के उस हमले में हमारा एक जांबाज सैनिक 'शहीद' हुआ और 4 सैनिक घायल हुए थे। कश्मीर में ऐसा टुकड़े-टुकड़े आतंकवाद आज भी मौजूद है।

वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली को लागू करने के तुरंत उपरांत व्यापारियों को व्यवस्था सम्बन्धी कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ा था

वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण में वृद्धि से गरीब वर्ग तक सहायता पहुंचाना हुआ आसान

प्रहलाद सबनानी

केंद्र सरकार वस्तु एवं सेवा कर को भारत में लागू करने के प्रयास कर रही थी तब कई विपक्षी दलों ने इस नए कर को देश में लागू करने के प्रति बहुत आशंकाएं व्यक्त की थीं। उस समय कुछ आलोचकों का तो यहां तक कहना था कि वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली देश में निश्चित ही असफल होने जा रही है एवं इससे देश के गरीब वर्ग पर कर के रूप में बहुत अधिक बोझ पड़ने जा रहा है। परंतु, केंद्र सरकार ने देश में पूर्व में लागू जटिल अप्रयत्यक्ष कर व्यवस्था को सरल बनाने के उद्देश्य से वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली को 1 जुलाई 2017 से पूरे देश में लागू कर दिया तथा इस कर में लगभग 20 प्रकार के करों को सम्मिलित किया गया था।

आपको ध्यान होगा कि जब केंद्र सरकार वस्तु एवं सेवा कर को भारत में लागू करने के प्रयास कर रही थी तब कई विपक्षी दलों ने इस नए कर को देश में लागू करने के प्रति बहुत आशंकाएं व्यक्त की थीं। उस समय कुछ आलोचकों का तो यहां तक कहना था कि वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली देश में निश्चित ही असफल होने जा रही है एवं इससे देश के गरीब वर्ग पर कर के रूप में बहुत अधिक बोझ पड़ने जा रहा है। परंतु, केंद्र सरकार ने देश में पूर्व में लागू जटिल अप्रयत्यक्ष कर व्यवस्था को सरल बनाने के उद्देश्य से वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली को 1 जुलाई 2017 से पूरे देश में लागू कर दिया तथा इस कर में लगभग 20 प्रकार के करों को सम्मिलित किया गया था। वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली को लागू करने के तुरंत उपरांत व्यापारियों को व्यवस्था सम्बन्धी कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ा था। परंतु, इन परेशानियों को केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों के सहयोग से धीरे-धीरे दूर कर लिया गया है। आज वस्तु एवं सेवा कर के अन्तर्गत देश में कर व्यवस्था का तेजी से औपचारीकरण हो रहा है जिससे देश में वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण कुलांचे मारता हुआ दिखाई दे रहा है। किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए धन की आवश्यकता होती है और यह धन देश की जनता से ही करों के रूप में उगाहे जाने के प्रयास होते हैं। उस कर व्यवस्था को उत्तम कहा जा सकता है जिसके अंतर्गत नागरिकों को कर का आभास बहुत कम हो। जिस प्रकार मधुमक्खी फूल से शहद कुछ इस प्रकार से निकालती है कि फूल को मालूम ही नहीं पड़ता है, ठीक इसी प्रकार की कर व्यवस्था केंद्र सरकार द्वारा, वस्तु एवं कर सेवा के माध्यम से, देश में लागू करने के प्रयास किये गए हैं। गरीब वर्ग द्वारा उपयोग की जाने वाली वस्तुओं पर कर की दर को या तो शून्य रखा गया है अथवा कर की दर बहुत कम रखी गई है। इसके विपरीत, धनाढ्य वर्ग द्वारा उपयोग की जाने वाली वस्तुओं पर कर की दर बहुत अधिक रखी गई है। वस्तु एवं सेवा कर की दर को शून्य प्रतिशत से लेकर 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत एवं 28 प्रतिशत अधिकतम तक रखा गया है। भारत में वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली को लागू किया हुए 6.5 वर्षों से अधिक का समय हो चुका है एवं आज देश में अप्रत्यक्ष कर संग्रहण में लगातार हो रही तेज वृद्धि के रूप में इसके सुखद परिणाम स्पष्टतः दिखाई देने लगे हैं। दिनांक 1 मई 2024 को अप्रेल 2024 माह में वस्तु एवं सेवा कर के संग्रहण

से सम्बंधित जानकारी जारी की गई है। हम सभी के लिए यह हर्ष का विषय है कि माह अप्रेल 2024 के दौरान वस्तु एवं सेवा कर का संग्रहण पिछले सारे रिकार्ड तोड़ते हुए 2.10 लाख करोड़ रुपए के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया है, जो निश्चित ही, भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शा रहा है। वित्तीय वर्ष 2022 में वस्तु एवं सेवा कर का औसत कुल मासिक संग्रहण 1.20 लाख करोड़ रुपए रहा था, जो वित्तीय वर्ष 2023 में बढ़कर 1.50 लाख करोड़ रुपए हो गया एवं वित्तीय वर्ष 2024 में 1.70 लाख करोड़ रुपए के स्तर को पार कर गया। अब तो अप्रेल 2024 में 2.10 लाख करोड़ रुपए के स्तर से भी आगे निकल गया है। इससे यह आभास हो रहा है कि देश के नागरिकों में आर्थिक नियमों के अनुपालन के प्रति रुचि बढ़ी है, देश में अर्थव्यवस्था का तेजी से औपचारीकरण हो रहा है एवं भारत में आर्थिक विकास की दर तेज गति से आगे बढ़ रही है। कुल मिलाकर अब यह कहा जा सकता है कि भारत आगे आने वाले 2/3 वर्षों में 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर मजबूती से आगे बढ़ रहा है। भारत में वर्ष 2014 के पूर्व एक ऐसा समय था जब केंद्रीय नेतृत्व में नीतिगत फैसले लेने में भारी हिचकिचाहट रहती थी और भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की हिचकोले खाने वाली 5 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल थी। परंतु, केवल 10 वर्ष पश्चात केंद्र में मजबूत नेतृत्व एवं मजबूत लोकतंत्र के चलते आज वर्ष 2024 में भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है और विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से आगे बढ़ रही है। वस्तु एवं सेवा कर के माध्यम से देश में कर संग्रहण में आई वृद्धि के चलते ही आज केंद्र एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा गरीब वर्ग को विभिन्न विशेष योजनाओं का लाभ पहुंचाये जाने के भरसक प्रयास किए जा रहे हैं। पीएम गरीब कल्याण योजना के माध्यम से मुफ्त अनाज के मासिक वितरण से 80 करोड़ से अधिक परिवारों को लाभ प्राप्त हो रहा है। पीएम उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 10 करोड़ से अधिक महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन प्रदान किये गए हैं। इन महिलाओं के जीवन में इससे क्रांतिकारी परिवर्तन आया है क्योंकि ये महिलाएं इसके पूर्व लकड़ी जलाकर अपने घरों में भोजन सामग्री का निर्माण कर पाती थीं और अपनी आंखों को खराब होते हुए देखती थीं। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत भी 12 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण कर महिलाओं की सुरक्षा एवं गरिमा को कायम रखा जा सका है। जन धन खाता योजना के अंतर्गत 52 करोड़ से अधिक खाते खोलकर नागरिकों को औपचारिक बैंकिंग प्रणाली में लाया गया है। इससे गरीब वर्ग के नागरिकों के लिए वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिला है। पूरे भारत में 11,000 से अधिक जनऔषधि केंद्र स्थापित किए गए हैं, जो 50-90 प्रतिशत रियायती दरों पर आवश्यक दवाएं प्रदान कर रहे हैं। साथ ही, जल जीवन मिशन ने पूरे भारत में 75 प्रतिशत से अधिक घरों में नल के पानी का कनेक्शन प्रदान करके एक बड़ा मील का पत्थर हासिल कर लिया गया है। लगभग 4 वर्षों के भीतर मिशन ने 2019 में ग्रामीण नल कनेक्शन कवरेज को 3.23 करोड़ घरों से बढ़ाकर 14.50 करोड़ से अधिक घरों तक पहुंचा दिया गया है। इसी प्रकार, पीएम आवास योजना के अंतर्गत, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में 4 करोड़ से अधिक पक्के मकान बनाए गए हैं एवं सौभाग्य योजना के अंतर्गत देश भर में 2.8 करोड़ घरों का विद्युतीकरण कर लिया गया है। विश्व भर के सबसे बड़े सरकारी वित्तपोषित स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम - प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना - के अंतर्गत 55 करोड़ लाभार्थियों को माध्यमिक एवं तृतीयक देखभाल एवं अस्पताल में भर्ती के लिए प्रति परिवार 5 लाख रुपए का बीमा कवर प्रदान किया जा रहा है। वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण में आई तेजी के चलते केवल गरीब वर्ग के लिए विशेष योजनाएं ही नहीं चलाई गईं है बल्कि विशेष रूप से केंद्र सरकार के लिए अपने पूंजीगत खर्च में भी बढ़ोतरी करने में आसानी हुई है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में 11.11 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्च का केंद्रीय बजट में प्रस्ताव किया गया है जो वित्तीय वर्ष 2023-24 के 10 लाख करोड़ रुपए का था एवं वित्तीय वर्ष 2022-23 में 7.5 लाख करोड़ रुपए का था।

दृष्टि कोण

जैव विविधता का मूल्य समझना समय की मांग, धरती पर टिकाऊ भविष्य की दिशा में यही एक रास्ता

जैव विविधता के गॉडफादर के रूप में लोकप्रिय अमेरिकी पारिस्थितिकी विज्ञानी थॉमस ई. लवजॉय की एक मार्मिक टिप्पणी है, 'जैविक विकास की अंतिम विडंबना यह हो सकती है कि मनुष्य के मस्तिष्क के माध्यम से आत्म-समझ प्राप्त करने के तुरंत बाद जीवन ने अपनी सबसे सुंदर रचनाओं को नष्ट कर दिया होगा।' जीवन की विविधता के मूल में एक मूलभूत सत्य निहित है : जगत में सबकुछ अंतर्संबंधों से बंधा है। जैव विविधता जीवन के स्थायित्व और चिरंजीविता के केंद्र में है, किंतु जैव विविधता के योग से भी परे अस्तित्व से आलोक से सराबोर जीवन स्वयं में नैसर्गिक विकास (इवोल्यूशन) की एक मनोरम गाथा का प्रतीक है। जैव विविधता ही जीवन की नैया की खेवनहार है। जितनी अधिक जैव विविधता, उतना ही अधिक जीवन का उत्कर्ष, उतना ही प्रबल जीवनगामी पृथ्वी का ब्रह्मांड में साम्राज्य! जैव विविधता जीवन की शाश्वतता की अनंत कथा है। जैव विविधता प्रकाश की जीवंत कहानी है, जिसे सूर्य का प्रकाश प्रकाश-संश्लेषण के माध्यम से जीवन ऊर्जा के अनंत रूपों में खिलकर आकाशगंगाओं को सुनाता है। प्रकाश की सृजनात्मक क्षमता असीमित है। पेड़-पौधों के पर्णहरित से अठखेलियां कर प्राकृतिक विकास के नवाचारों के झरोखे खोलता प्रकाश अनंत जीवों और पारिस्थितिक तंत्रों को निरंतर पोषित करता है। जीवन कथा को अमर बनाए रखने के लिए समय की धारा के साथ नई प्रजातियां और उनके आनुवंशिक रूप जीवन को समृद्धि और आनंद का उपहार देते रहते हैं। एक बहती नदी के समान ऊर्जा जीवन के विभिन्न माध्यमों से स्वयं को अभिव्यक्त करती है। पदार्थ निष्क्रिय होता है, ऊर्जा क्रियाशील। पदार्थ की क्रियाशीलता ऊर्जा के कारण ही होती है। संपूर्ण ब्रह्मांड की गतिशीलता का स्रोत ऊर्जा ही है। मुक्तावस्था में ऊर्जा विध्वंसक रूप ले सकती

है, जिसे एन्ट्रॉपी कहते हैं। असंख्य जीव-वाहिकाओं में प्रकाश संश्लेषण के माध्यम से प्रवेश कर सौर ऊर्जा एक रचनात्मक अभिव्यक्ति प्रदर्शित करती है। सभी जीवधारियों का व्यवहार और उनके कार्य-कलाप उसी ऊर्जा की रचनात्मक अभिव्यक्तियां हैं। मुक्तावस्था में यही ऊर्जा अराजक हो सकती थी। ऊर्जा जीवन की जितनी विविधता में क्रियाशील होगी, उतनी ही सृजनशीलता और संतुलन की अवस्था में होगी। इसी प्रकार, पृथ्वी की भी ब्रह्मांड के संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका है। ब्रह्मांड की एन्ट्रॉपी को नियंत्रित कर एक ब्रह्मांडीय संतुलन स्थापित करना ही जैव विविधता-भरी पृथ्वी का अनुष्ठान है। पृथ्वी पर जीवन केवल पृथ्वी का ही नहीं, ब्रह्मांड का एक उपादान है। पृथ्वी का उदय ब्रह्मांड के विकास की अनवरत यात्रा का एक लक्ष्य रहा होगा। ब्रह्मांड में 'बिग बैंग' की घटना से कालांतर में पृथ्वी-रूपी अमृत निकला, जैव विविधता जिसकी बूंदें हैं! ऐसे परिदृश्य पर विचार करें, जहां जीवन केवल एक ही प्रजाति के रूप में हो। ऐसा जीवन निरा अनिश्चित-सा होगा और ऐसी दशा में पृथ्वी कभी भी दुर्भिक्ष या किसी महामारी के कारण जीवन-विहीन हो सकती है। जीवों की घनी विविधता ने ऐसी संभावनाओं को क्षीण कर दिया। जीवन की स्थिरता, गतिशीलता और निरंतरता उसकी विविधता पर निर्भर है। जैव विविधता जीवन को जलवायु संबंधी अनियमितताओं के प्रति लचीला बनाती है और प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने में सक्षम जीव समुदायों को पोषित करती है। विविधता स्वयं जीव समुदाय के लिए अस्तित्व का कारक है। जैव विविधता का समृद्ध भंडार जैव-रासायनिक चक्रों की निरंतरता सुनिश्चित करता है। इसके अतिरिक्त, जैव विविधता पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखती है और जैवमंडल के जीवन-निर्वाह को संरक्षित करती है। जैव विविधता हमारे जिंदा ग्रह को जीवन-शक्ति प्रदान करती है। इस अद्भुत विविधता के जागरूक प्रबंधक के रूप में आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवन के बहुरूप दर्शन को संरक्षित करना हमारा परम दायित्व है। पारिस्थितिक दार्शनिक हेनरिक स्कोलिमोस्की ने अस्तित्व संरक्षण के लिए जैव विविधता के आंतरिक मोल पर जोर देते हुए मानवता और प्रकृति के बीच गहन अंतर्संबंध को गहराई से स्पष्ट किया है। जीवों के पारस्परिक तालमेल और मानव सहित संपूर्ण जीवन के अस्तित्व के लिए जैव विविधता जीवन के मूल सार का प्रतीक है।

कुछ अलग

सियासी दलों की खामोशी बहुत कुछ कह रही है..!

राजनीतिक दलों ने समाज को तो बांट ही दिया है, महिलाओं से दुर्व्यवहार और दुष्कर्म जैसी घटनाओं को भी वोट के तराजू में तौलने से वे बाज नहीं आते। ताजा उदाहरण स्वाति मालीवाल का है। वे दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष और आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सदस्य हैं। आप की फाउंडर सदस्य हैं। जब अरविंद एनजीओ चलाया करते थे तब से वे उनके साथ हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री के आवास में उनकी पिटाई और दुर्व्यवहार का मामला अब पुलिस तक पहुंच गया है। पिटाई का आरोप मुख्यमंत्री के निजी सहायक विभव कुमार पर है। केजरीवाल दुनिया जहान की बारे में बोल रहे हैं, लेकिन पिटाई मामले पर मौन ओढ़ रखी है। आरोप है कि केजरीवाल के कहने पर पिटाई हुई। इधर पूरा इंडी गठबंधन इस पर चुप है। केजरीवाल के साथ है। यह अकेला मामला नहीं है। इसके पहले पश्चिम बंगाल के संदेशखाली दुष्कर्म कांड पर भी इंडी गठबंधन इसी तरह चुप था। वहां की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी केजरीवाल की ही तरह खामोश थीं। महिला नेत्री सोनिया गांधी और 'लड़की हूं लड़ सकती हूं' का नारा बुलंद करने वाली प्रियंका गांधी ने भी कुछ बोलना मुनासिब नहीं समझा। लेकिन ठीक इसके उलट महिला पहलवान यौन उत्पीडन कांड पर वे खूब मुखर रहीं। पूरा विपक्ष पहलवानों के साथ खड़ा नजर आया जबकि भाजपा इस मामले पर चुप रही। दूसरी ओर भाजपा संदेशखाली और स्वाति मामले पर खूब मुखर है। सच तो यह है कि राजनीतिक दलों ने महिलाओं को तमाशा बना दिया है। न उनमें महिलाओं के प्रति सम्मान है न दुष्कर्म के खिलाफ गुस्सा। राजनेता ऐसे मामलों में सेलेक्टिव हो जाते हैं। भाजपा शासित राज्यों में दुष्कर्म होता है तो विपक्ष में जोश आ जाता है। वे सबसे बड़े महिला हितैषी हो जाते हैं। लेकिन जब विपक्ष शासित राज्यों में दुष्कर्म होता है तो तो उन्हें सांप सूंघ जाता है। दरअसल, वे घटना को ही झुठलाने में लग जाते हैं। ठीक ऐसा ही सत्ता पक्ष भी करता है। उनके राज्यों में दुष्कर्म होता है तो वे लीपापोती में जुट जाते हैं। महिला नेत्रियां चुप हो जाती हैं। लेकिन विपक्ष शासित राज्यों में उनकी सक्रियता देखने लायक होती है। यानी अपना दुष्कर्मी राजा बेटा और दूसरे का दुष्कर्मी हैवान! यह कैसी सोच है, कैसी मानसिकता है? मजे की बात यह है कि इसमें महिलाएं भी इस्तेमाल होती हैं। महिला के खिलाफ महिला को ही खड़ा कर दिया जाता है। महिला राजनेताओं को दुष्कर्मी के पक्ष में खड़ा होने में रत्ती भर भी शर्म महसूस नहीं होती। इसके साथ ही एक और पहलू भी जुड़ा है। जो महिला नेत्रियां पार्टी के इशारे पर निसंकोच दुष्कर्म को झुठलाने की कोशिश करती हैं उनका अपनी पार्टियों में भी बड़े नेताओं द्वारा यौन शोषण होता है। यह बहुत आम बात है। ऐसे ढेरों प्रसंग सार्वजनिक भी हुए हैं। और यह आज से नहीं आजादी के पहले से होता चला आ रहा है। सभी नेत्रियों के साथ ऐसा होता है, यह नहीं कहा जा सकता, लेकिन शिकार होनेवाली नेत्रियों की अच्छी खासी संख्या है। कोई पार्टी इसका अपवाद नहीं है। कई महिलाओं ने तो इसकी वजह से राजनीति छोड़ना श्रेयकर समझा। महिलाओं को दलीय दायरे से ऊपर उठकर यह समझना होगा कि पुरुषवादी मानसिकता उनका इस्तेमाल कर रही है। ऐसे मामलों में सभी राजनेत्रियों और महिला सामाजिक कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर हल्ला बोलना होगा, तभी आपकी प्रतिष्ठा बचेगी। स्वाति मालीवाल केस ने एक मौका दिया है, महिला नेत्रियों को अपनी अस्मिता के लिए उठ खड़े होने का। क्या वे यह चुनौती स्वीकार करेंगी? क्या उनका स्वाभिमान उन्हें ललकारेगा।

देश दुनिया से

ग्रेग टोलैंड- सिटीजन केन को अमर करने वाला

कालजयी फिल्म 'सिटीजन केन' के अध्ययन के बिना सिनेमा का प्रशिक्षण नहीं हो सकता है। ऑर्सन वेल्स के पास कहानी थी, विचार था, अभिनेता और अभिनय था... इन सबको परदे पर मूर्तिमान किया ग्रेग टोलैंड ने। अपनी सिनेमाटोग्राफी से इस फिल्म को अमर कर दिया। ऑर्सन वेल्स के यहां जो डीप फोकस, प्रकाश-छाया, शैडो का जादू, क्लोजअप्स हम देखते हैं वह इसी फोटोग्राफी का कमाल है। डीप फोकस ग्रेग टोलैंड की विशेषता थी। 29 मई 1904 को अमेरिका में जन्मे ग्रेग टोलैंड का जन्म का नाम ग्रेग वेस्ली टोलैंड था। वे जेनी तथा फ्रैंक की इकलौती संतान थे। पति से तलाक के बाद जेनी बेटे को लेकर कैलीफोर्निया चली गई। मां-बेटे ने कई फिल्म वालों के यहां काम किया। मां लोगों के यहां गृह सेविका थी। फिल्मों के सवाक होने पर कैमरे में शोर कम करने केलिए साउंडप्रूफ बूथ चाहिए थे।

अमेरिकन सिनेमाटोग्राफर ग्रेग टोलैंड ने अपने समय के दिग्गज सिने-निर्देशकों के साथ काम किया और सिने-इतिहास में अपने लिए स्थान सुरक्षित किया। उनके खाते में 68 फिल्मों की सिनेमाटोग्राफी दर्ज है जिनमें कई फिल्म आज भी देखी-सराही जाती हैं। कालजयी फिल्म 'सिटीजन केन' के अध्ययन के बिना सिनेमा का प्रशिक्षण नहीं हो सकता है। ऑर्सन वेल्स के पास कहानी थी, विचार था, अभिनेता और अभिनय था... इन सबको परदे पर मूर्तिमान किया ग्रेग टोलैंड ने। अपनी सिनेमाटोग्राफी से इस फिल्म को अमर कर दिया। ऑर्सन वेल्स के यहां जो डीप फोकस, प्रकाश-छाया, शैडो का जादू, क्लोजअप्स हम देखते हैं वह इसी फोटोग्राफी का कमाल है। डीप फोकस ग्रेग टोलैंड की विशेषता थी। 29 मई 1904 को अमेरिका में जन्मे ग्रेग टोलैंड का जन्म का नाम ग्रेग वेस्ली टोलैंड था। वे जेनी तथा फ्रैंक की इकलौती संतान थे। पति से तलाक के बाद जेनी बेटे को लेकर कैलीफोर्निया चली गई। मां-बेटे ने कई फिल्म वालों के यहां काम किया। मां लोगों के यहां गृह सेविका थी। फिल्मों के सवाक होने पर कैमरे में शोर कम करने केलिए साउंडप्रूफ बूथ चाहिए थे। ग्रेग ने शोर कम करने का उपकरण विकसित किया। डीप फोकस और फिल्म बनाने में जनत्रंत लाने वाले, ऐसे प्रतिभाशाली व्यक्ति टोलैंड की 26 सितम्बर 1948 को कैलीफोर्निया में शराब की कु-लत से असमय मृत्यु हुई। असल में वे कैमरा पकड़ कर सर्वाधिक प्रसन्न होते थे और जब कैमरा न पकड़े होते तो उदास-निराश हो जाते और शराब का सहारा लेते थे। डीप फोकस कैमरे की वह कला है जो किसी दृश्य में सारी चीजों को स्पष्ट दिखाता है। डीप फोकस में दृश्य का बैकग्राउंड, मिडिलग्राउंड, फॉरग्राउंड यानी सब कुछ साफ-साफ नजर आता है। ऑर्सन वेल्स खुले दिल से टोलैंड से फोटोग्राफी कला सीखने की बात स्वीकारते हैं। वेल्स के अनुसार उन्होंने जिनके साथ काम किया वे ग्रेग टोलैंड न केवल महान कैमरामैन थे वरन सबसे तेज भी थे। 1931 में पहली बार उन्हें 'पामी डेज' फिल्म के लिए क्रेडिट मिला और आठ साल बाद 1939 में उन्हें पहला ऑस्कर मिल गया। ऐसा कमाल का उनका कैमरावर्क था। विलियम वायलार ने एमिली ब्रॉन्टी की क्लासिक रचना 'बदरिंग हाइट्स' पर इसी नाम से पौने दो घंटे की फ़ल्मि बनाई थी। इस अमर प्रेम कहानी फिल्म की नायिका कैथी (मर्ले ओबेरॉन) की खूबसूरती को दर्शकों तक पहुंचाने में ग्रेग की महत्वपूर्ण भूमिका थी। इस फ़ल्मि को वे खुद एक सॉफ्ट, डिफ़्यूज्ड पिक्चर, एक फंतासी कहते हैं। मोमबत्ती रोशनी का प्रभाव, रोमांटिक प्रकृति, क्लोजअप्स, बर्फ़, कोहरा सब मिल कर दर्शकों को किसी अन्य लोक में ले जाता है। लेकिन इस फिल्म में विकट, निष्ठुर दृश्य भी हैं, जिनके लिए फोटोग्राफर ने लो एंगल्स, डॉर्क शेडोज और कभीकदा डीप फोकस का प्रयोग किया है। इन्हीं सब कारणों से क्रेडिट के रूप में परदे पर अलग से नाम लिखे जाने वाले कदाचित वे पहले कैमरामैन हैं। कोई आश्चर्य नहीं वे अपने समय के सर्वाधिक मेहनताना पाने वाले कैमरामैन थे। याद करें उनके द्वारा फिल्माई गई 1940 की फिल्म 'ग्रेप्स ऑफ रॉथ'। दो घंटे से कुछ मिनट ऊपर की इस फ़ल्मि का आधार नोबेल (1939) पुरस्कृत साहित्यकार जॉन स्टीनबेक का इसी नाम का उपन्यास है। मगर इस फिल्म में स्क्रीनप्ले राइटर के रूप में वेक और नाम ननैली जॉनसन भी जुड़ा है। इस फिल्म का निर्देशन प्रसिद्ध सिने-निर्देशक जॉन फ़ोर्ड ने किया है। फ़ल्मि 'ग्रेप्स ऑफ़ रॉथ के अभिनेता हैं, हेनरी फ़ोंडा, जेन डैरवेल तथा जॉन कैरराडाइन। फिल्म 'ग्रेप्स ऑफ रॉथ' ने दो ऑस्कर जीते। फिल्म की एक विशेषता है, इसमें प्रत्येक शॉट का सावधानीपूर्वक फिल्मांकन होना, कोई शॉट रुटीन ढ़ंग से नहीं लिया गया है। कहानी अमेरिका की महामंदी के दौर में बेघर हुए लोगों से संबंधित है, खासतौर पर ओक्लाहामा के एक परिवार की गरीबी, हताशा भरी जिंदगी से जुड़ी हुई है। ये लोग अपने खेतों-जमीन से उखड़ कर कैलीफ़ोर्निया की ओर प्रवास करने जा रहे हैं। ग्रेग टोलैंड ने यहां पर अत्यंत कम रोशनी में काम किया है। कारण है कई दृश्य रात के समय के हैं, जिसके लिए कम प्रकाश में काम होना था। साथ ही ढ़ेर सारे शॉट्स उजाड़ में फिल्माए गए हैं। इसका इतिहास में दर्ज वह दृश्य स्मरण कीजिए, जहां टॉम और प्रचारक आमने-सामने हैं, टॉम का मात्र सिल्हुट नजर आता है। टॉम तथा प्रचारक (प्रीचर) को डीप फोकस के साथ प्रयोग करने वाले ग्रेग टोलैंड ने एकमात्र मोमबत्ती की रोशनी में इसे फिल्माया है। इस फिल्म में टोलैंड की फोटोग्राफी लेखन की शैली से पूरी तरह तालमेल बैठाते हुए न्याय करती है।

आप का नजरिया

चुनावी बैनरों का कचरा

चुनावी प्रचार के बीचोंबीच कचरे की मौजूदगी और प्रचार में इस्तेमाल सामग्री का वृतांत अदालत तक पहुंच गया। माननीय हाई कोर्ट ने शिमला नगर निगम से त्वरित कार्रवाई करते हुए बिना अनुमति लगाए गए फ्लैक्स बैनर, पोस्टर व विज्ञापन हटाने के निर्देश दिए हैं। ऐसे निर्देश कायदे-कानूनों की पोथियों में कब से मौजूद हैं, लेकिन उच्च अदालत को यह कहना पड़ रहा कि कुछ तो कार्रवाई करो। कुछ इसी तरह के निर्देश बीबीएन विकास प्राधिकरण के तहत डंपिंग साइट्स से बरसात से पहले कचरा हटाने के भी हुए हैं। सिरसा नदी और उसके सौ मीटर के दायरे से मानसून के खतरे में कचरा सबसे बड़ा कारक है। अप्रत्यक्ष रूप में अदालती आदेश की भावना को समझें, तो हिमाचल के हर शहर और नदी-नालों से जुड़े परिवेश में समझना होगा कि आखिर इस कचरे का इंतजाम होगा कैसे। वैसे प्रयासरत नगर निकाय घर द्वार से कचरा उठा रहे हैं, लेकिन यह सभ्यता का प्रश्न है जो अड़ोसी-पड़ोसी से, दुकान-व्यापार तक और पर्यटन के हर व्यवहार तक कचरे का जनक बन रहा है। प्रचार सामग्री की अत्यधिकता में शहरों की बदनुमा तस्वीर का अवलोकन करें, तो सियासी संलिप्तता की मशहूरी तो चुनाव में निरंकुश होती नजर आती है। कचरे के ढोल पीटती प्रचार सामग्री का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बाजारों की हर अदा में झंडों की कतार सजी है और फिक्र यह नहीं कि इसके आंचल में कितनी अफरातफरी मची है। हद यह कि लोकतांत्रिक प्रतिष्ठानों या राष्ट्रीय महत्व के स्थलों पर चुनाव का चरित्र टंगा है। एक अरसे धर्मशाला शहीद स्मारक समिति प्रशासन से गुहार कर रही है कि यहां इस तरह के विज्ञापन चस्पां न हों, लेकिन ताज्जुब यह कि यहां हर बैनर पर राजनीतिक हस्तियों का सीना ऊंचा होता है। यह सत्ता पक्ष के प्रचार का भी नमूना है कि वहां से लोकसभा के उम्मीदवार के दीदार हो रहे हैं या कहीं उपचुनाव के चमत्कार नजर आते हैं। हिमाचल के कमोबेश हर शहरी निकाय के हाथ बंधे हैं, इसलिए सरकारी संपत्तियों पर चस्पां प्रचार सामग्री की शक्ल में कचरे के अवतार नजर आते हैं। यहां डंपिंग का मसला बीबीएन से सिरसा नदी तक नहीं, बल्कि पर्यटन उद्योग व ऑनलाइन शॉपिंग के जरिए आ रहे पैकिंग मैटीरियल का भी है। फूड चेन के माध्यम से फास्ट फूड की गुस्ताखियों से अटे पड़े खाली डिब्बे और हाईवे पर खुल रही शराब की दुकानदारी ने खाली बोतलों के जनाजे थमा दिए हैं। बोतलबंद पानी की बरसात हर पहाड़ से पूछिए कि सडक़ के हर मोड़ पर पर्यटक वाहन किस कद्र ढेर उगाते हैं। ब्रेड-बटर और दूध पर मलाई आने से पहले उसकी पैकिंग प्रदेश को कचरे से अभिशप्त कर रही है। हो सकता कुछ समय के लिए शिमला से अवांछित बैनर हट जाएं, लेकिन मौजूदा चुनाव की सामग्री में कचरा तौलेंगे, तो न जाने कितने पहाड़ बन जाएंगे। ऐसे में पर्यटन प्रदेश कहलाने के साथ-साथ कचरे के सही निपटान का प्रबंधन करना होगा। हर शहर से गांव-कस्बे तक डंपिंग साइट्स के अलावा कूड़ा कचरा निष्पादन का उचित प्रबंधन करना पड़ेगा। यह नागरिक समाज की चिंता का विषय होना चाहिए और व्यापार से उद्योग धंधों तक इस दिशा में सहभागिता से ही हम अभिशप्त होने से बचेंगे।

एचएएल का चौथी-तिमाही में मुनाफा 52 प्रतिशत बढ़कर 4,308 करोड़ हुआ : आय में सालाना आधार पर 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी, कंपनी के शेयर ने एक साल में 195 प्रतिशत रिटर्न दिया

मुंबई, 17 मई (एजेंसियां)।

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड यानी एचएएल का वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में मुनाफा सालाना आधार पर 52 प्रतिशत बढ़कर 4,308 करोड़ रहा। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट 2,831 करोड़ रहा था। चौथी तिमाही और सालाना नतीजे जारी किए हैं।

एक साल में एचएएल ने 195 प्रतिशत रिटर्न दिया

रिजल्ट आने के बाद एचएएल का शेयर करीब 11 प्रतिशत बढ़कर 4,637.90 पर बंद हुआ। पिछले एक साल में इसने 195.98 प्रतिशत रिटर्न दिया है। कंपनी का मार्केट कैप 3.08 लाख करोड़ रुपए है।

आय में सालाना आधार पर 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी

एचएएल के ऑपरेशन से कंसॉलिडेटेड रेवेन्यू यानी आय में सालाना आधार पर 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। एफवाय24 की चौथी तिमाही में ऑपरेशन से रेवेन्यू 14,768 करोड़ रहा। एक साल पहले की समान तिमाही यानी एफवाय23 की चौथी तिमाही में रेवेन्यू 12,494 करोड़ रहा था।

वित्त वर्ष 2024 में कंपनी का मुनाफा 30 प्रतिशत बढ़ा

एचएएल का पूरे वित्त वर्ष 2024 में कंसॉलिडेटेड मुनाफा 30.77 प्रतिशत बढ़कर 7620 करोड़ हो गया। वित्त वर्ष 2023 में मुनाफा 5827 करोड़ रहा था।

वित्त वर्ष 2024 में रेवेन्यू 30,380 करोड़ रहा

वहीं एचएएल का वित्त वर्ष 2024 में ऑपरेशन से कंसॉलिडेटेड रेवेन्यू बढ़कर 30,380 करोड़ पहुंच गया। वित्त वर्ष 2023 में रेवेन्यू 26,927 करोड़ रहा था। यानी रेवेन्यू में 12.82 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। क्या होता है स्टैंडअलोन और कंसॉलिडेटेड कंपनियों के रिजल्ट दो भागों में आते हैं- स्टैंडअलोन और कंसॉलिडेटेड। स्टैंडअलोन में केवल एक यूनिट का वित्तीय प्रदर्शन दिखाया जाता है। जबकि, कंसॉलिडेटेड या समेकित फाइनेंशियल रिपोर्ट में पूरी कंपनी की रिपोर्ट दी जाती है।

यहां, एचएएल की 2 सब्सिडियरी और 12 जॉइंट वेंचर हैं। इन सभी के फाइनेंशियल रिपोर्ट को मिलाकर कॉन्सोलिडेटेड कहा जाएगा। वहीं, एचएएल के अलग रिजल्ट को स्टैंडअलोन कहा जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

ट्रेडमार्क उल्लंघन विवाद में फोनपे को मिली जीत

PhonePe

नई दिल्ली। फोनपे ट्रेडमार्क उल्लंघन विवाद में कलकत्ता उच्च न्यायालय ने मेसर्स अनिकेत फूड्स के खिलाफ फोनपे के पक्ष में आदेश दिया है। उच्च न्यायालय ने 10 अप्रैल, 2024 को फोनपे के पक्ष में आदेश जारी करते हुए मेसर्स अनिकेत फूड्स (इसके एजेंटों, उत्तराधिकारियों, स्टॉकिस्टों, वितरकों, डीलरों या इसके माध्यम से या इसके तहत दावा करने वाले किसी भी व्यक्ति) को माल विनिर्माण और बिक्री के लिए ट्रेडमार्क का उपयोग करने से रोक दिया था। न्यायालय ने अनिकेत फूड्स के परिसर का दौरा करने और ट्रेडमार्क का उल्लंघन कर बनाए गए सामानों व उपलब्ध स्टॉक की जानकारी लेने के लिए एक विशेष अधिकारी को भी नियुक्त किया। उक्त विशेष अधिकारी ने 19 अप्रैल को परिसर को दौरा किया और बड़ी मात्रा में फोनपे ट्रेडमार्क उल्लंघन वाले उत्पाद/सामग्री पाई। इसके बाद, मेसर्स अनिकेत फूड्स ने न्यायालय के बाहर समझौते के लिए फोनपे से संपर्क किया और उसके अधिकारों को स्वीकार किया व अपनी अवैध व उल्लंघनकारी गतिविधियों को रोकने की बात कही। समझौते के तहत मेसर्स अनिकेत फूड्स ने बिना शर्त स्वीकार किया कि, ट्रेडमार्क अधिनियम, 1999, कॉपीराइट अधिनियम, 1957 और सामान्य कानून सहित सभी उचित कानूनों के तहत फोनपे उक्त ट्रेडमार्क फोनपे का सच्चा और वैध मालिक है, और उक्त ट्रेडमार्क विशेष रूप से फोनपे से संबद्ध है। फोनपे के ट्रेडमार्क फोनपे, ट्रेड मार्क्स अधिनियम, 1999 और नियमों के प्रावधानों के तहत अत्यधिक प्रतिष्ठित, विशिष्ट और प्रसिद्ध ट्रेडमार्क है और यह बिना किसी समय सीमा के पूरी तरह से, बिना शर्त और स्थायी रूप से फोन से संबंधित है। फोनपे उक्त ट्रेडमार्क का पूर्व उपयोगकर्ता है और फोनपे चिह्न फ़ोन और पी शब्दों का अद्वितीय संयोजन है। अनिकेत फूड्स कभी भी, किसी भी सामान या सेवाओं के लिए किसी भी कानून के तहत प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, ट्रेडमार्क फोनपे में किसी भी मालिकाना अधिकार, ट्रेडमार्क अधिकार, सामान्य कानून अधिकार, या कॉपीराइट का उपयोग और दावा नहीं करेगा और/या उक्त ट्रेडमार्क के समान और/या भ्रामक रूप से किसी भी चिह्न/नाम पर दावा नहीं करेगा।

सीबीआई को एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देने की शक्ति हमारे पास नहीं, अदालत ने खारिज की एमएमटीसी की अपील

नई दिल्ली। मेटल्स एंड मिनरल्स ट्रेडिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एमएमटीसी) को एक विशेष अदालत से झटका लगा है। विशेष अदालत ने एमएमटीसी की याचिका को खारिज कर दिया है। इस याचिका में 2009 में बढ़ी हुई दरों पर एक ऑस्ट्रेलियाई कंपनी से कोयले के आयात में कथित भ्रष्टाचार के संबंध में सीबीआई द्वारा प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की गई थी। विशेष अदालत ने एमएमटीसी की इस याचिका को खारिज करते हुए कहा कि उसके पास सीबीआई को एफआईआर दर्ज करने और मामले की जांच करने का निर्देश देने की शक्ति नहीं है। बता दें कि मेटल्स एंड मिनरल्स ट्रेडिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने मामले में एफआईआर दर्ज करने के लिए सीबीआई को निर्देश देने की मांग की थी। जिसकी अब केंद्रीय जांच एजेंसी प्रारंभिक जांच दर्ज करके जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच यह सुनिश्चित करने के लिए एजेंसी का पहला कदम है कि क्या प्रथम दृष्टया आरोपों में एफआईआर या नियमित मामले के माध्यम से पूर्ण जांच की आवश्यकता के लिए पर्याप्त सामग्री है।

स्टेट बैंक ऑफ सिक्किम ने तीन अधिकारियों के खिलाफ दर्ज कराया केस 69 करोड़ रुपए गबन करने का आरोप

नई दिल्ली। स्टेट बैंक ऑफ सिक्किम ने 69 करोड़ रुपये के गबन के आरोप में बैंक के तीन अधिकारियों के खिलाफ अपराध जांच विभाग (सीआईडी) में प्राथमिकी दर्ज कराई है। बैंक ने प्राथमिकी में धन के गबन के लिए तीन अधिकारियों दोरजी शेरिंग लेप्चा, महाप्रबंधक (संचालन), त्सेवांग दोरजी लेप्चा, सहायक प्रबंधक (आईटी) और तिलक राय, वरिष्ठ लेखा सहायक पर आरोप लगाए हैं। 14 मई को दर्ज प्राथमिकी में कहा गया है कि तीनों अधिकारियों ने सरकारी अधिकारियों के नाम पर विभिन्न सावधि जमा खाते खोले और शेष बैंक धन को विभिन्न चल व अचल संपत्तियों में निवेश किया। बैंक ने सीआईडी से चल (बैंक खातों, एफडी, शेयर, म्यूचुअल फंड) और अचल संपत्तियों सहित सभी संपत्तियों को तुरंत फ्रीज करने का अनुरोध किया है जो उनके व्यक्तिगत नाम के साथ-साथ उनके परिवार के निकटतम सदस्यों के नाम पर दर्ज हैं। स्टेट बैंक ऑफ सिक्किम सिक्किम सरकार के अधीन एक स्वायत्त निकाय है। सीआईडी ने कहा कि मामला दर्ज कर लिया गया है और वे मामले की जांच कर रहे हैं।

अब नेपाल में एमडीएच -एवरेस्ट मसालों पर बैन लगा : कीटनाशक एथिलीन ऑक्साइड की जांच शुरू की, अप्रैल में सिंगापुर-हॉन्गकॉन्ग ने किया था बैन

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)।

सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग के बाद अब नेपाल ने भी भारत के दो मसाला ब्रांड एवरेस्ट और एमडीएच की बिक्री, खपत और आयात पर रोक लगा दी है। नेपाल के खाद्य प्रौद्योगिकी एवं गुणवत्ता नियंत्रण विभाग के प्रवक्ता मोहन कृष्ण महारजन ने कहा, नेपाल में आयात किए जा रहे एवरेस्ट और एमडीएच ब्रांड के मसालों के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। मसालों में हानिकारक केमिकल के अंश पाए जाने की खबर आने के बाद एक हफ्ते पहले आयात पर प्रतिबंध लगाया गया था और हमने मार्केट में भी इसकी बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है। इन दो ब्रांड्स के मसालों में केमिकल के लिए जांच चल रही है। अंतिम रिपोर्ट आने तक प्रतिबंध लागू रहेगा।

अप्रैल में सिंगापुर-हॉन्गकॉन्ग ने एवरेस्ट और एमडीएच के मसालों पर लगाया था बैन - इससे पहले अप्रैल महीने में सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग ने एमडीएच और एवरेस्ट दोनों कंपनियों के कुछ प्रोडक्ट्स में पेस्टिसाइड एथिलीन ऑक्साइड की लिमिट से ज्यादा मात्रा होने के कारण उन्हें बैन किया था। इन प्रोडक्ट्स में इस पेस्टिसाइड की ज्यादा मात्रा से कैंसर होने का खतरा है। हॉन्गकॉन्ग के फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट ने कहा था कि एमडीएच ग्रुप के तीन मसाला मिक्स- मद्रास करी पाउडर, सांभर मसाला पाउडर और करी पाउडर में एथिलीन ऑक्साइड की मात्रा ज्यादा पाई गई है। एवरेस्ट के फिश करी मसाला में भी यह कार्सिनोजेनिक पेस्टिसाइड पाया गया है।

भारतीय मसालों का रिजेक्शन रेट बेहद कम- वाणिज्य मंत्रालय - 15 मई को वाणिज्य मंत्रालय ने कहा था कि भारतीय मसालों का रिजेक्शन रेट बेहद कम है। वहीं, निर्यात सैंपल की विफलता भी कम है। मंत्रालय के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा था, हमारी ओर से प्रमुख देशों को निर्यात किए गए मसालों की कुल मात्रा के मुकाबले अस्वीकृति दर 1 प्रतिशत से भी कम है। उन्होंने कहा कि मंत्रालय रिकॉल और अस्वीकृति आंकड़ों पर नजर रखता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारी ने कहा था कि वित्त वर्ष 24 में भारत ने लगभग 14.15 मिलियन टन मसालों का निर्यात किया, जिसमें से केवल 200 किलोग्राम के मसाले की एक छोटी मात्रा को ही वापस मंगाया गया।

एक सैंपल का प्रभावित होना कोई बड़ी बात नहीं - वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया था कि भारतीय निर्यात के लिए सैंपल फेलियर 0.1 प्रतिशत से 0.2 प्रतिशत के निचले स्तर पर बना हुआ है, जबकि अन्य देशों से आने वाले मसाले का सैंपल फेलियर 0.73 प्रतिशत है। उन्होंने कहा था कि एक सैंपल का प्रभावित होना कोई बड़ी बात नहीं है। भारत कई बार कई देशों के सैंपल को खारिज भी कर देता है।

भारत ने सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग से डीटेल्स मांगी थी - 24 दिन पहले एमडीएच और एवरेस्ट मसालों के बैन के मामले में भारत ने सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग के फुड रेगुलेटर्स यानी खाद्य नियामक से डीटेल्स मांगी हैं। कॉमर्स मिनिस्ट्री ने सिंगापुर और हांगकांग दोनों में भारतीय दूतावासों को इस मामले पर एक डीटेल्ड रिपोर्ट भेजने का भी निर्देश दिया था। मिनिस्ट्री ने एमडीएच और एवरेस्ट से भी डीटेल्स मांगी थी।

मसालों में तय मानकों से कम कीटनाशक की अनुमति - 6 मई को फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने उन सभी मीडिया रिपोर्ट्स का खंडन किया था, जिसमें यह दावा किया जा रहा था कि भारतीय फूड कंट्रोलर जड़ी-बूटियों और मसालों में तय मानक से 10 गुना ज्यादा कीटनाशक मिलाने की अनुमति देता है। एफएसएसएआई ने एक प्रेस रिलीज में बताया था कि इस तरह की सभी खबरें झूठी और बेबुनियाद हैं। भारत में मैक्सिमम रेसिड्यू लेवल यानी कीटनाशक मिलाने की लिमिट दुनियाभर में सबसे कड़े मानकों में से एक है। कीटनाशकों के एमआरएल उनके रिस्क के आकलन के आधार पर अलग-अलग फूड मटेरियल के लिए अलग-अलग तय किए जाते हैं।

कुछ कीटनाशकों के लिए बढ़ाई थी लिमिट - हालांकि एफएसएसएआई ने माना था कि कुछ कीटनाशक, जो भारत में केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड और रजिस्ट्रेशन कमेटी से रजिस्टर्ड नहीं हैं, उनके लिए यह लिमिट 0.01 एमजी/ केजी से 10 गुना बढ़ाकर 0.1 एमजी/ केजी की गई थी। यह वैज्ञानिक पैनल के रिकमेंडेशन पर ही किया गया था। सीआईबी एन आरसी कीटनाशकों की मैन्युफैक्चरिंग, इम्पोर्ट-एक्सपोर्ट, ट्रांसपोर्ट और स्टोरेज आदि को रेगुलेट करते हैं।

मिर्च पाउडर में माइक्लोबुटानिल की सीमा 2 एमजी/ केजी - मिर्च पाउडर में मिलाए जाने वाले माइक्लोबुटानिल के लिए कोडेक्स ने 20 एमजी/ केजी की लिमिट तय की है। जबकि एफएसएसएआई इसे केवल 2 एमजी/ केजी तक मिलाने की परमिशन देता है। एक अन्य पेस्टिसाइड स्पाइरोमेसिफेन के लिए कोडेक्स ने 5 एमजी/ केजी की लिमिट तय की है, एफएसएसएआई इसके लिए 1 एमजी/ केजी तक की ही अनुमति देता है। काली मिर्च के लिए मेटालैक्सिल और मेटालैक्सिल-रू के यूज के लिए कोडेक्स ने 2एमजी/ केजी की लिमिट तय की है। जबकि एफएसएसएआई इसे केवल 0.5एमजी/ केजी तक मिलाने की अनुमति देता है।

सीआईबी और आरसी के पास 295 से ज्यादा कीटनाशक रजिस्टर्ड - भारत में सीआईबी और आरसी के पास 295 से ज्यादा कीटनाशक रजिस्टर्ड हैं। इनमें से 139 कीटनाशकों का इस्तेमाल मसालों में किया जा सकता है, जबकि कोडेक्स ने टोटल 243 कीटनाशकों को एडॉप्ट किया है, इनमें 75 को मसालों में इस्तेमाल किया जा सकता है। कोडेक्स कंज्यूमर हेल्थ की रक्षा करने और फूड बिजनेस पर नजर रखने वाली एक ग्लोबल संस्था है। यह इंटरनेशनल सरकारी और गैर सरकारी संस्थाओं के बीच खाद्य मानकों को तय और लागू करने की अनुमति देती है।

मसाले में क्यों करते हैं कीटनाशकों का इस्तेमाल - मसाला बनाने वाली कंपनियां एथिलीन ऑक्साइड सहित अन्य कीटनाशकों का उपयोग ई. कोली और साल्मोनेला जैसे बैक्टीरिया और फंगस से फूड आइटम्स को खराब होने से बचाने के लिए करती हैं, क्योंकि इन बैक्टीरिया के संपर्क में आने से मसालों की शेल्फ लाइफ बहुत छोटी हो सकती है।

एयर इंडिया पर निजीकरण के बाद नहीं बनता मौलिक अधिकार के उल्लंघन का मामला, सुप्रीम कोर्ट का फैसला

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)।

जनवरी 2022 में टाटा समूह की ओर से अधिग्रहण कर लिए जाने के बाद एयर इंडिया लिमिटेड (एआईएल) का संविधान के अनुच्छेद 12 के तहत राज्य या उसके साधन के रूप में अस्तित्व समाप्त हो गया है और ऐसे में मौलिक अधिकार के कथित उल्लंघन का कोई मामला इसके खिलाफ नहीं बनता है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले में यह बात कही। शीर्ष अदालत ने बॉम्बे हाईकोर्ट के 20 सितंबर, 2022 के फैसले के खिलाफ दायर अपीलों को खारिज कर दिया। इनमें एआईएल के कुछ कर्मचारियों द्वारा वेतन में कथित ठहराव और कर्मचारियों की पदोन्नति न होने और संशोधित वेतन के बकाया भुगतान में देरी से जुड़ी चार रिट याचिकाओं का निपटारा किया गया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि उच्च न्यायालय के समक्ष याचिकाओं में संविधान के अनुच्छेद 14 (कानून के समक्ष समानता), 16 (सार्वजनिक रोजगार के मामलों में अवसर की समानता) और 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का संरक्षण) के उल्लंघन का दावा किया गया था। न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय ने एआईएल के निजीकरण के कारण रिट याचिकाओं की गैरविचारणीयता के आधार पर याचिकाओं का निपटारा किया था। फैसले में कहा गया है कि इस बात को लेकर कोई संशय नहीं है कि भारत सरकार ने अपना 100 प्रतिशत हिस्सा टैलेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को हस्तांतरित कर दिया है और अब एक निजी कंपनी के रूप में उस पर सरकार का कोई प्रशासनिक नियंत्रण नहीं रह गया है। अदालत ने कहा कि इसलिए निजी कंपनी द्वारा अधिग्रहण किए जाने के बाद कंपनी को अब राज्य के स्वामित्व वाला नहीं माना जा सकता। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा, इस प्रकार, निर्विवाद रूप से, प्रतिवादी नंबर 3 (एआईएल) अपने विनिवेश के बाद भारत के संविधान के अनुच्छेद 12 के तहत एक राज्य या इसकी साधन नहीं रह गई। पीठ ने कहा कि यदि एआईएल को संविधान के अनुच्छेद 12 के तहत राज्य की परिभाषा के अंतर्गत नहीं रखा जाता है।

सोने और चांदी के भाव में गिरावट, सोना 72,900, चांदी लगभग 87,100 रुपए

नई दिल्ली, 17 मई।

देश के सराफा बाजारों में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। चांदी के वायदा भाव सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गए थे। लेकिन इसमें गिरावट देखी जा रही है। सुबह शुरुआत में सोने के वायदा भाव 72,900 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 87,100 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में सुस्ती देखने को मिल रही है।

सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 73 रुपये की गिरावट के साथ 72,907 रुपये के भाव पर खुलने के बाद 99 रुपये की गिरावट के साथ 72,881 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत भी आज सुस्त रही।

एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 190 रुपये की गिरावट के साथ 87,110 रुपये पर खुलने के बाद 200 रुपये की गिरावट के साथ 87,100 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,381.39 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,385.50 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 5.40 डॉलर की गिरावट के साथ 2,380.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.82 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 29.87 डॉलर था। इस समय यह 0.11 डॉलर की गिरावट के साथ 29.76 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

एआई के कारण लोग मानवीय संबंधों के लिए तरसेंगे

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)।

ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने कहा है कि एआई के कारण 5-10 वर्षों में लोग मानवीय संबंधों के लिए तरस जाएंगे। सैम ऑल्टमैन ने एक पॉडकास्ट के दौरान कहा है कि एआई में वृद्धि से लोग मानवीय संबंध के लिए तरस जाएंगे और कला क्षेत्र में नौकरियों की मांग बहुत अधिक बढ़ेगी। उन्होने कहने का मतलब था कि आने वाले समय में एआई का विकसित रूप मनुष्यों को एक मनुष्य के रूप में ही सेवाएं देने में सक्षम हो सकता है। ऐसे में लोग मानवीय संबंधों के लिए तरस सकते हैं।

ऑल्टमैन ने ये बातें द लोगान बार्टलेट शो के दौरान उन नौकरियों के बारे में पूछे जाने पर कहीं जो एआई के कारण अगले पांच वर्षों में मुख्यधारा में आ सकती हैं। 2022 में जब चैटजीपीटी लॉन्च किया गया था, तो लोगों की नौकरी की सुरक्षा को लेकर बहुत सारे सवाल उठने लगे थे। एआई चैटबॉट उन चीजों को करने में सक्षम था, जिन्हें माना जाता था कि पहले मनुष्य ही कर सकते हैं।

जल्द ही, कई लोगों को डर लगने लगा कि एआई उनकी नौकरियां छीन लेगा। बहुत सारे विशेषज्ञों ने भी इस पर मुहर लगाई। जहां बड़े पैमाने पर विशेषज्ञों का मानना है कि एआई मनुष्यों के लिए खतरा है, वहीं कई जानकारों का रवैया आशावादी है और वे मानते हैं कि

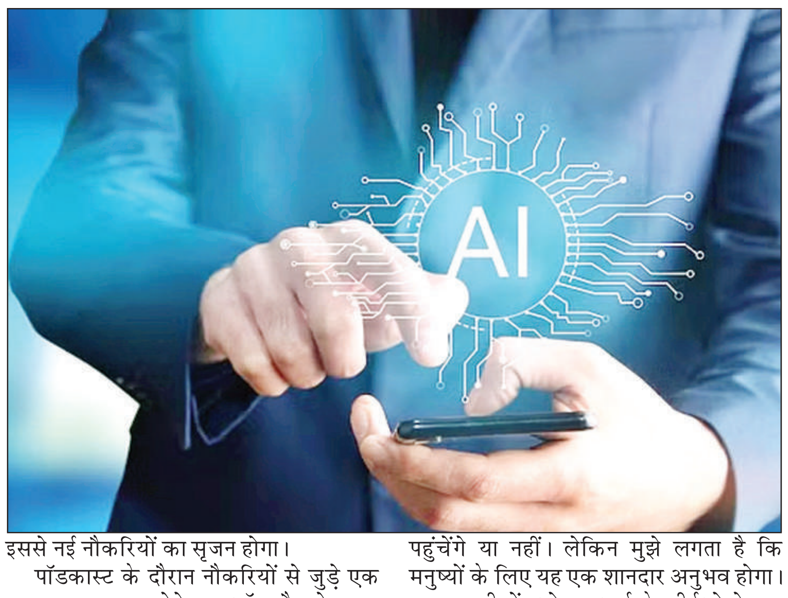

इससे नई नौकरियों का सृजन होगा।

पॉडकास्ट के दौरान नौकरियों से जुड़े एक सवाल का जवाब देते हुए ऑल्टमैन ने कहा, एआई के इस्तेमाल से नए प्रकार की कलाओं की व्यापक श्रेणी विकसित होगी, जो मानवीय संबंधों के अनुसार ही काम करेगी। मुझे फिलहाल नहीं पता कि इन नौकरियों का क्या नाम होगा, मुझे नहीं पता कि हम 5 साल में वहां पहुंचेंगे या नहीं। लेकिन मुझे लगता है कि मनुष्यों के लिए यह एक शानदार अनुभव होगा।

हाल ही में, ओपनएआई के सीईओ ने एक ब्लॉग पोस्ट में कंपनी के हालिया एलएलएम, जीपीटी 4श की प्रशंसा की थी। ओपनएआई के स्प्रिंग अपडेट इवेंट के दौरान इस एआई टूल का अनावरण किया गया था। यह वर्तमान चैटजीपीटी का एक स्मार्ट संस्करण है।

भारत के उपभोक्ता बाजार का आकार 2031 तक दोगुना हो सकता है, वित्त मंत्री ने जताया अनुमान

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)।

वित्त मंत्री ने दिल्ली में सीआईआई वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन 2024 के दौरान अनुमान जताया कि भारतीय उपभोक्ता बाजार का आकार 2031 तक दोगुना हो सकता है। इसके अलावे, भारत पांच वर्षों में वैश्विक विकास में 18 प्रतिशत तक का योगदान दे सकता है। इस दौरान वित्त मंत्री ने विनिर्माण क्षेत्र को और अधिक बढ़ावा देने पर जोर दिया। वित्त मंत्री ने सीआईआई कार्यक्रम के दौरान कहा कि कई लोगों का सुझाव है कि भारत के पास सेवाओं में एक बड़ा अवसर है, लेकिन हम विनिर्माण को नजरअंदाज नहीं कर सकते हैं। इसे अधिक निवेश और सरकारी नीतियों की मदद से आगे बढ़ाया जाना चाहिए। सीतारमण ने कहा, '' मैं कुछ अर्थशास्त्रियों द्वारा दी गई इस सलाह के विपरीत कुछ रेखांकित करना चाहती हूं

कि भारत को अब विनिर्माण पर ध्यान नहीं देना चाहिए या विनिर्माण में तेजी नहीं लानी चाहिए... । मैं इस तथ्य पर जोर देना चाहती हूं कि विनिर्माण में वृद्धि होनी चाहिए। भारत को नीतियों की मदद से वैश्विक मूल्य श्रृंखला में अपनी (विनिर्माण) हिस्सेदारी भी बढ़ानी चाहिए।'' भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन सहित कुछ अर्थशास्त्रियों ने राय व्यक्त की है कि भारत को विनिर्माण के बजाय सेवा क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए क्योंकि उसने वह अवसर गंवा दिया है। उनका कहना है कि चीन के विनिर्माण-आधारित वृद्धि मॉडल को अब और दोहराया नहीं जा सकता। हालांकि, सीतारमण ने कहा कि विनिर्माण के विस्तार से भारत को आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी। उम्मीद जतायी कि भारत के पास अब भी अपनी विनिर्माण क्षमता बढ़ाने का अवसर है क्योंकि दुनिया कोविड-19 वैश्विक महामारी के बाद 'चीन प्लस वन' रणनीति पर ध्यान दे रही है। 'कैपजेमिनी रिसर्च इंस्टीट्यूट' की मई में जारी रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि यूरोप और अमेरिका में वरिष्ठ अधिकारियों के लिए निवेश स्थलों की सूची में भारत शीर्ष पर है, जो चीन पर अपनी निर्भरता कम करना चाहते हैं और अपनी विनिर्माण क्षमता का कुछ हिस्सा उभरते बाजारों में स्थानांतरित करना चाहते हैं। सर्वेक्षण में शामिल करीब 760 अधिकारियों में से 65 प्रतिशत ने कहा कि वे भारत में उल्लेखनीय रूप से निवेश बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा, '' यह अपने आप में हमारे भारतीय उद्योग को काफी बड़ा दायरा प्रदान करता है।

चेन्नई और बेंगलुरू के बीच होगा महामुकाबला

बेंगलूरु, 17 मई (एजेंसियां) ।

आईपीएल 2024 का 68वां मैच बहुत ही दिलचलस्प होने जा रहा है, जब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू और चेन्नई सुपर किंग्स प्ले ऑफ़ की आख़िरी जगह के लिए आपस में मुक़ाबला करेंगी। दोनों टीम अब तक एक दूसरे से 32 बार भिड़ी हैं, जिसमें बेंगलुरु को 10 और चेन्नई को 21 मैचों में जीत मिली है, वहीं एक मैच बिना नतीजे के समाप्त हुआ है। बेंगलुरू के चिन्नास्वामी मैदान में भी हुए 10 मुक़ाबलों में चेन्नई की टीम 5-4 से आगे है और इस साल इन दोनों टीमों के बीच चेन्नई में हुए मुक़ाबले में भी चेन्नई ने छह विकेट से बाज़ी मारी थी। आइए देखते हैं कि इस मैच में कौन-कौन से दिलचस्प मुक़ाबले देखे जा सकते हैं:

रवींद्र जडेजा होंगे चेन्नई के प्रमुख हथियार - यूं तो बेंगलुरू के छोटे मैदान में स्पिनरों की ख़ैर नहीं होती, लेकिन बेंगलुरू के बल्लेबाज़ों के ख़िलाफ़ अपने बेहतर टी20 रिकॉर्ड के कारण जडेजा इस मैच में अपनी छाप छोड़ सकते हैं। वह ग्लैन मैक्सवेल को सात तो विराट कोहली और दिनेश कार्तिक को तीन-तीन पारियों में आउट कर चुके हैं। क्रिस ग्रीन को उन्होंने दो पारियों में एक बार आउट किया है, जबकि बेंगलुरू के कप्तान फ़ाफ़ डुप्लेसी को वह आउट भले ही नहीं कर पाए हैं, लेकिन उनके ख़िलाफ़ डुप्लेसी का स्ट्राइक रेट सिर्फ़ 119 का है।

विराट कोहली को कौन रोकेगा - 13 पारियों में सर्वाधिक 661 रन बनाकर कोहली ने भले ही ऑरेंज कैप पर क़ब्ज़ा किया हुआ है, लेकिन उनके स्ट्राइक रेट पर लगातार चर्चा हो रही थी। इस सीज़न के पहले छह मैचों में बड़े स्कोर बनाने के बावजूद भी कोहली ने सिर्फ़ 131 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए थे, लेकिन पिछले सात मैचों में उन्होंने 193 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। इस सीज़न कोहली ने पावरप्ले में 163 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं, जो कि उनके लिए किसी भी सीज़न में सर्वश्रेष्ठ है। वह इस मैच में भी अपने प्रभाव का जादू चला सकते हैं क्योंकि जडेजा को छोड़कर चेन्नई का कोई भी गेंदबाज़ टी20 मैचों में उन्हें परेशान नहीं कर पाता है और वह कम से कम 123 के स्ट्राइक रेट से उन पर रन बनाते हैं। शार्दुल ठाकुर के ख़िलाफ़ उनका स्ट्राइक रेट तो 160 का है।

अंजिक्य रहाणे और करण शर्मा का मुक़ाबला भी दिलचस्प होगा - पिछले साल अपने बल्ले से धमाका मचाने वाले रहाणे ने इस साल निराश किया है और 11 पारियों में बिना किसी अर्धशतक की मदद से उनके नाम 120 के स्ट्राइक रेट से सिर्फ़ 209 रन दर्ज हैं। बेंगलुरू के लेग स्पिनर करण शर्मा आपको पावरप्ले में गेंदबाज़ी करते हुए दिखाई दे सकते हैं। करण ने रहाणे को आठ में से तीन पारियों में आउट किया है, जबकि रहाणे उन पर सिर्फ़ 114.28 के स्ट्राइक रेट से रन बना पाते हैं। इस तरह से करण, रहाणे की वापसी की किसी भी संभावना से इनकार कर सकते हैं।

ऋतुराज गायकवाड़ के लिए एक और बड़ा मैच - इस साल 583 रन बनाकर कोहली के बाद दूसरे सबसे अधिक रन बनाने वाले चेन्नई के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के लिए अपने रन योग को और आगे बढ़ाने का यह एक और मौक़ा होगा। क्रिस ग्रीन और स्वप्निल सिंह को छोड़ दिया जाए तो गायकवाड़ बेंगलुरू के हर गेंदबाज़ के ख़िलाफ़ 132 के ऊपर के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं। ग्लेन मैक्सवेल के ख़िलाफ़ उनका स्ट्राइक रेट तो 390 का है, जबकि लॉकी फ़र्ग्यूसन, यश दयाल और मोहम्मद सिराज के ख़िलाफ़ भी वह क्रमश: 193, 142 और 132 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं। हालांकि दयाल और सिराज ने उन्हें दो-दो बार आउट भी किया है।

न्यूज़ ब्रीफ

टी-20 वर्ल्ड कप के वार्म-अप मैच का शेड्यूल जारी: एक मैच खेलेगा भारत; पाकिस्तान, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड नहीं खेलेंगे

नई दिल्ली। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने टी-20 वर्ल्ड कप के वार्म-अप मैचों का शेड्यूल जारी कर दिया है। टीम इंडिया अमेरिका और वेस्टइंडीज में अगले महीने खेले जाने वाले टी-20 वर्ल्ड कप से पहले केवल एक वार्म-अप मैच 1 जून को बांग्लादेश के खिलाफ यूएसए में खेलेगी। वार्म-अप मैच में पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड नहीं खेलेंगे वर्ल्ड कप में भाग लेने वाली 20 टीमों में से 17 टीमें ही वार्म- अप मैच में हिस्सा लेंगी। वहीं पाकिस्तान, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड की टीम वार्म-अप मैच नहीं खेलेगी। तीन शहरों में खेले जाएंगे वार्म-अप मैच वार्म-अप मैच 16 मैच 27 मई से 1 जून के बीच अमेरिका और वेस्टइंडीज के त्रिनिदाद एंड टोबैगो में खेले जाएंगे। टीमें स्क्वॉड के सभी खिलाड़ियों को मैदान में उतार सकती हैं प्रैक्टिस मैच 20 ओवर के होंगे और इन्हें इंटरनेशनल टी-20 का दर्जा नहीं मिलेगा। जिससे टीमें स्क्वॉड में शामिल सभी 15 खिलाड़ियों को मैदान में उतार सकेंगी। दो बैच में रवाना होगी टीम इंडिया टीम इंडिया वर्ल्डकप के लिए दो बैच में रवाना होगी। टीम की रवानगी में भी बदलाव हुआ है। टीम इंडिया का पहला बैच पहले आईपीएल लीग स्टेज के खत्म होने के तुरंत बाद 21 मई को न्यूयॉर्क के लिए रवाना होना था। लेकिन, अब पता चला है कि टीम 25 और 26 मई को दो बैचों में रवाना होगी।

मैं अभी कुछ और साल खेलूंगा : रोहित

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि वह अपने 17 साल के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर से खुश हैं। साथ ही कहा कि वह अभी कुछ और साल विश्व क्रिकेट में खेलना चाहते हैं। रोहित ने कहा, भारत के लिए मेरे 17 साल का सफर शानदार रहा है और उम्मीद है कि मैं अभी भी कुछ और साल खेलूंगा और विश्व क्रिकेट पर प्रभाव डालूंगा। साथ ही कहा कि मैंने अपने जीवन में चढ़ाव से ज्यादा उतार देखे हैं और आज मैं जो भी इंसान हूं, वह अतीत में जो मैंने उतार-चढ़ाव देखा है, उसकी वजह से हूं। रोहित भारत के अब तक के सर्वश्रेष्ठ सलामी बल्लेबाजों में से एक हैं। साल 2007 में अपने डेब्यू से लेकर अबतक उन्होंने हर गुजरते साल के साथ अपने को निखारा है। बड़े-बड़े छक्के लगाने के साथ ही लंबी पारी खेलने में उन्हें महारथ हासिल रही है। उन्होंने कहा कि भारत की कप्तानी करना मेरे लिए गर्व और सम्मान की बात है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि यहां तक पहुंचूंगा और एक दिन टीम की कप्तानी करूंगा। अच्छी चीजें अच्छे लोगों के साथ होती है। जब मैंने टीम की कप्तानी संभाली तो तो मैं एक ही दिशा में आगे बढ़ना चाहता था। एक टीम गेम इसी तरह खेला जाता है इसमें निजी रिकार्ड और उपब्धियों का अधिक महत्व नहीं है। 11 खिलाड़ी मिलकर खेले और ट्रॉफी जीते यही सभी का लक्ष्य होना चाहिए। रोहित ने कहा कि साउथ अफ्रीका की पिचे सबसे ज्यादा मुश्किल रही हैं। उन्होंने कहा कि यहां हर मैदान में आपको अलग-अलग तरीके से टेस्ट देना ड़ता है।

बचपन में तेज गेंदबाज बनना चाहते थे बोल्ट

जमैका । आठ ओलंपिक स्वर्ण विजेता एथलीट उसेन बोल्ट को क्रिकेट से बेहद प्यार है। टी20 विश्वकप 2024 के लिए ब्रांड एंबेसडर बने ल्ट बचपन में तेज गेंदबाज बनना चाहते थे। बोल्ट के अनुसार जमैका में क्रिकेट के प्रति दीवानगी का माहौल था। उनके पिता को भी ये खेल बेहद पसंद था। इस कारण उन्हें भी बचपन से क्रिकेट का शौक था। उनका पसंदीदा प्रारूप टी20 क्रिकेट है। बोल्ट ने कहा, 'मैं क्रिकेट देखकर बड़ा हुआ हूं। क्रिकेटर बनने का मेरा सपना तो पूरा नहीं हुआ लेकिन टी20 विश्व कप का एंबेसडर होना मेरे लिए बेहद खुशी की बात है। इस एथलीट को को टीवी पर क्रिकेट और आईपीएल देखने का अधिक अवसर अब तक नहीं मिला है। उन्होंने कहा, 'मैं उतना क्रिकेट नहीं देख सका पर जब भी मौका मिलता है, मैं टी20 मैच देखता हूं। उन्होंने कहा, 'यह मेरा पसंदीदा प्रारूप है। इसमें आपको मजबूत, तेज और अच्छी रणनीति बनाने में माहिर होना पड़ता है। इसमें टेस्ट और एकदिवसीय दोनों का अलग रोमांच है। बोल्ट ने कहा, 'वेस्टइंडीज में टी20 और एकदिवसीय अभी भी लोकप्रिय है। लोगों को टेस्ट क्रिकेट उतना पसंद नहीं आता है। यह खेल की रफ्तार से जुड़ा है। आंद्रे रसेल जैसे बिग हिटर को देखने में मजा आता है। वेस्टइंडीज में टी20 क्रिकेट काफी लोकप्रिय है।

लखनऊ सुपर जायंट्स ने मुंबई इंडियन को 18 रनों से हराया

मुंबई, 17 मई (एजेंसियां)।

निकोलस पूरन (75) और कप्तान के एल राहुल (55) रनों की शानदार पारियों और उसके बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर वर्षा बाधित मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स ने शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 67वें मैच में मुम्बई इंडियंस को 18 रनों से हरा दिया है।

215 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुम्बई इंडियंस की रोहित शर्मा और डेवाल्स ब्रेविस की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते पहले विकेट के लिये 88 रनों की साझेदारी की। मैच के बीच में बारिश होने के कारण खेल कुछ देर के लिए रोका गया। नौवें ओवर में नवीन उल हक ने डेवाल्स ब्रेविस (23) को आउट कर लखनऊ को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद अगले ही ओवर में सूर्य कुमार यादव (शून्य) पर पवेलियन लौट गये। 11वें ओवर में रवि बिश्नोई ने रोहित शर्मा को आउट किया। रोहित ने 38 गेंदों में 10 चौके और तीन छक्के लगाते हुये (68) रन बनाये। इशान किशन (14) कप्तान हार्दिक पांड्या (16) और नेहाल वढेरा (1) रन बनाकर आउट हुये। नमन धीर ने 28 गेंदों में चार चौके पांच छक्के लगाते हुए नाबाद (62) रन बनाये। रोमारियो शेफार्ड (1) रन बनाकर नाबाद रहे। मुम्बई इंडियंस 20 ओवर में छह विकेट पर 196 रन ही बना सकी और 18 रनों से मुकाबला हार गई।

लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से नवीन उल हक और रवि बिश्नोई ने दो-दो विकेट लिये। कुणाल पांड्या और मोहसिन खान ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले लखनऊ सुपर जायंट्स ने मुम्बई इंडियंस को 215 रनों का लक्ष्य दिया था। आज यहां वानखेड़े स्टेडियम में मुम्बई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ सुपर जायंट्स की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने पहले ही ओवर में देवदत्त पड़िक्कल (शून्य) का विकेट गवां दिया। उसके बाद कप्तान केएल राहुल और मार्कस स्टॉयनिस ने पारी को संभालने का प्रयास किया। छठें ओवर में मार्कस स्टॉयनिस (28) रन पर आउट हुये। उसके बाद दीपक हुड्डा (11), अरशद खान (शून्य) बनाकर आउट हुये। कप्तान के एल राहुल ने 41 गेंदों में तीन चौके और तीन छक्के लगाते हुये 55 रन बनाये। निकोलस पूरन ने 29 गेंदों में पांच चौके और आठ छक्के लगाते हुए (75) रनों की तूफानी पारी खेली। आयुष बदोनी (22) और क्रुणाल पंड्या (17) रन बनाकर आउट हुये। लखनऊ सुपर जायंट्स ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 214 रनों का स्कोर खड़ा किया। मुम्बई इंडियंस की ओर से नुवान तुषारा और पीयूष चावला ने तीन-तीन विकेट लिये।

टी20 विश्वकप में नेपाल के दीपेंद्र पर भी रहेंगी नजरें

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां) ।

आगामी टी20 विश्वकप में इस बार नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी पर भी नजरें रहेंगी। टी20 विश्वकप एक जून से अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में पहली बार 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं जिन्हें पांच-पांच टीमों के चार ग्रुप में बांटा गया है। इन्हीं में से एक नेपाल टीम में शामिल दीपेंद्र अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण चर्चाओं में आये हैं। दीपेंद्र के नाम पर एक ओवर में 6 छक्के लगाने और टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे कम 9 गेंदों पर अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड है। दीपेंद्र ने गत माह 13 अप्रैल को टी20 में एक ओवर में 6 छक्के लगाने के भारत के युवराज सिंह और वेस्टइंडीज के किरोन पोलार्ड के रिकॉर्ड की बराबरी की थी। ऐरी ने एसीसी प्रीमियर कप 2024 के अंतर्गत अल अमीरात में कतर के खिलाफ मैच में कामरान खान के ओवर में यह 6 छक्के लगाये थे। उन्होंने महज 21 गेंदों पर नाबाद 64 रन बनाते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया था। टी20 में युवराज ने इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड (टी20 वर्ल्डकप 2007)और 2021 में पोलार्ड ने श्रीलंका के अकिला धनंजय के ओवर में छह छक्के लगाए थे। कतर के खिलाफ इस पारी के दौरान दीपेंद्र ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में दूसरी बार 6 गेंदों पर लगातार 6 छक्के लगाने की उपलब्धि हासिल की थी। इससे पहले दीपेंद्र ने 2023 एशियाई खेलों में मंगोलिया के खिलाफ मैच में भी लगातार 6 गेंदों पर छक्के लगाये हैं। लगातार 6 गेंदों पर उनके यह छह छक्के, दो ओवर के दौरान आए थे। यही नहीं हांगझू में एशियाई खेलों में उन्होंने सबसे कम गेंदों पर अर्धशतक जड़ने का रिकॉर्ड भी बनाया था। उन्होंने केवल 9 गेंदों पर 50 रन पूरे करते हुए युवराज सिंह के 12 गेंदों पर अर्धशतक बनाने के रिकॉर्ड को तोड़ा था। टी20 में एक पारी में सबसे ऊंची स्ट्राइक रेट दीपेंद्र के ही नाम पर है।

टेस्ट टीम में अपने भविष्य पर ख्वाजा ने कहा, मैं अब भी अपना बेस्ट दे सकता हूं

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां) ।

ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम के सीनियर और बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा, जो इस साल दिसंबर में 38 साल के हो जाएंगे, का मानना है कि उनके अंदर अभी भी भविष्य में ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम के लिए उच्चतम स्तर पर प्रदर्शन करने की क्षमता है। ऑस्ट्रेलिया के लिए अब तक 73 टेस्ट मैच खेल चुके उस्मान ख्वाजा ने 2023 में आईसीसी टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार जीता। 2022 में ऑस्ट्रेलियाई टीम में वापसी के बाद से ख्वाजा ने चौथे एशेज टेस्ट में दो शतकों के माध्यम से टेस्ट में 50 से अधिक की औसत से रन बनाए हैं। ख्वाजा ने वाइड वर्ल्ड ऑफ स्पोर्ट्स से कहा, मैं अभी भी अच्छी स्थिति में हूं! मैं हर मैच खेल रहा हूं, मुझे लगता है कि मैं सब ठीक कर रहा हूं! लेकिन ईमानदारी से कहूं तो, मैं अभी भी खेलों का आनंद ले रहा हूं, मुझे लगता है कि मैं अभी भी उच्चतम स्तर पर प्रदर्शन कर सकता हूं। मैंने आईसीसी टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर जीता, मैंने कभी सपने में भी यह जीतने की उम्मीद नहीं की थी, खासकर दो या तीन साल पहले जब मैं टेस्ट टीम से बाहर था। मैं इस समय इस क्रिकेट टीम में खेलने का वास्तव में आनंद ले रहा हूं। मुझे लगता है कि मैं इसे निकट भविष्य में भी जारी रख सकता हूं, लेकिन मैं कभी भी बहुत आगे के बारे में नहीं सोचता।

ट्रायल्स को लेकर कुश्ती संघ 21 मई को कर सकता है फैसला, विनेश-अमन ने की थी यह मांग

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां) ।

भारतीय कुश्ती संघ आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय टीम को चुनने को लेकर 21 मई को चयन मानदंड तय करेगा। सूत्रों के मुताबिक, संघ उसी दिन यह तय करेगा कि कोटा हासिल करने वाले खिलाड़ी ट्रायल में हिस्सा लेंगे या फिर सीधे ओलंपिक की तैयारी में जुट जाएंगे। कुश्ती संघ के ऐसा करने से विनेश फोगाट और अमन सहरावत जैसे पहलवानों को राहत मिलेगी, जो अभी इस अधर में लटके हुए हैं कि वह ट्रायल की तैयारी करें या फिर ओलंपिक की। भारत ने ओलंपिक खेलों के लिए कुश्ती में छह कोटा स्थान हासिल किए हैं। इनमें से पांच महिला पहलवानों को मिले हैं। अमन सहरावत पुरुषों के फ्रीस्टाइल 57 किग्रा वर्ग में कोटा हासिल करने वाले एकमात्र पुरुष पहलवान हैं। कुश्ती संघ ने कहा था कि वह 26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस खेलों में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले पहलवानों का चयन करने के लिए एक अंतिम ट्रायल आयोजित करेगा। पहले बताए गए मानदंडों के अनुसार यह कहा गया था कि अंतिम ट्रायल में शीर्ष चार में रहने वाले पहलवान एक-दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करेंगे और उनमें से शीर्ष पर रहने वाला पहलवान कोटा विजेता के साथ मुकाबला करेगा। कुश्ती संघ के एक सूत्र ने कहा- डब्ल्यूएफआई ने चयन मानदंड

तय करने के लिए 21 मई को दिल्ली में चयन समिति की बैठक बुलाई है। दोनों शैलियों (पुरुष फ्रीस्टाइल और महिला कुश्ती) के दो मुख्य कोच चर्चा का हिस्सा होंगे। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या डब्ल्यूएफआई चयन समिति ट्रायल कराने का फैसला करती है या फिर कोटा विजेताओं को ही खेलों में प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति देती है। यदि कोटा विजेताओं को प्रतिस्पर्धा की मंजूरी दी जाती है तो इसका मतलब रवि दहिया (पुरुषों की 57 किग्रा) और सरिता मोर (महिलाओं की 57 किग्रा) जैसे पहलवानों के लिए पेरिस के सपने का अंत होगा क्योंकि वे चयन के लिए अंतिम चुनौती पेश नहीं कर पाएंगे। टोक्यो ओलंपिक खेलों के चार कोटा विजेताओं- बजरंग पूनिया, दीपक पूनिया, रवि दहिया और विनेश फोगाट को अपने-अपने वर्ग में चुनौती पेश करने की स्वीकृति दी गई थी और खेलों के करीब उनका कोई ट्रायल नहीं हुआ था।

सबसे ज्यादा कमाई करने वाले शीर्ष 10 एथलीट्स में पांच फुटबॉलर, बास्केटबॉल के तीन

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां) ।

फोर्ब्स ने साल 2024 के सबसे ज्यादा कमाई करने वाले शीर्ष 50 एथलीटों की सूची जारी कर दी है। इस लिस्ट में कोई भी भारतीय नाम नहीं है और न ही क्रिकेट खेलने वाला कोई खिलाड़ी है। पिछली बार 2020 में किसी भारतीय एथलीट ने इस लिस्ट में जगह बनाई थी। तब विराट कोहली शीर्ष 100 की सूची में 66वें नंबर पर रहे थे। 2021 से वह फोर्ब्स की सूची से गायब हैं। 2024 की ताजा लिस्ट में पुर्तगाल और अल नस्त्र के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो शीर्ष पर हैं। उन्होंने इस साल 260 मिलियन यूएस डॉलर यानी 2167 करोड़ रुपये की कमाई की है। रोनाल्डो ने इस मामले में अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर और कप्तान लियोनल मेसी जैसे खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया। रोनाल्डो पिछले साल भी शीर्ष पर थे। हालांकि, तब उनकी कमाई 136 मिलियन यूएस डॉलर यानी 1133 करोड़ रुपये थी, जो कि इस साल लगभग दोगुनी हो गई है। साल 2024 में शीर्ष-10 कमाई करने वाले एथलीट्स की सूची में फुटबॉल के सबसे ज्यादा पांच खिलाड़ी हैं, जबकि बास्केटबॉल के तीन और गोल्फ-रग्बी (अमेरिकी फुटबॉल) के एक-एक खिलाड़ी हैं। मेसी लिस्ट में दूसरे से तीसरे स्थान पर लुढ़के इस साल सबसे ज्यादा कमाई करने वाले एथलीटों में दूसरे नंबर पर गोल्फ के खिलाड़ी जॉन रैम हैं। उनकी कुल कमाई 218 मिलियन यूएस डॉलर यानी 1818 करोड़ रुपये की है। तीसरे नंबर पर 135 मिलियन यूएस डॉलर यानी 1126 करोड़ रुपये की कमाई के साथ मेसी हैं। मेसी पिछले साल दूसरे नंबर पर थे और उनकी कमाई 130 मिलियन यूएस डॉलर यानी 1084 करोड़ रुपये की रही थी। इस साल उनकी कमाई

तो बढ़ी है, लेकिन रोनाल्डो की तुलना में बेहद कम रही है। रोनाल्डो को सऊदी फुटबॉल लीग में अल नस्त्र से जुड़ने का फायदा हुआ, जबकि मेसी पीएसजी छोड़कर मेजर लीग सॉकर में मियामी टीम को जॉइन किया था। नेमार ने भी टॉप-10 में बनाई जगह इस साल सबसे ज्यादा कमाई करने वाले एथलीटों में चौथे नंबर पर स्टार बास्केटबॉल खिलाड़ी लेब्रोन जेम्स हैं। उन्होंने इस साल 128.2 मिलियन यूएस डॉलर यानी 1069 करोड़ रुपये की कमाई की है। पिछले साल लेब्रोन चौथे नंबर पर ही थी। तब उनकी कमाई 119.5 मिलियन यूएस डॉलर यानी 996 करोड़ रुपये की रही थी। इस साल पांचवें नंबर पर गियानिस हैं। उनकी कमाई 111 मिलियन यूएस डॉलर यानी 925 करोड़ रुपये की रही है। छठे नंबर पर पीएसजी और फ्रांस के स्टार फुटबॉलर किलियन एम्बाप्पे हैं। उनकी कमाई 110 मिलियन यूएस डॉलर यानी 917 करोड़ रुपये की रही है। एम्बाप्पे पिछले साल तीसरे स्थान पर थे। तब उनकी कमाई 120 मिलियन डॉलर यानी 1000 करोड़ रुपये की रही थी। सातवें नंबर पर 108 मिलियन यूएस डॉलर यानी 900 करोड़ रुपये की कमाई के साथ ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार हैं। आठवें नंबर पर 106 मिलियन यूएस डॉलर यानी 883 करोड़ रुपये की कमाई के साथ फ्रांस के पूर्व स्टार फुटबॉलर करीम बेंजेमा हैं। जबकि नौवें नंबर पर 102 मिलियन यूएस डॉलर यानी 850 करोड़ रुपये की कमाई के साथ स्टार बास्केटबॉल प्लेयर स्टीफन करी हैं। 10वें स्थान पर अमेरिकी फुटबॉल यानी रग्बी प्लेयर लमार जैकसन हैं। उन्होंने इस साल 100.5 मिलियन यूएस डॉलर यानी 838 करोड़ रुपये की कमाई की है। पिछले साल से इस साल की लिस्ट में पांच खिलाड़ियों का अंतर है। पिछले साल इस लिस्ट में ज्यादातर खिलाड़ी बास्केटबॉल के थे। पिछले साल बॉक्सर कनेलो अल्वारेज (पांचवां स्थान, 110 मिलियन यूएस डॉलर), गोल्फर डस्टिन जॉनसन (छठा स्थान, 107 मिलियन यूएस डॉलर), गोल्फर फिल मिकेलसन (सातवां स्थान, 106 मिलियन यूएस डॉलर), पूर्व टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर (नौवें स्थान, 95.1 मिलियन यूएस डॉलर) और बास्केटबॉल खिलाड़ी केविन डुरंट (10वां स्थान, 89.1 मिलियन यूएस डॉलर) इस लिस्ट में शामिल थे।

सुनक सरकार की गलती से लंदन से लौटेंगे कई भारतीय : वीजा में गड़बड़ी फर्जी कंपनियों ने पैसे ऐंठे, अब 4100 नर्सों को भारत वापसी का डर

ब्रिटेन, 17 मई (एजेंसियां) । ब्रिटेन में हजारों भारतीय नर्सों पर देश वापसी का खतरा मंडरा रहा है। इसकी वजह ब्रिटेन के पीएम ऋषि सुनक सरकार की लापरवाही हैं। ये समस्या फर्जी कंपनियों की वजह से पैदा हुई है, जिन्हें सुनक सरकार ने बिना जांच-पड़ताल किए विदेशों से नर्सों को नौकरी पर रखने की इजाजत दी थी। दरअसल, मोटी रकम लेकर कर्मचारियों का वीजा स्पॉन्सर करने वाली इन कंपनियों की हाल ही में जब प्रशासन ने जांच की तो इनमें से ज्यादातर कंपनियां फर्जी निकलीं। इसके बाद सरकार इन कंपनियों द्वारा लाए गए भारतीय नर्सों पर कार्रवाई कर रही है। इस फैसले का असर 7 हजार से ज्यादा नर्सों पर पड़ेगा। इनमें से सबसे ज्यादा भारत के 4 हजार नर्सें हैं। कार्रवाई की गई नर्सों में से 94 प्रतिशत मामले सरकार द्वारा कंपनियों का रजिस्ट्रेशन रद्द करने के कारण सामने आए हैं। सुनक सरकार की लापरवाही का खामियाजा भुगत रहे ब्रिटेन गए भारतीय ब्रिटेन में विदेशियों को काम पर रखने के लिए स्पॉन्सर लाइसेंस की जरूरत होती है। सुनक सरकार पर बिना किसी ठोस जांच सैकड़ों कंपनियों को लाइसेंस देने का आरोप है। सरकार ने 268 कंपनियों को लाइसेंस दिया, जिन्होंने कभी इनकम टैक्स रिटर्न भी दाखिल नहीं किया।

लाइसेंस हासिल कर चुकी कई कंपनियां भी फर्जी थीं। कोई गलती न होने के बावजूद दंडित किए जा रहे भारतीय प्रवासियों की मदद करने वाली एनजीओ 'माइग्रेंट्स एट वर्क' के संस्थापक अके अची के मुताबिक अवसर की तलाश में लाखों रुपए का कर्ज लेकर भारतीय देश छोड़कर यहां आते हैं।

ये वे लोग होते हैं जो तमाम नियम कायदों का पालन कर आते है। उनकी कोई गलती न होने के बावजूद वे दंडित किए जा रहे हैं। पहले लाखों के कर्ज का शिकार हुए और अब सरकार की गलतियों का शिकार हो रहे हैं। केयर वर्कर्स यूनियन की महासचिव क्रिस्टीना मैकेनिया ने कहा कि असहाय श्रमिकों को अधर में छोड़ना गलत है। प्रवासियों ने यहां आने के लिए अपना जीवन दांव पर लगा दिया है। 18 लाख रुपए देकर भाई-बहन पहुंचे ब्रिटेन, अब देश वापसी का डर महाराष्ट्र की रहने वाली जैनब कॉन्ट्रैक्टर (22) दो बच्चों की मां हैं। वे और उनके भाई इस्माइल (25) ने वीजा स्पॉन्सर के लिए ब्रिटेन की कंपनी को 18 लाख रुपए दिए थे।

न्यूज ब्रीफ

क्या अमेरिका मजबूत, बहु-धार्मिक, बहु-जातीय लोकतंत्र बना रहेगा, भारतवंशियों से बाइडन की सलाहकार का सवाल

वॉशिंगटन । अमेरिका में इस साल राष्ट्रपति चुनाव होने हैं। इसी को लेकर व्हाइट हाउस की एक शीर्ष अधिकारी ने भारतीय-अमेरिकियों से पूछा कि राष्ट्रपति चुनाव को लेकर छह महीने बाद मतदान होने वाला है, ऐसे में असली सवाल यह उठता है कि क्या अमेरिका मजबूत, बहु-जातीय, बहु-धार्मिक लोकतंत्र बना रहेगा। हम सभी अमेरिकी सपने का हिस्सा राष्ट्रपति जो बाइडन की घरेलू नीति सलाहकार नीरा टंडन वार्षिक शिखर सम्मेलन और इंडियन अमेरिकन इम्पैक्ट समारोह में भाग लेने पहुंची थीं। इस मौके पर उन्होंने कहा, इस साल वास्तविक सवाल, जिसका भविष्य पर गहरा प्रभाव पड़ेगा, यह है कि क्या हम एक मजबूत, बहु-जातीय, बहु-धार्मिक लोकतंत्र बने रहेंगे, जहां हम में से कईयों का स्वागत किया जाता है, हम सभी अमेरिकी सपने का हिस्सा हैं, या क्या हम उससे पीछे हटना शुरू कर देंगे। चुनाव में शामिल होना जरूरी उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि यह वास्तव में एक जरूरी पल है, न केवल आपकी भागीदारी के लिए, बल्कि आपके नेतृत्व के लिए। चुनाव में शामिल होना जरूरी है। बातचीत करना महत्वपूर्ण है। राजनीतिक प्रक्रिया में अधिक से अधिक लोगों को शामिल करना भी महत्वपूर्ण है। बच्चों को ज्यादा अवसर मिलें भारतीय-अमेरिकी नेता ने कहा कि पिछले कई दशकों में उनका अनुभव अवसरों को बढ़ाने का रहा है। उन्होंने कहा, मैं वास्तव में आभारी हूं कि इस देश ने मेरी प्रगति का स्वागत किया है। मैं उन मुद्दों पर व्हाइट हाउस में काम करने के लिए बहुत भाग्यशाली महसूस करती हूं, जो भारतीय अमेरिकियों और सभी अमेरिकियों के लिए मायने रखते हैं। यह बहुत बड़ा सम्मान और जिम्मेदारी है, लेकिन मुझे लगता है कि हमारी जिम्मेदारी का हिस्सा यह सुनिश्चित करना है कि हमारे बच्चों को इस देश में हमसे ज्यादा अवसर मिलें। बहुत सारे लोग राजनीति और नीति से जुड़े हुए इंडियन अमेरिकन इम्पैक्ट का दो दिवसीय वार्षिक कार्यक्रम संपन्न हुआ।

चुनौतियों से पार पाने के लिए भारत की तकनीकी सहायता बेहद अहम, बोलीं राष्ट्रमंडल महासचिव

लंदन । राष्ट्रमंडल महासचिव पेट्रीसिया स्कॉटलैंड ने भारत की तकनीकी सहायता की सराहना की। उन्होंने

कहा कि राष्ट्रमंडल के लिए भारत की तकनीकी सहायता बहुत महत्वपूर्ण है। साथ ही इस बात पर जोर दिया कि इससे कई विकासशील देशों को विकास संबंधी चुनौतियों से पार पाने की काफी उम्मीद मिलती है, जिन्हें भारत पहले ही स्वीकार कर चुका है और उनसे आगे निकल चुका है। राष्ट्रमंडल शिक्षा मंत्रियों का 22वां सम्मेलन 56 सदस्यीय संगठन की महासचिव ने यह बयान लंदन में राष्ट्रमंडल शिक्षा मंत्रियों के 22वें सम्मेलन की मेजबानी के दौरान दिया। बता दें, सम्मेलन का विषय समावेशी भविष्य के लिए लचीलापन, समानता और कौशल को बढ़ावा देना था। स्कॉटलैंड ने राष्ट्रमंडल के साथ एक खुले स्रोत तरीके से तकनीकी विकास साझा करने की भारत की इच्छा का स्वागत किया और संगठन के शैक्षिक लक्ष्यों के प्रति अधिक प्रतिबद्धता की उम्मीद की। लंदन में राष्ट्रमंडल सचिवालय मार्लबोरो हाउस मुख्यालय में दो दिवसीय बैठक शुरू हुई। इस दौरान स्कॉटलैंड ने मंत्रियों से शिक्षा तक पहुंच में बाधा डालने वाली बाधाओं को दूर करने, प्रौद्योगिकी का उपयोग करने और जीवनभर सीखने की इच्छा को प्रोत्साहित करने में मदद करने का आह्वान किया।

रूस और चीन हमेशा साथ हैं, बीजिंग की यात्रा के दौरान रूसी राष्ट्रपति को याद आया 75 साल पुराना गीत

बीजिंग । रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन चीन के दौरे पर हैं। गाजा और यूक्रेन से तनाव के बीच रूसी राष्ट्रपति का एक साल के भीतर दूसरी बार चीन का दौरा है। अपने पांचवे कार्यकाल में प्रवेश करने के बाद पुतिन की यह पहली विदेश यात्रा है। दो दिवसीय यात्रा के अंतिम दिन पुतिन ने दोनों देशों के लोगों के बीच संबंधों की तारीफ की और कहा कि रूसी और चीनी हमेशा साथ हैं। 1940 के दशक का एक गीत किया याद मॉस्को और बीजिंग के बीच संबंधों पर जोर देते हुए रूसी राष्ट्रपति ने इसकी तुलना 1940 के दशक के एक गीत से की। दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ और क्रॉस-कल्चरल ईयर की शुरुआत के लिए समर्पित एक संगीत कार्यक्रम से पहले पुतिन ने दोनों देशों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंधों के जारी रहने का विश्वास जताया। रूसी और चीनी हमेशा साथ पुतिन ने कहा, यह कार्यक्रम राजनयिक संबंधों की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ को समर्पित है।

पीओके में जारी संघर्ष पर अलर्ट हुए शहबाज शरीफ समस्याओं का समाधान खोजने के लिए समिति का किया गठन

इस्लामाबाद, 17 मई (एजेंसियां) । पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में इन दिनों काफी संघर्ष चल रहा है। इसे लेकर पाकिस्तानी प्रधानमंत्री चिंतित हैं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पीओके के लोगों की समस्या का समाधान खोजने के लिए एक समिति गठित की है। गौरतलब है कि शहबाज एक दिन के दौरे पर मुजफ्फराबाद गए थे। लोगों ने उनके समक्ष अपनी मांग रखी। हालांकि, इस दौरान कुछ उपद्रवियों ने दंगा फैलाने और हत्याएं करने की कोशिश की। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, शरीफ ने पीओके सरकार की कैबिनेट की एक विशेष बैठक को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने जल शुल्क और नीलम-झेलम जलविद्युत संयंत्र जैसे मुद्दों पर चर्चा करने लिए एक समिति के गठन का आदेश दिया। पीओके में आटे की ऊंची कीमतों और बढ़ें हुए बिजली बिलों और करों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोगों और सुरक्षाबलों के बीच झड़प के दौरान एक पुलिस जवान सहित चार लोगों की मौत हो गई। हमले में कई लोग घायल हैं। शहबाज ने विरोध प्रदर्शन के दौरान एक पुलिस अधिकारी और नागरिकों की हत्या पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार उनके परिवारों का समर्थन करेगी। आईएमएफ टीम की यात्रा के बाद, मंत्री और बिजली सचिव मुद्दों का स्थायी समाधान खोजने के लिए कश्मीरी अधिकारियों से बात करेंगे। पाकिस्तान कश्मीरी लोगों को अपना नैतिक और राजनयिक समर्थन देना जारी रखेगा।

भारत सरकार से अपील- यूएन में उठाएं मुद्दा

पीओके के राजनीतिक कार्यकर्ता अमजद अयूब मिर्जा ने हाल ही में भारत सरकार से अपील की कि भारत पाकिस्तान के राजदूत को तलब करे और उनसे स्पष्टीकरण मांगे। मिर्जा ने एक वीडियो बयान जारी किया। वीडियो में उन्होंने कहा कि आज सुबह लगभग पांच लाख लोग मुजफ्फराबाद और आसपास के शहरों में बिजली बिलों पर करों, सब्सिडी में कटौती का विरोध कर रहे थे। उनकी मांग थी कि कि सरकार प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के भत्तों और विशेषाधिकारों को समाप्त करे। मिर्जा ने वैश्विक समर्थन के लिए आग्रह किया है। उन्होंने भारत सरकार से अनुरोध किया कि संयुक्त राष्ट्र में पीओके का मुद्दा उठाया जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि भारतीय विदेश मंत्रालय पाकिस्तान के राजदूत को तलब करे और उनसे पीओके में हो रही हिंसा पर जवाब मांगे। मिर्जा ने दावा किया पीओके में दिनदहाड़े हत्याएं हो रही हैं। हमारी जान खतरे में है।

भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने कर्नल काले को दी श्रद्धांजलि, आईडीएफ - यूएनडीएसएस के अफसर भी थे मौजूद

तेल अवीव । इजराइल में भारतीय दूतावास के दो अधिकारियों ने कर्नल वैभव अनिल काले को अंतिम सम्मान दिया। दरअसल, इजराइल और हमास के संघर्ष के बीच गाजा में कर्नल काले की मौत हो गई। उनके शव को भारत वापस लाया गया। दूतावास के अधिकारियों के साथ इस्राइली विदेश मंत्रालय, इस्राइली सुरक्षाबल और संयुक्त राष्ट्र विभाग के बचाव और सुरक्षा (यूएनडीएसएस) अधिकारी बी शामिल हुए। सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए भारतीय दूतावास ने कहा, इस्राइली विदेश मंत्रालय, आईडीएफ और यूएनडीएसएस अधिकारियों ने कर्नल वैभव काले के पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने गाजा में अपनी जान गंवा दी। उनका पार्थिव शरीर भारत लाया जा रहा है। यूएन में शामिल होने के लिए लिया था रिटायरमेंट राफा से खान यूनिस क्षेत्र में अस्पताल ले जाते समय 46 वर्षीय कर्नल काले की मौत हो गई थी।

अपने बच्चों को बड़े होते देखना काफी मजेदार : पद्मा लक्ष्मी

एक्ट्रेस ने टीनएजर बेटी कृष्णा के बारे में की बात

लॉस एंजेलिस, 17 मई (एजेंसियां) । एक्ट्रेस पद्मा लक्ष्मी ने अपनी टीनएजर बेटी कृष्णा के बारे में बात की और बताया कि वह कुछ चीजों को लेकर पेरेंटिंग में काफी सख्त हैं। पद्मा सोशल मीडिया पर अपनी 14 वर्षीय बेटी कृष्णा की फोटो और वीडियोज शेयर करती रहती हैं।

पद्मा ने बताया, मुझे लगता है कि कोई भी माता-पिता यह अच्छे से समझ सकते हैं कि हम क्या कर रहे हैं। उन्होंने कहा, यह कुछ ऐसा नहीं है जिसके लिए हमने पहले से तैयारी की थी। हम बस सोफे पर बैठे बातें कर रहे थे, ओह, वह फनी है। यह फनी है और तभी मैंने कहा, चलो इसे रिकॉर्ड करें। यह बस एक प्रयोग है। अपने बच्चों को बड़े होते और वे जो बनना चाहते हैं, उन्हें वह बनते देखना काफी मजेदार है। उन्होंने कहा कि वह कभी-कभी कृष्णा के दो टूक जवाबों से हैरान रह जाती हैं। उन्होंने कहा, विभिन्न चीजों पर उसकी अपनी राय है... मुझे नहीं लगता कि वह अधिकतर टीनएजर्स से अलग है, शायद वह उम्र से थोड़ा पहले समझदार हो गई है। पद्मा लक्ष्मी ने कहा, मैं कुछ चीजों को लेकर सख्त हूं और कुछ चीजों को लेकर उतनी सख्त नहीं हूं जितना मुझे होना चाहिए, जैसे कि सोने का समय... वह अभी 14 साल की है।

मैं यह सुनिश्चित करने के बारे में सख्त थी कि वह अपने जीवन के पहले चार-पांच साल में बहुत अच्छा खाना खाए और मैं वयस्कों के अनादर को बर्दाश्त नहीं करती। वह ऐसी (अनादर करने वाली) नहीं है, लेकिन इस मामले में हमारी एशियाई संस्कृति सामने आती है - घर में आने से पहले अपने जूते उतारने और बड़ों को अंकल या आंटी कहने जैसी हमारी परंपराओं का सम्मान।पद्मा ने बताया कि कृष्णा उनके सोशल मीडिया अकाउंट पर दिखती हैं, लेकिन उनकी बेटी का अपना कोई अकाउंट नहीं है। उन्होंने कहा, वह सोशल मीडिया पर नहीं है, मुझे इसके बारे में पता है।

रूस ने ब्रिटेन के रक्षा अताशे को किया निष्कासित, एक सप्ताह में छोड़ना होगा देश

मॉस्को, 17 मई (एजेंसियां) । रूस-यूक्रेन युद्ध को दो साल से भी अधिक समय हो गया है। इस दौरान मॉस्को और लंदन के बीच तनाव और तकरार बढ़ती जा रही है। ब्रिटेन ने जासूसी के आरोपों पर इस महीने की शुरुआत में रूसी रक्षा अताशे को निष्कासित कर दिया था। वहीं अब रूस ने पलटवार करते हुए ब्रिटेन के रक्षा अताशे एड्रियन कॉघिल को मास्को से निष्कासित कर दिया है।

आठ मई को किया था ब्रिटेन पर वार

बता दें कि आठ मई को ब्रिटेन में रूस के रक्षा अताशे को निष्कासित कर दिया गया था, जिस पर जासूस होने का आरोप लगाया था और सीकॉक्स हीथ संपत्ति और रूसी दूतावास से राजनयिक दर्जा हटा दिया था। ब्रिटेन ने रूसी राजनयिक वीजा पर भी नए प्रतिबंध लगाए हैं, जिसमें राजनयिकों द्वारा देश में बिताए जाने वाले समय की अवधि भी शामिल है। रक्षा अताशे एड्रियन कॉघिल पर कार्रवाई मंत्रालय ने कहा कि ब्रिटिश राजनयिक को सूचित किया गया कि मॉस्को में ब्रिटेन के दूतावास में रक्षा अताशे एड्रियन कॉघिल को अवांछित व्यक्ति घोषित किया जाता है। उन्हें एक हफ्ते के भीतर रूस को छोड़ना होगा। मंत्रालय ने कहा कि ब्रिटेन की रूस विरोधी कार्रवाइयों पर हमारी प्रतिक्रिया, जो आठ मई को घोषित की गई थी, इस उपाय तक सीमित नहीं है। तनाव भड़काने वालों को आगे के प्रतिक्रिया कदमों के बारे में सूचित किया जाएगा। ब्रिटेन के रक्षा मंत्री ग्रांट शाप्स ने कॉघिल को रूस से निष्कासित करने को हताशा भरा कदम बताया।

ब्रिटेन और रूस का संबंध

रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिटेन का रूस के साथ वर्षों से असहज संबंध रहा है। वह अपने एजेंटों पर लक्षित हत्याओं और जासूसी का आरोप लगाता है, जिसमें ब्रिटिश सांसदों पर लक्षित साइबर हमले और रूसी हितों की सेवा के लिए संवेदनशील जानकारी को लीक करना और बढ़ाना शामिल है।

प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको पर हुआ हमला राजनीतिक नहीं, आंतरिक मंत्री ने किया ये दावा

ब्राटीस्लावा, 17 मई (एजेंसियां) । स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको पर हुए हमले को लेकर वहां के आंतरिक मामलों के मंत्री मेटस सुटेज ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि पीएम फिको की हत्या की कोशिश ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। उन्होंने दावा किया था कि हमले की शुरुआती जांच में फीको पर हमले के पीछे पाया गया कि यह राजनीति से प्रेरित था। हालांकि, वे अपने पूर्व बयान से पलट गए। उन्होंने कहा कि जिस संदिग्ध पर हमले का आरोप लगाया गया है, उसका किसी भी राजनीतिक समूह से संबंध नहीं है। उसने अकेले ही इस हमले को अंजाम दिया है। हालांकि उन्होंने हमले के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं की। इसके साथ ही प्रधान मंत्री रॉबर्ट फिको पर हमला

करने वाले संदिग्ध पर पूर्व-निर्धारित हत्या का आरोप लगाया गया है। आंतरिक मामलों के मंत्री ने कहा कि इस हमले का वो अकेला मास्टरमाइंड है। बीते महीने हुए राष्ट्रपति चुनाव को लेकर उसने हाल ही में सरकार विरोधी भावना व्यक्त की थी। इससे पहले, अस्पताल के एक अधिकारी ने फिको की हालत की जानकारी दी थी। उन्होंने कहा कि उनकी हालत गंभीर लेकिन स्थिर थी। बता दें कि स्लोवाकिया की राजधानी ब्राटीस्लावा के हैंडलोवा शहर में उन पर कई गोलियां बरसाई गई। उन पर हमला तब किया गया जब एक सरकारी मीटिंग के बाद फिको अपने समर्थकों से मिल रहे थे। इसी दौरान हमलावर ने रॉबर्ट फिको को करीब से पांच गोलियां मार दी। वहीं प्रधानमंत्री के सुरक्षाकर्मियों ने मौके से ही आरोपी हमलावर को पकड़ लिया, जिसकी पहचान जुराज सिनटुला (71 वर्षीय) के रूप में हुई है। आरोपी एक कवि है और बताया जा रहा है कि वह, रॉबर्ट फिको की नीतियों से नाराज था और इसी के चलते उसने फिको पर हमला किया। लोकलुभावन नेता को जान से मारने की इस कोशिश ने छोटे से देश को हिलाकर रख दिया है। यूरोपीय चुनावों से कुछ हफ्ते पहले पूरे महाद्वीप में इसकी गूंज सुनाई दी है।कई लोगों ने इस हमले के लिए आंशिक रूप से अत्यधिक राजनीतिक ध्रुवीकरण को जिम्मेदार ठहराया है जिसने देश को विभाजित कर दिया है। कौन हैं रॉबर्ट फिको रॉबर्ट फिको का जन्म साल 1964 में हुआ और उन्होंने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत स्लोवाकिया की आजादी के बाद कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्य के तौर पर की। रॉबर्ट फिको के पास कानूनी की डिग्री है और उन्हें वकालत का लंबा अनुभव है। स्लोवाकिया की राजनीति में रॉबर्ट फिको एक बड़ा नाम हैं। रॉबर्ट फिको ने साल 1992 में स्लोवाकिया की संसद का चुनाव लड़ा और साल 1999 में वह स्मेर (डायरेक्शन) पार्टी के अध्यक्ष बन गए थे।

तानाशाह किम की बहन बोली– हमने रूस को हथियार नहीं दिए

नॉर्थ कोरिया के हथियार देश की रक्षा के लिए, बेचने के लिए नहीं

प्योंगयांग, 17 मई (एजेंसियां) । नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने रूस को हथियार देने के अमेरिका और साउथ कोरिया के दावों को गलत बताया है। नॉर्थ कोरिया के सरकारी न्यूज चैनल के मुताबिक किम यो जोंग ने कहा कि रूस को हथियार देने की बातें मनगढ़ंत और बेतुकी हैं। किम यो जोंग ने कहा, नॉर्थ कोरिया ने देश की सुरक्षा के लिए हथियार बनाएं हैं, किसी दूसरे देश को बेचने के लिए नहीं।

किम की बहन का ये बयान उस वक्त आया है जब अमेरिका ने रूस की 3 कंपनियों पर प्रतिबंध लगाएं है। इन पर नॉर्थ कोरिया और रूस के बीच हथियारों की डील कराने के आरोप थे। दरअसल, नॉर्थ कोरिया के हथियार खरीदने और बेचने पर (संयुक्त राष्ट्र संघ) ने पाबंदियां लगा रखी हैं।

अमेरिका और पश्चिमी देश लगातार रूस पर नॉर्थ कोरिया से मिलिट्री टेक्नोलॉजी और आर्थिक सहायता के बदले में यूक्रेन युद्ध के लिए तोपखाने, मिसाइल और दूसरे हथियार खरीदने के आरोप लगाते रहे हैं।

दावा- नॉर्थ कोरिया ने हथियारों के 7 हजार कंटेनकर रूस भेजे

साउथ कोरिया ने मार्च में दावा किया था कि नॉर्थ कोरिया ने जुलाई 2023 से मार्च 2024 तक रूस को हथियारों से भरे 7 हजार कंटेनर भेजे। इसके बदले नॉर्थ कोरिया में रूस के 9 हजार कंटेनर आए थे। इनमें खाने की कमी झेल रहे नॉर्थ कोरिया के लिए मदद का सामान होने का दावा किया गया।

वहीं, वॉशिंगटन में बैठे एक्सपर्ट्स का दावा है कि नॉर्थ कोरिया को हथियार भेजने के बदले सैटेलाइट टेक्नोलॉजी मिली है। नॉर्थ कोरिया ने हाल ही में कहा था कि वे अपनी सेना के लिए 240 मिलीमीटर के रॉकेट लॉन्चर बनाएगा, जो सेना की जंग लड़ने की क्षमता को बढ़ाएंगे।

यूक्रेन में दागीं मिसाइलों से खुलासा

अमेरिका के साथ-साथ यूक्रेन का भी दावा है कि रूस ने नॉर्थ कोरिया से हथियार खरीदे हैं। जनवरी में रूस के खार्किव शहर में दागी गई एक मिसाइल के मलबे से इसकी पुष्टि होने का दावा किया गया। सिर्फ हथियार ही नहीं अमेरिका का दावा है कि रूस ने ह सिक्योरिटी काउंसिल की लिमिट से आगे जाकर नॉर्थ कोरिया को रिफाइंड पेट्रोल दिया है।

1990 से खाने की कमी से जूझ रहा नॉर्थ कोरिया

रिपोर्ट के मुताबिक नॉर्थ कोरिया में 1990 के दशक में खतरनाक अकाल पड़ा था। तब से वहां पर खाने की कमी है। फरवरी 2023 में एक्सपर्ट्स ने चेताया था कि अनाज के उत्पादन में कमी होने की वजह से नॉर्थ कोरिया में खाने का संकट गहरा गया है। बेकार मौसम और अंतर्राष्ट्रीय पाबंदियों के चलते वहां स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। साउथ कोरिया की सैटेलाइट इमेज से दिखाया था कि नॉर्थ कोरिया में साल 2022 में 2021 के मुकाबले 18 हजार टन कम अनाज पैदा हुआ था।

किम जोंग ने लोगों को कम खाना खाने का आदेश दिया था

2022 में उत्तर कोरिया से आई एक रिपोर्ट ने दावा किया था कि अनाज की कमी को पूरा करने के लिए किम जोंग उन ने लोगों से कम खाना खाने को कहा है। उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया के मुताबिक, कोरिया वर्कर्स पार्टी की बैठक में किम जोंग ने कहा था- अब देश में फैक्ट्रियां लगाने पर काम होगा और लोगों के जीवन में सुधार लाया जाएगा।

कल रखा जाएगा मोहिनी एकादशी व्रत

हिंदू पंचांग के अनुसार वैशाख माह में शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मोहिनी एकादशी व्रत रखा जाता है। वैसे तो हर महीने में दो एकादशी तिथि होती है। एक शुक्ल पक्ष और एक कृष्ण पक्ष में, लेकिन मोहिनी एकादशी का खास महत्व माना जाता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि मोहिनी एकादशी का व्रत 19 मई को रखा जाएगा। इस दिन भगवान विष्णु के मोहिनी स्वरूप की पूजा की जाती है। इस व्रत को करने से मनुष्य के सभी कष्ट दूर होते हैं। मान्यता है कि मोहिनी एकादशी का व्रत सभी प्रकार के दुखों का निवारण करने वाला, सब पापों को हरने वाला और व्रतों में उत्तम व्रत है। इस व्रत के प्रभाव से मनुष्य मोहजाल से छुटकारा पाकर विष्णु लोक को प्राप्त करता है। मोहिनी एकादशी के दिन पूजा अर्चना करने से मन को शांति मिलती है और धन, यश और वैभव में वृद्धि होती है। इस दिन सृष्टि के रचयिता भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है। साथ ही उनके निमित्त व्रत भी रखा जाता है। इस व्रत के पुण्य से भक्त के अनजाने में किए गए सभी पाप दूर हो जाते हैं। भगवान विष्णु की कृपा भी प्राप्त होती है।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि हिंदू धर्म में साल में 24 एकादशी पड़ती हैं। एकादशी तिथि भगवान विष्णु को समर्पित है और इस दिन श्रीहरि की पूजा की जाती है। वैसे तो सभी एकादशी महत्वपूर्ण मानी गई है लेकिन वैशाख मास के शुक्ल पक्ष में पड़ने वाली एकादशी का भी विशेष महत्व है। वैशाख मास के शुक्ल पक्ष में पड़ने वाले एकादशी को मोहिनी एकादशी के नाम से जाना जाता है। मोहिनी एकादशी का दिन भगवान विष्णु और उनके मोहिनी अवतार की पूजा करने के लिए मनाया जाता है। भक्त अपने पिछले पापों से छुटकारा पाने और विलासिता से भरा जीवन जीने के लिए मोहिनी एकादशी का व्रत रखते हैं। इस दिन व्रत-पूजा करने से साधक को सुख-सौभाग्य की प्राप्ति होती है। साथ ही घर में सुख समृद्धि भी बनी रहती है। इस बार मोहिनी एकादशी पर 3 शुभ योग बन रहे हैं।

मोहिनी एकादशी तिथि

वैशाख शुक्ल एकादशी तिथि आरंभ: 18 मई, 2024, प्रात: 11 : 23 मिनट पर

वैशाख शुक्ल एकादशी तिथि समाप्त:19 मई, 2024, दोपहर 01:50 मिनट पर

उदयातिथि के आधार पर मोहिनी एकादशी व्रत 19 मई 2024 को रखा जाएगा।

मोहिनी एकादशी पर शुभ योग

इस बार मोहिनी एकादशी पर कई शुभ योगों का निर्माण हो रहा है। इन योगों को ज्योतिषीय दृष्टि से बेहद शुभ माना जा रहा है। इन योगों में मोहिनी एकादशी व्रत रखना और विष्णु जी की पूजा करना बहुत लाभ प्रदान करता है।

अमृत योग: 19 मई प्रात: 05:28 से 20 मई तड़के 03:16 मिनट तक

वज्र योग: 18 मई प्रात: 10:25 से 19 मई प्रात: 11:25 मिनट तक

सिद्धि योग: 18 मई प्रात: 11:25 मिनट से 19 मई दोपहर 12:11 तक

भद्रावास योग

मोहिनी एकादशी पर दुर्लभ भद्रावास योग का निर्माण हो रहा है। इस दिन भद्रा दोपहर 01:50 मिनट तक पाताल लोक में रहेंगी। भद्रा के पाताल में रहने के दौरान भगवान विष्णु की पूजा करने से साधक के सकल मनोरथ सिद्ध हो जाते हैं। साथ ही जीवन में व्याप्त दुख और संकट भी दूर हो जाते हैं। इस दिन अमृत सिद्धि योग और सर्वार्थ सिद्धि योग का निर्माण सुबह 05:28 मिनट से हो रहा है, जो 20 मई को देर रात 03:16 मिनट तक है। साथ ही मोहिनी एकादशी पर सिद्धि योग का भी संयोग बन रहा है।

यज्ञ से भी ज्यादा फल देता है एकादशी व्रत

पुराणों के मुताबिक, एकादशी को हरी वासर यानी भगवान विष्णु का दिन कहा जाता है। विद्वानों का कहना है कि एकादशी व्रत यज्ञ और वैदिक कर्म-कांड से भी ज्यादा फल देता है। पुराणों में कहा गया है कि इस व्रत को करने से मिलने वाले पुण्य से पितरों को संतुष्टि मिलती है। स्कंद पुराण में भी एकादशी व्रत का महत्व बताया गया है। इसको करने से जाने-अनजाने में हुए पाप खत्म हो जाते हैं।

पुराणों और स्मृति ग्रंथ में एकादशी व्रत

स्कन्द पुराण में कहा गया है कि हरिवासर यानी एकादशी और द्वादशी व्रत के बिना तपस्या, तीर्थ स्थान या किसी तरह के पुण्याचरण द्वारा मुक्ति नहीं होती। पदम पुराण का कहना है कि जो व्यक्ति इच्छा या न चाहते हुए भी एकादशी उपवास करता है, वो सभी पापों से मुक्त होकर परम धाम वैकुंठ धाम प्राप्त करता है। कात्यायन स्मृति में जिक्र किया गया है कि आठ साल की उम्र से अस्सी साल तक के सभी स्त्री-पुरुषों के लिए बिना किसी भेद के एकादशी में उपवास करना कर्त्तव्य है। महाभारत में श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर को सभी पापों ओर दोषों से बचने के लिए 24 एकादशियों के नाम और उनका महत्व बताया है।

एकादशी व्रत का महत्व

वैदिक संस्कृति में प्राचीन काल से ही योगी और ऋषि इन्द्रिय क्रियाओं को भौतिकवाद से देवत्व की ओर मोड़ने को महत्व देते आ रहे हैं। एकादशी का व्रत उसी साधना में से एक है। हिन्दू शास्त्रों के अनुसार एकादशी में दो शब्द होते हैं एक (1) और दशा (10)। दस इंद्रियों और मन की क्रियाओं को सांसारिक वस्तुओं से ईश्वर में बदलना ही सच्ची एकादशी है। एकादशी का अर्थ है कि हमें अपनी 10 इंद्रियों और 1 मन को नियंत्रित करना चाहिए। मन में काम, क्रोध, लोभ आदि के कुविचार नहीं आने देने चाहिए। एकादशी एक तपस्या है जो केवल भगवान को महसूस करने और प्रसन्न करने के लिए की जानी चाहिए। हिंदू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार एकादशी तिथि भगवान विष्णु को बेहद प्रिय है। पौराणिक मान्यता के अनुसार इस व्रत की महिमा स्वयं श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर को बताई थी। एकादशी व्रत के प्रभाव से जातक को मोक्ष मिलता है और सभी कार्य सिद्ध हो जाते हैं, दरिद्रता दूर होती है, अकाल मृत्यु का भय नहीं सताता, शत्रुओं का नाश होता है, धन, ऐश्वर्य, कीर्ति, पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता रहता है ।

पूजा विधि

मोहिनी एकादशी के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें। उसके बाद पीले वस्त्र पहनकर भगवान विष्णु का स्मरण करें और पूजा करें। फिर मऊं नमो भगवते वासुदेवायफ मंत्र का जाप जरूर करें। उसके बाद धूप, दीप, नैवेद्य आदि सोलह चीजों के साथ करें और रात को दीपदान करें। पीले फूल और फलों को अर्पण करें। श्री हरि विष्णु से किसी प्रकार की गलती के लिए क्षमा मांगे। शाम को पुन: भगवान विष्णु की पूजा करें और रात में भजन कीर्तन करते हुए जमीन पर विश्राम करें। फिर अगले दिन सुबह उठकर स्नान आदि करें। इसके बाद ब्राह्मणों को आमंत्रित करके भोजन कराएं और उन्हें अपने अनुसार भेट दें। इसके बाद व्रत का पारण करें।

भगवान विष्णु ने रखा था मोहिनी रूप

पौराणिक कथा के अनुसार समुद्र मंथन के समय जब समुद्र से अमृत कलश निकला तब राक्षसों और देवताओं के बीच इस बात को लेकर विवाद शुरू हो गया कि अमृत का कलश कौन लेगा। इसके बाद सभी देवताओं ने भगवान विष्णु से सहायता मांगी।

ऐसे में अमृत के कलश से राक्षसों का ध्यान भटकाने के लिए भगवान विष्णु मोहिनी नामक एक सुंदर स्त्री के रूप में प्रकट हुए, जिसके बाद सभी देवताओं ने विष्णु जी की सहायता से अमृत का सेवन किया।

इसी दिन वैशाख शुक्ल की एकादशी तिथि थी, इसलिए इस दिन को मोहिनी एकादशी के रूप में मनाया जाता है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

इन चार महीनों में गलती से भी न करें ये काम

जानें चातुर्मास कब से कब तक है

चातुर्मास शब्द का अर्थ होता है चार महीने । हिंदू धर्म में, चातुर्मास आषाढ़ शुक्ल एकादशी से शुरू होकर कार्तिक शुक्ल एकादशी तक चलने वाले चार महीनों का एक महत्वपूर्ण अवधि है। ये अवधि लगभग चार महीने (जुलाई - अगस्त और सितंबर - अक्टूबर) तक चलती है। माना जाता है कि चातुर्मास के दौरान प्रकृति स्वयं ही शुद्धिकरण की अवस्था में होती है। इस समय हल्की धूप और कम बारिश का मौसम होता है, जो ध्यान और आत्मनिरीक्षण के लिए उपयुक्त माना जाता है। लोग सात्विक भोजन करते हैं, जमीन पर सोते हैं और ब्रह्मचर्य का पालन करते हैं। इस दौरान भगवान विष्णु की पूजा का विशेष महत्व होता है। सात्विक भोजन और शांत जीवनशैली चातुर्मास के दौरान पाचन तंत्र को मजबूत करने और शरीर को शुद्ध करने में मदद करता है।

चातुर्मास शब्द का अर्थ होता है चार महीने । हिंदू धर्म में, चातुर्मास आषाढ़ शुक्ल एकादशी से शुरू होकर कार्तिक शुक्ल एकादशी तक चलने वाले चार महीनों का एक महत्वपूर्ण अवधि है। ये अवधि लगभग चार महीने (जुलाई - अगस्त और सितंबर - अक्टूबर) तक चलती है। माना जाता है कि चातुर्मास के दौरान प्रकृति स्वयं ही शुद्धिकरण की अवस्था में होती है। इस समय हल्की धूप और कम बारिश का मौसम होता है, जो ध्यान और आत्मनिरीक्षण के लिए उपयुक्त माना जाता है। लोग सात्विक भोजन करते हैं, जमीन पर सोते हैं और ब्रह्मचर्य का पालन करते हैं। इस दौरान भगवान विष्णु की पूजा का विशेष महत्व होता है। सात्विक भोजन और शांत जीवनशैली चातुर्मास के दौरान पाचन तंत्र को मजबूत करने और शरीर को शुद्ध करने में मदद करता है।

चातुर्मास 2024 17 जुलाई से शुरू होकर 12 नवंबर तक चलेगा। यह चार महीनों का अवधि है जो आषाढ़ शुक्ल एकादशी से कार्तिक शुक्ल एकादशी तक होता है।

चातुर्मास 2024 की महत्वपूर्ण तिथियां

देवशयनी एकादशी: 17 जुलाई 2024 (रविवार)

कर्णावती एकादशी: 15 अगस्त 2024 (मंगलवार)

प्रोपोत्सव एकादशी: 23 सितंबर 2024 (शनिवार)

दीपावली: 4 नवंबर 2024 (सोमवार)

देवोत्थान एकादशी: 12 नवंबर 2024 (रविवार)

चातुर्मास का महत्व

चातुर्मास को आत्म-अनुशासन और आध्यात्मिक विकास का समय माना जाता है। इस दौरान लोग व्रत रखते हैं, पूजा-पाठ करते हैं और ध्यान, योग करते हैं। इसे भगवान विष्णु के विश्राम काल के रूप में देखा जाता है। मान्यता है कि इस अवधि में भगवान विष्णु क्षीर सागर में शेषनाग पर शयन करते हैं। इसलिए, इस अवधि के दौरान भगवान विष्णु की पूजा का विशेष महत्व होता है। माना जाता है कि मानसून के मौसम में पाचन शक्ति कमजोर हो जाती है। इसलिए, चातुर्मास के दौरान सादा और सात्विक भोजन करने से पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में मदद मिलती है।

चातुर्मास में क्या करें

कई लोग पूरे चातुर्मास या कुछ विशिष्ट दिनों में व्रत रखते हैं। व्रत में सात्विक भोजन करना, शराब और मांस का सेवन नहीं करना शामिल है। इस दौरान भगवान विष्णु की पूजा का विशेष महत्व होता है। लोग नियमित रूप से पूजा करते हैं, भजन गाते हैं और भगवान विष्णु का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। चातुर्मास के दौरान लोग रामायण, महाभारत, भागवत गीता आदि धार्मिक ग्रंथों का पाठ करते हैं। दान का हिंदू धर्म में बहुत महत्व है। चातुर्मास के दौरान गरीबों और जरूरतमंदों को दान देने का विशेष महत्व होता है। चातुर्मास हिंदू धर्म में एक महत्व-पूर्ण अवधि है। यह आध्यात्मिक विकास, धार्मिक अनुष्ठान और आत्म-अनुशासन का समय है। चाहे आप धार्मिक व्यक्ति हों या नहीं, चातुर्मास के कुछ पहलुओं को अपनाकर अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

चातुर्मास के दौरान गलती से ना करें ये काम

मांस, मछली, अंडे, प्याज और लहसुन का सेवन नहीं किया जाता है।

शराब पीना और धूम्रपान करना वर्जित है। विवाह, मुंडन संस्कार जैसे मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं। लंबी यात्रा करने से भी आम तौर पर बचा जाता है। चातुर्मास हिंदू धर्म में एक महत्वपूर्ण अवधि है जो आध्यात्मिक विकास, ईश्वर की भक्ति और शारीरिक शुद्धि पर केंद्रित होती है। यह समय शांतचित्त होकर जीवन को नई दिशा देने का अवसर प्रदान करता है। भले ही आप सभी नियमों का पालन न करें, फिर भी आप इस अवधि में सात्विक भोजन करने, ध्यान करने और धार्मिक ग्रंथों को पढ़ने का प्रयास कर सकते हैं।

अत्याचार: यह अवधि अहिंसा और सदाचार का पालन करने का समय माना जाता है। किसी भी प्रकार का अत्याचार या हिंसा वर्जित है।

एकदंत संकष्टी चतुर्थी 26 को

दुनिया की हर उलझन से जब इंसान थक जाता है तो ईश्वर को ही याद करता है। संपूर्ण ब्रह्मांड का संचालन ईश्वर द्वारा किया जाता है। हम अपने-अपने अनुसार ईश्वर की पूजा भी करते हैं। लेकिन फिर भी हमें उम्मीद के अनुसार फल नहीं मिल पाता है। इसका सबसे बड़ा कारण माना जाता है नियम पूर्वक पूजा पाठ का न होना। ऐसे ही आज हम एकदंत संकष्टि चतुर्थी के बारे में पूर्णिया के ज्योतिष से जानेंगे।

व्रत रखने से पूरी होती है हर मनोकामना, राहू का घटे प्रकोप

ज्योतिष ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि स्वर्गलोक में भी दो भाई कार्तिकेय और गणेशजी के बीच वर्चस्व की लड़ाई हुई थी।

इस दौरान भोले बाबा ने कहा कि जो सबसे पहले तीनों लोकों की परिक्रमा करके यहां आएगा। वह ही सर्वश्रेष्ठ माना जाएगा। गणेशजी ने अपनी सवारी मूषक के साथ तीनों लोकों की नहीं, लेकिन अपने माता-पिता की परिक्रमा कर ली। गणेश जी की बुद्धि विवेक को देखकर सभी देवी देवताओं सहित महादेव ने उन्हें सर्वश्रेष्ठ पूजा और सर्वश्रेष्ठ नाम का अधिकार दिया। इसी के बाद से गणेश जी की सर्वप्रथम पूजा की शुरूआत हुई।

26 मई ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को सूर्योदय से प्रारंभ होकर सूर्यास्त तक एकदंत संकष्टि चतुर्थी का शुभ मुहूर्त रहेगा। इस दिन विधि-विधान से गणेश जी की पूजा की जाएगी। इस दिन भगवान गणेश की विशेष पूजा आराधना की जाती है उन्हें मोदक दूर्वा सुपारी और पान आदि अन्य कोई चीज अर्पित कर उनसे अपनी मनोकामना मांगी जाती हैं।एकदंत संकष्टी चतुर्थी को सच्चे मन से भगवान गणेश जी की पूजा आराधना करने से भक्तों को सुख-समृद्धि, बुद्धि, ज्ञान, ऐश्वर्य एवं अन्य सभी सांसारिक सुख सहित दुनिया की तमाम मनोकामना के साथ संतान की बुद्धिमत्ता भी प्राप्त होता है।

इस दिन आप भगवान गणेश जी की विशेष पूजा आराधना करें और भगवान गणेश को पीला वस्त्र और पीला मिठाई यानी पीला मोदक सहित दुर्वा फूल पान से उनकी पूजा करें। इस दिन भगवान गणेश की पूजा करने से राहु-दोष भी कट जाता है। साथ ही साथ हर संकट से मुक्ति पाने के लिए लोगों को 108 दूर्वा में पीला चंदन लगाकर ओम गण गणपति नमः या श्री गणेशाय नमः मंत्र का जाप करें।

हालांकि उन्होंने कहा कि अगर महिलाएं 108 दुर्वादल को उनके चरण पर चढाती हैं तो उन्हें खास तौर पर ख्याल रखना होगा कि उन्हें चंदन नहीं सिंदूर लगाकर दुर्वा को चढ़ाने चाहिए। इस विधि विधान से पूजा करने के बाद भगवान गणेश को मोदक का भोग लगाया और भगवान गणपति की आर-ाधना करें जिससे सारी मनोकामनाएं पूर्ण होगी और भक्तों को इच्छित प्राप्ति का वरदान भी मिलेगा।

अब किसी भी प्रोजेक्ट के लिए वजन नहीं बढ़ाउंगी : शिवांगी वर्मा

फिल्म पिचाईकरण 2 के गाने नाना बुलुकु के लिए 10 किलो वजन बढ़ाने वाली एक्ट्रेस शिवांगी वर्मा ने अपना वजन घटाने के अनुभव के बारे में बात की और कहा है कि वह किसी भी प्रोजेक्ट के लिए अपना वजन दोबारा कभी नहीं बढ़ाएंगी।छोटी सरदारनी, रिपोर्टर्स और टीवी, बीवी और मैं में अपने काम के लिए मशहूर एक्ट्रेस ने साझा किया कि वह समर्पण और कड़ी मेहनत से 10 किलो वजन कम करने में सफल रहीं।

शिवांगी ने कहा, मैंने इसे किसी तरह मैनेज किया। 69 से 59 तक पहुंचने में मुझे सचमुच एक साल लग गया। मेरे डाइटिशियन को धन्यवाद, मुझे लगता है कि मैं काफी फोकस्ड थी। मेरा वर्कआउट सही था, यही वजह है कि मैं वजन कम करने में सफलता हासिल कर पायी।हालांकि, अब उन्होंने तय कर लिया है कि वो किसी भूमिका के लिए वजन बढ़ाने के लिए सहमत नहीं होंगी।नच बलिए सीजन 6 के फाइनलिस्ट ने कहा, अब, मैं कभी भी किसी प्रोजेक्ट के लिए वजन नहीं बढ़ाऊंगी। अगर मुझे ऐसा करना पड़े तो मैं प्रोजेक्ट को छोड़ दूंगी।वजन कम करने के सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में, शिवांगी ने कहा, पहला है सही डाइट लेना, दूसरा है रोजाना वर्कआउट करना और तीसरा है अपनी इच्छाशक्ति को बरकरार रखना। मुझे लगता है कि आपको अपने ऊपर कंट्रोल रखने की जरूरत है। आपकी जीभ ही यह तय करती है कि आप कितना वजन बढ़ाते हैं या घटाते हैं।

धमाकेदार होगा जूनियर एनटीआर की फिल्म देवारा का पहला गाना फियर सॉन्ग

साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर का बर्थडे आ रहा है । इधर, जूनियर एनटीआर के फैंस के बीच एक्साइटमेंट की लहर बढ़ती जा रही है। जूनियर एनटीआर का बर्थडे आगामी 20 मई को है और इससे पहले आरआरआर स्टार अपने फैंस को बड़ा तोहफा देने जा रहे हैं। दरअसल, एनटीआर की मोस्ट अवेटेड फिल्म देवरा पार्ट 1 का पहला गाना रिलीज होने जा रहा है। एक्टर के बर्थडे से पहले फैंस को यह तोहफा मिलने जा रहा है। आइए जानते हैं कब रिलीज हो रहा है एक्टर की फिल्म देवरा पार्ट का पहला गाना। देवरा पार्ट 1 में जूनियर एनटीआर, जाह्नवी कपूर और सैफ अली खान लीड रोल में नजर आने वाले हैं। फिल्म का निर्देशन कोराताला ने किया है। फिल्म देवरा पार्ट 1 को लेकर एनटीआर के फैंस के बीच जबरदस्त क्रेज है, क्योंकि साल 2022 में रिलीज हुई फिल्म आरआरआर के बाद एक्टर को

किसी भी फिल्म में नहीं देखा गया है। एनटीआर अब देवरा पार्ट 1 से अपने फैंस के बीच थिएटर्स में उतर रहे हैं। जूनियर एनटीआर आगामी 20 मई को 41 साल के होने जा रहे हैं। इससे पहले 19 मई के देवरा पार्ट 1 के मेकर्स फिल्म का पहला गाना फियर रिलीज करने जा रहे हैं। इसे साउथ फिल्म इंडस्ट्री के पॉपुलर म्यूजिक डायरेक्टर अनिरुद्ध रविचंदर ने कंपोज किया है। वहीं, फिल्म के मेकर्स ने कहा है कि सॉन्ग फियर थलाइवा रजानीकांत की ब्लॉकबस्टर फिल्म जेलर के सुपरहिट सॉन्ग हुकुम से भी दमदार होगा। बता दें, सॉन्ग हुकुम को भी अनिरुद्ध ने ही कंपोज किया था। फिल्म देवरा पार्ट 1 की रिलीज डेट की बात करें तो यह 10 अक्टूबर 2024 को रिलीज होने जा रही है।

अक्षय कुमार के साथ रोमांस करती दिखेंगी आलिया भट्ट

प्रियदर्शन की हॉरर कॉमेडी फिल्म में एक्ट्रेस की हुई एंट्री!

हेरा फेरी, भूल भुलैया जैसी हिट फिल्में देने वाले निर्देशक प्रियदर्शन और अक्षय कुमार की जोड़ी फिर धमाल मचाने की तैयारी में है। फिल्म खट्टा मीठा की रिलीज के करीब 14 साल बाद दोनों साथ आ रहे हैं। खबर है कि यह काले जादू की पृष्ठभूमि पर हॉरर कॉमेडी फिल्म है।

दोनों अपनी इस अनाम हॉरर कामेडी फिल्म की शुरुआत दिसंबर में करेंगे। फिल्म में मुख्य अभिनेत्री के तौर पर आलिया भट्ट, कियारा आडवाणी और कीर्ति सुरेश को प्रमुख दावेदार बताया जा रहा है । खबरों के मुताबिक प्रियदर्शन की स्क्रिप्ट में अक्षय कुमार के साथ स्क्रीन शेयर करने के लिए सशक्त अभिनेत्री की आवश्यकता है। निर्माताओं ने आलिया, कीर्ति और कियारा से संपर्क किया है। स्क्रिप्ट पर उनकी प्रतिक्रिया, तारीखों की उपलब्धता और फीस के आधार पर उनका चयन होगा। आलिया भट्ट अगर अपनी सहमति देती हैं, तो यह उनके 12 साल के करियर में अक्षय के साथ नायिका

के रूप में पहली फिल्म होगी। फिल्म का पहला शेड्यूल आठ दिसंबर से लंदन में शुरू होने की उम्मीद है। उसके बाद, टीम उत्तर प्रदेश और गुजरात का रुख करेगी। इस हॉरर कॉमेडी को बड़े पैमाने पर बनाने की तैयारी है। अगले साल फरवरी तक शूटिंग पूरी कर ली जाएगी। अक्षय कुमार के वर्क फ्रंट की बात करें, तो एक्टर के खाते में कई बड़ी फिल्में हैं। इनमें जॉली एलएलबी 3, सरफिरे और वेलकम टू द जंगल जैसी मच अवेटेड फिल्में शामिल हैं। अक्षय कुमार आखिरी बार बड़े मियां छोटे मियां में नजर आए थे, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर ये फिल्म फ्लॉप साबित हुई। ईद पर रिलीज हुई बड़े मियां छोटे मियां का बिजनेस रिलीज के चंद दिनों में ही डांवाडोल हो गया। फिल्म में अक्षय कुमार के साथ लीड रोल में टाइगर श्रॉफ, मानुषी छिल्लर और अलाया एफ शामिल थे।

पुष्पा 2 से अनसूया भारद्वाज का फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज

मेकर्स ने बर्थडे पर दिया बड़ा तोहफा

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन स्टारर मोस्ट अवेटेड फिल्म पुष्पा 2 द रूल का इंतजार फैंस को बेसब्री से हैं। फिल्म का हाल ही में पहला गाना पुष्पा-पुष्पा रिलीज हुआ था। इस गाने पर धड़ल्ले से रील बन रही है और अब फिल्म से एक्ट्रेस का अनसूया भारद्वाज का फर्स्ट लुक सामने आ गया है। दरअसल, अनसूया के बर्थडे पर उनका फर्स्ट लुक सामने आया है। पुष्पा के मेकर्स मैत्री मूवी मेकर्स ने एक्ट्रेस को जन्मदिन भी विश किया है। फिल्म के पहले पार्ट में धांसू रोल करने वालीं अनसूया अपना 39वां बर्थडे मना रही हैं। वहीं, एक्ट्रेस के लिए इस खास मौके पर पुष्पा के मेकर्स मैत्री मूवी ने अपने एक्स हैंडल पर एक्ट्रेस का फिल्म से धांसू लुक शेयर किया है। सोशल मीडिया पर

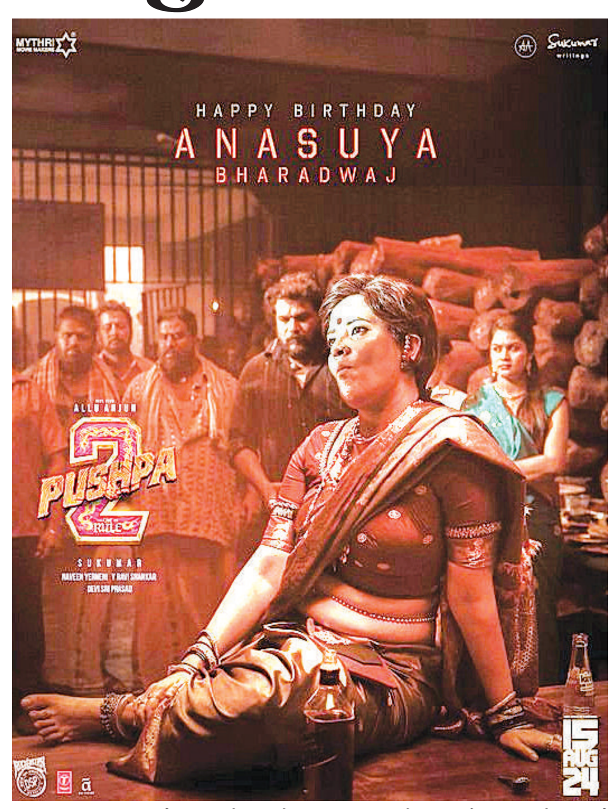

अनसूया का फर्स्ट लुक तेजी से वायरल हो रहा है। अपने फर्स्ट लुक पोस्टर में अनसूया मेज पर रौबदार लुक में बैठी हैं। पुष्पा 2 में वह दक्षिणायनी के रोल में नजर आने वाली हैं।

पुष्पा 2: द रूल में अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना, फहाद फासिल, अनसूया भारद्वाज, सुनील, जगदीश और राव रमेश अहम रोल में दिखेंगे। पुष्पा 2 आगामी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर रिलीज होने जा रही है।

फिल्म के म्यूजिक के लिए एक बार फिर देवी श्री प्रसाद को चुना गया है। फिल्म के डायरेक्टर सुकुमार हैं। वहीं, फिल्म का पहला गाना पुष्पा- पुष्पा पहले ही धमाका कर चुका है और अब फिल्म का दूसरा गाना रिलीज करने की तैयारी हो रही है। पुष्पा 2 का दूसरा गाना एक रोमांटिक ट्रेक बताया जा रहा है, जिसमें अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की लव कैमिस्ट्री दिखेगी।

एक और सस्पेंस से भरपूर फिल्म रिलीज को तैयार

पोस्टर ने बढ़ाई उत्सुकता, जानें कब आएगा ट्रेलर

अभिनय देव के निर्देशन में बनी फिल्म 'सावी' दिन प्रतिदिन लोगों की उत्सुकता को बढ़ा रही है। हाल में फिल्म के निर्माताओं ने ट्रेलर रिलीज की तारीख 21 मई की घोषणा करते हुए एक दिलचस्प पोस्टर रिलीज किया। पोस्टर में दिव्या खोसला, हर्षवर्धन राणे और अनिल कपूर एक अनदेखे अवतार में नजर आ रहे हैं। पोस्टर ने दर्शकों के बीच उत्सुकता जगा दी है, जो फिल्म की कहानी के भीतर छिपे रहस्यों को जानने के लिए उत्सुक हैं।

डिवाइडेड ग्रिड पोस्टर में तीनों एक दिलचस्प फ्रेम में दिखाए गए हैं। पोस्ट के बीच में हर्षवर्धन राणे एक जेल में फंसे हुए दिख रहे हैं, जबकि एक तरफ दिव्या चुलबुली और हंसमुख है, तो दूसरी तरफ उसकी नाक से खून बह रहा है, जिससे फिल्म की गहरी और रोमांचक कहानी के संकेत मिल रहे हैं। फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है।

फिल्म के टीजर में कहानी की रहस्यमयी झलकियां मिली हैं। फिल्म के गाने 'हमदम' में मुख्य कलाकारों दिव्या खोसला और हर्षवर्धन राणे की मनमोहक केमिस्ट्री दिख रही है। अब दर्शक फिल्म के ट्रेलर को लेकर उत्साहित हैं। 21 मई को ट्रेलर देखने और 'सावी' के रहस्यों की झलक पाने का मौका न चूकें। फिल्म 31 मई को आपके नजदीकी सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

शिवांगी जोशी ने करवाया फोटोशूट

मोहसिन-कुशाल के फैंस में छिड़ी जंग

टीवी की पॉपुलर और हाईएस्ट पेड एक्ट्रेसेस में से एक शिवांगी जोशी इन दिनों जमकर मी-टाइम बिता रही हैं। स्टार प्लस के सुपरहिट टीवी शो ये रिश्ता क्या कहलाता है से सुर्खियां बटोर चुकी शिवांगी जोशी ने हाल ही में एक फोटोशूट करवाया है, जिसमें उनकी खूबसूरती देखते ही बन रही है। शिवांगी ने इस फोटोशूट की झलक अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर दिखाई है। शिवांगी जोशी के इस अंदाज को देखकर सोशल मीडिया पर टीवी एक्टर मोहसिन खान और कुशाल टंडन के फैंस के बीच एक जंग सी छिड़ गई है। कुशाल और मोहसिन के फैंस का कहना है कि शिवांगी जोशी को जल्द ही इन एक्टर्स के साथ नए प्रोजेक्ट्स साइन करने चाहिए।बता दें कि शिवांगी जोशी ने मोहसिन खान और कुशाल टंडन संग काम किया हुआ है। दोनों एक्टर्स के साथ ही शिवांगी जोशी की केमेस्ट्री को लोगों ने खूब पसंद भी किया। ऐसे में शिवांगी जोशी की नई तस्वीरों पर दोनों ही एक्टर्स के फैंस लगातार कमेंट्स कर रहे हैं। एक यूजर ने शिवांगी की तस्-वीरों पर लिखा है, मोहसिन और आप साथ में हमेशा अच्छे लगते थे, आप दोनों जल्द ही फिर से साथ में काम करो। वहीं एक दूसरे यूजर ने कमेंट किया है, कुशाल के साथ तो आपको जल्द ही नया शो फिर से करना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

मौज–मस्ती की यात्राएं और सामाजिक मेलजोल आपको ख़ुश रखेंगे और सुकून देंगे। सट्टेबाज़ी से फ़ायदा हो सकता है। पारिवारिक समारोह और महत्वपूर्ण अवसरों के लिए अच्छा दिन है। नये रोमांस की संभावना प्रबल है, प्रेम का फूल आपकी ज़िन्दगी में जल्दी ही खिल सकता है। अन्य दिनों की अपेक्षा आज आपके सहकर्मी आपको अधिक समझने की कोशिश करेंगे। अगर आज आप यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान की अतिरिक्त सुरक्षा करने की ज़रूरत है। आपका जीवनसाथी आज ऊर्जा और प्रेम से भरपूर है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अगर आप पिछले कुछ वक़्त से झुंझलाहट महसस कर रहें हैं तो आपको याद रखना चाहिए कि सही कर्म और विचार आज आपके लिए बहुप्रतीक्षित राहत लेकर आएंगे। वैसे तो अपना पैसा दूसरे को देना किसी को पसंद नहीं आता लेकिन आज आप किसी जरूरतमंद को पैसा देकर सुकून का अनुभव करेंगे। आपका ज्ञान और हास–परिहास आपके चारों ओर लोगों को प्रभावित करेगा। अपना रवैया ईमानदार और स्पष्टवादी रखें। लोग आपकी दृढ़ता और क्षमताओं को सराहेंगे। नए विचारों और आइडिया को जाँचने का बेहतरीन वक़्त।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

मुस्कुराएँ, क्योंकि यह सभी समस्याओं का सबसे उम्दा इलाज है। प्रोपर्टी से जुड़े लेन–देन पूरे होंगे और लाभ पहुँचाएंगे। आपका ज्ञान और हास–परिहास आपके चारों ओर लोगों को प्रभावित करेगा। कुछ सहकर्मी कई अहम मुद्दों पर आपकी कार्यशैली से नाख़ुश होंगे, लेकिन यह वे आपको बताएंगे नहीं। अगर आपको लगता है कि परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं आ रहे हैं, तो अपनी योजनाओं का फिर से विश्लेषण कर उनमें सुधार लाना बेहतर रहेगा। आज के दिन आपके कुछ दोस्त आपके घर में आ सकते हैं और उनके साथ आप समय बिता सकते हैं आपको और आपके जीवनसाथी को कोई बहुत सुखद ख़बर सुनने को मिल सकती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपकी कोई चल संपत्ति चोरी हो सकती है इसलिए जितना हो सके इनका ध्यान रखें। कुछ भी चालाकी भरे काम को करने से बचें। मानसिक शांति के लिए इस तरह के कामों में से दूर रहें। मतभेद के चलते व्यक्तिगत संबंधों में दरार पड़ सकती है। कार्यालय में कोई आपको कुछ बढ़िया चीज़ या ख़बर दे सकता है। अपने जीवनसाथी के किसी काम की वजह से आप कुछ शर्मिन्दगी महसूस कर सकते हैं। लेकिन बाद में आपको महसूस होगा कि जो हुआ, अच्छे के लिए ही हुआ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। समस्याओं को दिमाग़ से बाहर खदेड़ दें और घर व दोस्तों के बीच अपनी स्थिति सुधारने के बारे में सोचें। अपनी व्यक्तिगत भावनाएँ और गोपनीय बातें अपने प्रिय से बाँटने का सही समय नहीं है। कार्यक्षेत्र के नज़रिए से आज का दिन आपका है। इसका भरपूर फ़ायदा उठाएँ। समय का पहिया बहुत तेजी से चलता है इसलिए आज से ही अपने कीमती समय का सही इस्तेमाल करना सीख लें। अपने जीवनसाथी के किसी छोटी बात को लेकर बोले गए झूठ से आप आहत महसूस कर सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे– आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे वक़्त में ही कर देंगे, जितना वक़्त आप अक्सर लेते हैं। धन आपके लिए जरूरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही खराब कर दें। परिवार की स्थिति आज वैसी नहीं रहेगी जैसा आप सोचते हैं। आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभावना है ऐसी स्थिति में खुद पर काबू रखें। सेमिनार और प्रदर्शनी आदि आपको नई जानकारियाँ और तथ्य मुहैया कराएंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

बच्चे आपके मुताबिक़ नहीं चलेंगे, जो आपके झुंझलाहट की वजह बन सकता है। आपको ख़ुद पर नियंत्रण रखना चाहिए, क्योंकि नाराज़गी सभी के लिए नुक़सानदेह है और यह सोचने–समझने की ताक़त को ख़त्म कर देती है। इससे सिर्फ़ मुश्किल बढ़ती है। जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था आज के दिन आपको आर्थिक हानि होने की संभावना है। समस्याओं को दिमाग़ से बाहर खदेड़ दें और घर व दोस्तों के बीच अपनी स्थिति सुधारने के बारे में सोचें। दूसरों को यह बताने के लिए ज़्यादा उतावले न हों कि आज आप कैसा महसूस कर रहे हैं। आज आपके वैवाहिक जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक हो सकता है

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपनी शारीरिक चुस्ती–फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। आप ऐसी योजनाओं को अमली जामा पहनाने की स्थिति में होंगे, जो कई लोगों को प्रभावित करेगी। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पूराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपको अपनी संतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना नजर आ रही है। इससे आपको काफी खुशी होगी। किसी पारिवारिक भेद का खुलना आपको चकित कर सकता है। विवाह–प्रस्ताव के लिए सही समय है, क्योंकि आपका प्यार जीवन भर के साथ में बदल सकता है। खुदरा और थोक व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। बातों को सही तरीके से समझने का आज आपको प्रयास करना चाहिए नहीं तो इसकी वजह से आप खाली समय में इन्हीं बातों के बारे में सोचते रहेंगे और अपना समय बर्बाद करेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दिन फ़ायदेमन्द साबित होगा और आप किसी पुरानी बीमारी में काफ़ी आराम महसूस करेंगे। संदिग्ध आर्थिक लेन–देन में फँसने से सावधान रहें। बच्चे की तबियत परेशानी का कारण बन सकती है। अपने प्रिय को नज़रअंदाज़ करना घर पर तनाव का कारण बन सकता है। कड़ी मेहनत और पर्याप्त कोशिश अच्छा फल देगी। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर पर अपना खाली समय बिता सकते हैं। जीवनसाथी के कारण कुछ नुक़सान हो सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

घर पर काम करते समय ख़ास सावधानी बरतें। घरेलू चीज़ों को लापरवाही से इस्तेमाल करना आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। अपनी पत्नी/पति के साथ पिकनिक पर जाने का बेहतरीन दिन है। यह न केवल आपका मन हल्का करेगा, बल्कि आप दोनों के बीच मतभेद दूर करने में भी मदद करेगा। आज का दिन बढ़िया प्रदर्शन और ख़ास कामों के लिए है। वक्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी शारीरिक चुस्ती–फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। आज कोई लेनदार आपके दरवाजे पर आ सकता है और आपसे पैसे उधार मांग सकता है। बच्चों के साथ ज़्यादा सख़्ती उन्हें नाराज़ कर सकती है। ख़ुद को नियंत्रित रखने और यह याद रखने की ज़रूरत है कि ऐसा करने से आप अपने और उनके बीच दीवार खड़ी कर लेंगे। आपमें बहुत–कुछ हासिल करने की क्षमता है– इसलिए अपने रास्ते में आने वाले सभी मौक़ों को झट–से दबोच लें। आप खुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफी खाली समय मिलने की संभावना है।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 18 मई 2024 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : वैशाख , शुक्ल पक्ष
तिथि : दशमी प्रातः 11:24 तक
नक्षत्र : उत्तराफाल्गुनी रात्रि 12:23 तक
योग : हर्षण प्रातः 10:23 तक
करण : गर प्रातः 11:24 तक
चन्द्रराशि : कन्या
सूर्योदय : 05:43 , सूर्यास्त 06:42 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:38 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:45 , सूर्यास्त 06:32 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:36 , सूर्यास्त 06:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा रात्रि 12:39 से

पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

ट्रक में घुसी रोडवेज बस, पांच महिलाओं की मौत, 12 यात्री घायल

भरतपुर, 17 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के भरतपुर जिले में आगरा–जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 21 पर हलैना के पास शुक्रवार को अलीगढ़ से जयपुर जा रही रोडवेज की बस के आगे चल रहे लकड़ियों से भरे ट्रक में घुस जाने से पांच महिलाओं की मौत हो गयी जबकि 12 यात्री घायल हो गए।

दुर्घटना में घायलों में से आठ घायलों को भरतपुर के आरबीएम हॉस्पिटल रेफर किया गया है जबकि पांच घायलों का इलाज हलैना हॉस्पिटल में चल रहा है। मृतक महिलाओं के शव हलैना सीएचसी की मॉर्च्युरी में रखवाये गये हैं।

भरतपुर में इलाज के दौरान एक महिला की मौत हो गयी। हादसे में बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। बस के ड्राइवर और कंडक्टर घायल हैं। ट्रक ड्राइवर फरार है। बस उत्तर प्रदेश (यूपी) परिवहन के अलीगढ़ डिपो की है। सड़क हादसे में घायलों के नाम निक्की जाट (28), रामू (35), संतोष (45), सूर्यप्रताप (21), राजू (27), मोहित (32), पप्पू (45), जीतेंद्र (25), अवनीश (35), तेजवीर (32), सुमित (26), एक बच्ची (3), एक बच्चा (1) बताये गये हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बस ड्राइवर ने ओवरटेक किया था। ब्रेक नहीं लगा तो उसने चलते ट्रक में बस घुसा दी। इसके बाद ट्रक काफी दूर बस को घसीटते ले गया। बस की स्पीड करीब 100 किलोमीटर प्रति घंटा बतायी गयी है। मृतक महिलाओं की शिनाख्त की जा रही है।

राजस्थान का उद्योग जगत विश्व पटल पर अपनी अलग पहचान बनाए : मेवाड़

उदयपुर, 17 मई (एजेंसियां)। मेवाड़ राजघराने के पूर्व सदस्य लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने कहा है कि राजस्थान का उद्योग जगत विश्व पटल पर अपनी अलग पहचान बनाये, इसके लिये हमें नयी तकनीक के साथ आगे बढ़ना होगा। श्री मेवाड़ ने यह बात फेडरेशन ऑफ राजस्थान ट्रेंड एंड इंडस्ट्री (फोर्टी) के चेयरमेन प्रवीण सुथार और ख्यातनाम कवि राव अजातशत्रु की उनसे भेंट के दौरान कही। उन्होंने कहा कि हमें बड़े दृष्टिकोण और नवीन सम्भावनाओं के द्वार सदैव खुले रखने चाहिये।

इस मौके पर फोर्टी चेयरमेन प्रवीण सुथार ने बताया की फोर्टी राजस्थान के व्यापार को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने के लिये विदेशी नीति समझने पर जोर दे रहा है, जिसके लिये राजस्थान के व्यापारियों के प्रतिनिधिमंडल को कई देशों की यात्राओं के साथ ही पिछले साल अफ्रीका के नैरोबी में एक प्रदर्शनी भी लगायी थी और भी ऐसे कई परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इसी सिलसिले में एक प्रतिनिधिमंडल पिछले दिनों दुबई, अफ्रीका, चीन आदि कई देशों की सफल व्यावसायिक यात्रा करके लौटा है।

राजस्थान उच्च न्यायालय ने ओडवाड़ा अतिक्रमण कार्रवाई पर लगाई रोक

जोधपुर, 17 मई (एजेंसियां)। राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर ने जालोर के ओडवाड़ा गांव में चल रही अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पर रोक लगा दी हैं।

न्यायमूर्ति विनीत माथुर की एकलपीठ ने दो दर्जन से अधिक याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए शुक्रवार को यह फैसला दिया। याचिकाओं में कहा गया कि उनके पास पट्टे है और वे पिछले 80 सालों से इन मकानों में रह रहे हैं। इस जगह के लिए राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार ने भी विकास का काम किया है और बिजली एवं पानी के कनेक्शन भी हैं। ऐसी स्थिति में उन्हें अतिक्रमी नहीं माना जा सकता है।

न्यायालय ने सुनवाई के बाद अतिक्रमण हटाने के आदेश पर रोक लगा दी। उल्लेखनीय है कि उच्च न्यायालय के निर्णय 16 मार्च 2021 एवं अवमानना याचिका वर्ष 2022 पर पारित आदेश गत वर्ष 21 मार्च एवं अवमानना याचिका 2023 में पारित आदेश गत सात मई की पालना में ग्राम ओडवाड़ा की ओरण भूमि से गुरूवार को अतिक्रमण हटाए गए।

शादी समारोह में मारपीट, दुल्हन के चाचा–ताऊ सहित 11 घायल

अलवर, 17 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में खैरथल तिजारा जिले के ततारपुर थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति की दो पुत्रियों की शादी में समारोह के दौरान शुक्रवार तड़के कुछ लोगों ने लाठियों और डंडों से हमला कर दुल्हन के चाचा–ताऊ और भांजे सहित परिवार के 11 लोगों को घायल कर दिया।हमलावरों ने ततारपुर एवं रामपुर से आई बारात के दूल्हे के परिवार और रिश्तेदारों को भी पीटा। घटना में घायल दो लोगों को अलवर जिला अस्पताल में भर्ती कराया है, जबकि एक घायल को जयपुर रेफर कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ततारपुर गांव निवासी जले सिंह की दो पुत्रियों की शादी गुरुवार रात को हुई। फेरे होने के बाद जले सिंह के भाई रोहिताश उसके पुत्र एवं भांजे के साथ 30 से 40 लोग लाठी और फरसी लेकर शादी की विदाई के समय तडके तीन–चार बजे घुस आये। आते ही लड़कियों से छेड़छाड़ करने लगे। एक लड़की को अगवा करने का प्रयास किया। रिश्तेदार और परिवार के लोगों ने विरोध किया तो हमला कर दिया।

बारात लेकर लेकर आये रामपुर और तारपुर गांव के दुल्हे के परिवार के सदस्यों और अन्य रिश्तेदारों को पीटा। कई लोगों के सिर फोड़ दिये, जिनके 20 से 30 टांके आये हैं। घटना की सूचना पुलिस को देने की कोशिश की गयी लेकिन थाने में किसी ने फोन नहीं उठाया, तब लोगों ने आकर थाने पर हंगामा किया।

इस बीच, सुबह परिवार और गांव के लोग थाने के बाहर पहुंचे। रात को पुलिस की ओर से कोई मदद नहीं करने पर रोष जताया गया। शादी में आये रिश्तेदार गिरधारी जाट ने बताया कि विवाद का कारण यह है कि जले सिंह और उसकी पत्नी बीमार हैं। भाई रोहिताश वगैरह उनकी जमीन हड़पना चाहते हैं। बेटियों की शादी उनके अनुसार दूसरी जगह कराना चाहते थे, लेकिन जले सिंह ने अपने रिश्तेदारों की मदद से अन्य जगह की है। इस कारण भाई और भांजे ने दुश्मनी मान ली। शादी में हंगामा किया, हथियारों से मारपीट की, फायरिंग भी की गयी। थाना प्रभारी अंकेश कुमार ने बताया कि शादी में फेरो के बाद मारपीट का मामला है। पीड़ित पक्ष ने परिवार के लोगों के खिलाफ लड़कियों से छेड़छाड़ की रिपोर्ट दी है। इस मामले में सख्ती से दोषियों को अरेस्ट करने में विलंब नहीं होगा।

हरियाणा में स्कूलों का समय बदला, अब सुबह सात बजे से शुरू होंगी कक्षाएं

शिक्षा विभाग ने एक जून से 30 जून तक किया छुट्टियों का भी ऐलान

चंडीगढ़, 17 मई (एजेंसियां)। हरियाणा में भीषण गर्मी के चलते स्कूलों का समय बदल दिया गया है। अब स्कूल सुबह सात बजे से लगेंगे। एकल शिफ्ट वाले स्कूलों में दोपहर 12 बजे छुट्टी हो जाएगी। वहीं दोहरी शिफ्ट वाले विद्यालयों में पहली शिफ्ट सुबह सात बजे से और दूसरी शिफ्ट दोपहर पौने 12 बजे से लगेगी। वहीं शिक्षा विभाग ने स्कूलों की छुट्टियों का भी ऐलान कर दिया है। स्कूलों में एक जून से 30 जून तक अवकाश रहेगा।

मौसम विभाग के अनुसार अगले पांच दिन हरियाणा जमकर तपेगा। लू के साथ ही पारा 46 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। अगले एक–दो दिनों में पारे में 2 डिग्री तक बढ़ोतरी हो सकती है। मौसम विशेषज्ञों ने इस संबंध में अलग अलग जिलों के लिए येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। यूं तो इसका प्रदेशभर में असर रहेगा, लेकिन दक्षिण हरियाणा के महेंद्रगढ़, हिसार, भिवानी, रेवाड़ी समेत अन्य जिलों में गरमी चरम पर होगी।

हरियाणा में मौसम विभाग की ओर से जारी चेतावनी में कहा गया है कि 21 मई तक लू चलेगी और गर्मी बढ़ेगी। आशंका है कि पारा 47 डिग्री को भी पार कर सकता है।

प्रदेश में कुछ हिस्सों में पारा 41 से 43 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। आगामी पांच दिनों में उत्तर हरियाणा के जिलों में पारा 42 से 44 डिग्री और दक्षिण हरियाणा के जिलों में 45 से 46 डिग्री तक जा सकता है। मौसम विशेषज्ञ डा. मनमोहन सिंह का कहना है कि अब धीरे धीरे गर्मी का पीक आएगा। आगामी पांचों दिनों तक लू के थपेड़ों का सामना करना पड़ेगा।

उधर अचानक पारा चढ़ने के चलते बिजली की खपत भी बढ़ गई है। सप्ताह के अंदर ही एक हजार मेगावाट से अधिक बिजली की मांग बढ़ी है। 9 मई को जहां अधिकतम आपूर्ति 9984 मेगावाट थी, लेकिन अब यह मांग 11 हजार मेगावाट तक पहुंच गई है। गर्मी बढ़ने से कूलर और एसी चलने लगे हैं, जिससे बिजली आपूर्ति के लिए अधिक मांग आई है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि जून में गर्मी और लू और तपाएगी, इसलिए जून माह में बिजली पीक डिमांड पर होगी और संभवाना है कि कुल 14 हजार मेगावाट तक बिजली की खपत हो सकती है। नौतपा को सबसे गर्म समय माना जाता है। इस बार नौतपा की शुरुआत 25 मई से होने जा रही है, जो दो जून तक रहेगा। माना जाता है कि नौतपा में जितनी तेज गर्मी होती है, तो चार महीने अच्छी बारिश होती है। दूसरा, नौतपा के दौरान कीट पतंगे नहीं रहते हैं और इससे बीमारियां फैलने की संभावना कम होती है। हालांकि, पिछले साल नौतपा के दिनों में खूब बारिश हुई थी।

भाऊ गैंग के शार्प शूटर अजय उर्फ गोली की एनकाउंटर में मौत

छह माह पहले जमानत पर आया था बाहर

रोहतक, 17 मई (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के साथ हिमांशु उर्फ भाऊ गैंग के शार्प शूटर अजय उर्फ गोली की बाहरी इलाके गांव खेड़ा खुर्द के पास मुठभेड़ हो गई, जिसमें पुलिस की गोली लगने से वह मारा गया। अभी हाल ही में गोली का नाम सोनीपत में मुरथल के ढाबे के बाहर शराब ठेकेदार की हत्या के मामले में नाम आया था। साथ ही गोली के खिलाफ रोहतक में हत्या के प्रयास, झगड़े व आर्म्स एक्ट सहित कई केस दर्ज थे, जिनमें वह गिरफ्तार हो चुका था। 2020 के बाद उसके खिलाफ रोहतक में कोई केस दर्ज नहीं हुआ है।

सीआईए पुलिस के मुताबिक दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को सूचना मिली कि विदेश में बैठकर गैंग चला रहे हिमांशु उर्फ भाऊ गैंग का एक शूटर अजय उर्फ गोली रोहतक जिले के गांव रिटोली का रहने वाला है। भाऊ का गांव भी रिटौली ही है। छह मई को दिल्ली के थाने तिलकनगर में फायरिंग हुई थी। साथ ही 10 मार्च को सोनीपत के मुरथल के पास ढाबे पर दिन दहाड़े शराब ठेकेदार की हत्या हुई थी।

दोनों केस में गोली वांछित था, वह बाहरी दिल्ली के गांव खेड़ा खुर्द में आया था। दिल्ली की स्पेशल सैल ने गुरुवार रात करीब साढ़े 11 बजे एक होंडासिटी गाड़ी में आरोपी को स्पॉट किया। दिल्ली पुलिस का कहना है कि गोली को रुकने व आत्मसमर्पण का इशारा किया, लेकिन उसने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में अभियुक्त अजय उर्फ गोली को गोलियां लगी। उसे घायल हालत में पीसीआर से अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। आरोपी के पास से दो पिस्तौल व कारतूस बरामद हुए हैं। पुलिस के मुताबिक सोनीपत के ढाबे पर 10 मार्च को वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी, जिसमें दिखाई दे रहा था कि कैसे शराब ठेकेदार को पहले कार से बाहर खींचा गया। इसके बाद दौड़ा–दौड़ा कर गोली मारी गई। वहीं, दिल्ली के तिलकनगर वाली घटना में भीड़भाड़ के बीच राष्ट्रीय राजधानी के एक उच्चवर्गीय इलाके में एक शोरूम के बाहर फिरौती के लिए अंधाधुंध फायरिंग की गई। सीआईए द्वितीय प्रभारी आजाद सिंह नैन ने बताया कि अजय उर्फ गोली का दिल्ली की स्पेशल सैल ने एनकाउंटर किया है, जो भाऊ गैंग से जुड़ा हुआ था। आरोपी छह माह पहले जेल से जमानत पर आया था। उसके खिलाफ रोहतक में हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट सहित पांच–छह केस दर्ज हैं, जिनमें वह गिरफ्तार हो चुका था। 2020 के बाद कोई केस दर्ज नहीं हुआ है।

मोदी बदलेंगे हरियाणवियों का मन, साधेंगे जातीय समीकरण, आज और 23 को करेंगे रैली

करनाल, 17 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हरियाणा दौरा तय हो चुका है। इस दौरान मोदी दो दिन में तीन रैलियां करेंगे। 18 मई को प्रधानमंत्री सोनीपत के गोहाना व अंबाला शहर और 23 मई को भिवानी लोकसभा क्षेत्र के महेंद्रगढ़ में रैली करेंगे। इससे पहले मोदी हाल ही में गुरुग्राम व रेवाड़ी आ चुके हैं।मोदी इन रैलियों से न केवल जातीय समीकरणों को साधेंगे बल्कि, सूबे में डगमगाई भाजपा को संभालने का प्रयास भी करेंगे, क्योंकि इस बार चुनाव में भाजपा को कई लोकसभा सीटों पर कड़ी टक्कर मिल रही है। स्थिति को भांपते हुए कुछ दिन पहले ही पानीपत स्थित समालखा के पट्टीकल्याणा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नेताओं ने चिंतन–मंथन भी किया था। पार्टी सूत्रों की मानें तो इस बैठक में एक–एक लोकसभा क्षेत्र से एकत्रित फीडबैक पर विस्तृत चर्चा की गई। इसमें यह सामने आया कि चुनावी रण में इस बार कई सीटों पर भाजपा प्रत्याशियों के लिए जीत की राह आसान नहीं है, क्योंकि कई जगह न केवल भाजपा प्रत्याशियों का खुलकर विरोध हो रहा है, बल्कि किसान आंदोलन, सरपंचों के विरोध और प्रदेश सरकार की नीतियों पर प्रतिद्वंद्वियों का खुलकर हमलावर होना भी चुनावी समर में भाजपा प्रत्याशियों के लिए मुकाबले को मुश्किल बना रहा है।

शुभ लाभ DAILY

राज्य में मतदान के बाद सरकार सक्रिय

अधिकारियों के साथ मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री ने की बैठक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हालांकि लोकसभा चुनाव कर्नाटक की सभी सीटों पर संपन्न हो चुके हैं, लेकिन आचार संहिता से छूट नहीं मिलने के कारण प्रशासनिक तंत्र पर इसका भारी असर पड़ा है। इसी बीच मुख्य सचिव समेत वरिष्ठ अधिकारियों ने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति के बारे में बताया। विधान सौधा के सभाकक्ष में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, कृषि मंत्री चेलुवरयास्वामी समेत कई लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर सरकार के मुख्य सचिव रजनीश गोयल, विभिन्न विभागों के उप मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, आयुक्त, निदेशक उपस्थित रहे और बजट परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी दी।

पंचखत्री योजनाएं चल रही हैं। इसी तरह, राज्य सरकार ने परियोजना लागत के लिए 55 हजार करोड़ रुपये निर्धारित किये हैं। चुनाव आचार संहिता के कारण कई परियोजनाएं रुकी हुई हैं। अधिकारी हर बात के लिए

आचार संहिता का बहाना बना रहे हैं और प्रशासन तंत्र भटकता नजर आ रहा है।

इस संबंध में शुक्रवार की बैठक में सरकार के मुख्य सचिव ने मुख्यमंत्री को ब्रीफिंग देकर परियोजनाओं की प्रगति पर चर्चा की। सूखा प्रबंधन केंद्र सरकार की ओर से जारी आर्थिक सहायता किसानों के खाते में पहुंचायी गयी और चारे की उपलब्धता, गौशा-लाओं की स्थिति, पेयजल समस्या समेत कई मुद्दों पर मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों से मंत्रणा की। आचार संहिता की आड़ में प्रशासनिक मशीनरी को निष्क्रिय करना अस्वीकार्य है। अधिकारी लोगों की समस्याओं का समय से समाधान करें। चूंकि चुनाव पहले ही खत्म हो चुका है, इसलिए चुनाव ड्यूटी के तौर पर गाड़ी पर बोर्ड लगाकर घूमना ठीक नहीं है। देखा गया है कि मंत्री और विधायक सवाल नहीं करते जिससे वे अपनी मनमर्जी से काम करते हैं। पता चला है कि अधिकारियों को नोटिस दिया गया है कि आने वाले दिनों में उन्हें इसकी कीमत चुकानी होगी। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर देशभर में 16 मार्च से 4 जून तक आचार संहिता लागू रहेगी। लगभग 80 दिनों की इस प्रक्रिया में यह अधिकारियों के दरबार जैसा है। केंद्रीय चुनाव आयोग पहले ही संबंधित राज्यों में लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों के लिए आचार संहिता में आंशिक छूट दे चुका है, जहां चुनाव प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, मध्य प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, राजस्थान, सिक्किम, तमिलनाडु और तेलंगाना समेत कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चुनाव प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। इसलिए वहां आचार संहिता में आंशिक ढील दी गई है। इसी तर्ज पर कर्नाटक में भी लोकसभा चुनाव प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। कई मंत्रियों ने प्रशासनिक उद्देश्यों और सूखा प्रबंधन के लिए आचार संहिता में ढील देने के लिए पत्र लिखा है। लेकिन इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई, इस प्रकार राज्य में ऐसी स्थिति बन गयी है कि जन प्रतिनिधि प्रशासनिक तंत्र से अलग-थलग हो गये हैं। कर्नाटक सरकार और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया बीजेपी और केंद्र सरकार के लिए हॉट ऑयल हैं। यहां लागू की गई लोकप्रिय योजनाएं देश के लिए एक मॉडल हैं और चुनाव प्रचार में इसकी व्यापक चर्चा होती है। इसी तरह, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के बयानों ने भी राष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित किया है और इस पृष्ठभूमि में बहस हो रही है कि कर्नाटक पर अनावश्यक दबाव बढ़ रहा है।

हाजत में जीजा के साथ सुसाइड, भीड़ ने थाना फूंका, फायरिंग में दो घायल

अररिया (एजेंसियां)।

अररिया में 14 साल की लड़की ने अपने जीजा मिट्ठू सिंह के साथ खुदकुशी कर ली। दोनों ने ताराबाड़ी थाने में हाजत में फंदे से झुल गए। दोनों के बीच प्रेम-प्रसंग चल रहा था। दो दिन पहले ही दोनों ने शादी भी की थी। परिजनों की शिकायत पर गुरुवार को पुलिस ने दोनों को पकड़ लिया था। पुलिस ने दोनों को थाने में रखा था। बताया जा रहा है कि मिट्ठू सिंह ने अपनी साली को अपने पास बुलाया। इसके बाद दुपट्टे से फंदा बनाकर दोनों हाजत के गेट से झूल गए। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

इधर, दो-दो मौत के बाद ग्रामीण उग्र हो गए। ताराबाड़ी थाना का घेराव कर आक्रोशित ग्रामीणों ने तोड़फोड़ किया और थाना में आगजनी की। थाना को आग को उसके कर दिया गया है। सूचना के बाद सदर एसडीपीओ रामपुकार सिंह सहित कई थाना पुलिस मौके पर पहुंची। लेकिन, आक्रोशित ग्रामीणों का आक्रोशपूर्ण प्रदर्शन जारी रहा और पुलिसकर्मियों के ऊपर जमकर पथराव किया। इसमें सदर एसडीपीओ रामपुकार सिंह समेत पांच पुलिसकर्मी पथराव में घायल हो गए हैं।

इधर, लोगों के उग्र प्रदर्शन को काबू में करने के लिए पुलिस ने पहले लाठीचार्ज किया। लेकिन, जब लोग नहीं मानें तो पुलिस ने हवाई फ़ायरिंग की। लोगों का आरोप है कि पुलिस की गोलीबारी में तीन लोगों को गोली लगी है। इन्हें बेहतर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। घायलों में शोभित पासवान की पत्नी मानती देवी और मथुरानंद मंडल के पुत्र मनोज मंडल शामिल हैं। मानती के हाथ और मनोज के बाएं पैर में गोली लगी है। वहीं नॉखे लाल सिंह की पत्नी श्यामा देवी के सिर में चोट लगी है। तीनों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

दरअसल गुरुवार की रात गुरुवार रात ताराबाड़ी थाना के हिरासत में नाबालिग लड़की ने अपने जीजा के साथ खुदकुशी कर ली। पुलिस के लापरवाही को मौत का जिम्मेवार मानते हुए आक्रोशित लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। आक्रोशित लोग पुलिस द्वारा पिटाई करने के कारण मौत होने की बात मान रहे हैं। फिलहाल पुलिस कुछ भी बताने को तैयार नहीं है। सूचना मिलते ही क्षेत्र से बड़ी संख्या में लोग ताराबाड़ी थाना पहुंचकर पुलिस के विरुद्ध नारेबाजी कर रहे हैं।

जानकारी मुताबिक दो दिन पूर्व ताराबाड़ी थाना क्षेत्र के किस्मत खवासपुर पंचायत के वार्ड संख्या पांच निवासी लड़की अपने जीजा के साथ रह रही थी। आरोपी उसे अपनी पत्नी के तरह रख रहा था। लोगों का कहना है कि आरोपी ने डेढ़ साल पहले ही शादी की थी। इसी बीच उसने अपनी पत्नी की छोटी बहन को प्रेम जाल में फंसा लिया। ग्रामीणों को दोनों के साथ रहने की भनक लगी तो उन्होंने पुलिस को इसकी जानकारी दी। इसके बाद पुलिस दोनों को थाने ले आई। इसके बाद दोनों ने देर रात खुदकशी कर ली।

बीच सड़क पर पुलिसकर्मी ने युवक को जमकर पीटा, वीडियो वायरल

पटना (एजेंसियां)।

नालंदा में फिर से एक बार खुलेआम बीच सड़क पर पुलिस कर्मी के द्वारा एक युवक की पिटाई करने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल हो रहा वीडियो लहेरी थाना क्षेत्र के धनेश्वर घाट मोहल्ले का बताया जा रहा है। स्थानीय लो-गों का कहना है कि युवक को बीच सड़क पर पीटने वाला शख्स डायल 112 वाहन पर तैनात सिपाही है जो बीच सड़क पर अपने वर्दी करोब दिखा रहा है। यह वीडियो शुक्रवार का ही बताया जा रहा है।

दरअसल धनेश्वर घाट में कई ट्यूशन और कोचिंग संस्थान संचालित होते हैं, जहां अक्सर छेड़खानी की शिकायते सामने आते रहती हैं। गुरुवार को पढ़ने आई एक छात्रा के साथ मनचलों ने छेड़खानी किया था। जब छात्रा के भाई ने इसका विरोध किया तो मनचलों ने उसकी पिटाई कर दी थी। इसी बात को लेकर शुक्रवार की सुबह कुछ युवक आपस में धनेश्वर घाट के पास मारपीट कर रहे थे।

तभी बाइक से जा रहे एक जवान ने मारपीट करने से उन लोगों को मना किया। बावजूद वे लोग जवान की बात को अनस-ुना कर गए। जब पुलिस जवान ने अपनी बाइक रोकी तो झगड़ा कर रहे युवक इधर

उधर भागने लगे। उनमें से एक युवक को जवान ने पकड़ लिया और बीच सड़क पर ही उसकी पिटाई कर दी। वायरल हो रहे वीडियो में स्पष्ट रूप से दिख रहा है कि किस प्रकार जवान युवक को पहले उसका गमछा पकड़ हाथों से पिटाई करता है। इसके बाद उसे सड़क पर गिरा कर अपनी बूट उसके पैरों पर रख देता है। और इसी बीच डायल 112 की पुलिस पहुंचती है और उसे जबरन अपनी गाड़ी में बैठाकर ले जाती है।

तीन दिन पूर्व भी सिलाव थाना के सीमा गांव में एएसआई के द्वारा मैकेनिक के पिटाई का भी वीडियो वायरल हुआ था। अभी यह मामला शांत भी नहीं हुआ था कि फिर से एक बार पुलिस के द्वारा पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

इस मामले में नगर थाना अध्यक्ष रमाशंकर सिंह ने बताया कि छात्रों का दो गुट आपस में झगड़ा कर रहा था, जिसे पुलिस जवान के द्वारा शांत कराया गया। एक युवक ज्यादा एग्रेसिव हो रहा था। वायरल वीडियो प्राप्त हुआ है पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। इस संबंध में एसपी ने नगर्त थानाध्यक्ष को जांच के आदेश दिए हैं।

क्लास रूम के गटर में मिली छात्र की लाश विरोध में बवाल, स्कूल में तोड़फफोड़

परिजन बोले- हत्या हुई है

पटना (एजेंसियां)।

पटना के दीघा स्थित प्राइवेट स्कूल के गटर में मासूम बच्चे की लाश मिली है। परिजनों का आर-ोप है कि स्कूल में ही बच्चे की हत्या कर दी गई और लाश को क्लास रूम के गटर में फेंक दिया गया।

घटना से आक्रोशित होकर लोग सड़क पर उतर आए। लो-गों ने दानापुर-गांधी मैदान मार्ग को अवरुद्ध दिया। सड़क पर टायर जलाकर जमकर प्रदर्शन करने लगे। गुस्साए लोगों ने स्कूल में भी घुसकर तोड़फोड़ की। इतना ही नहीं स्कूल के कई कमरों में आग भी लगा दिया। स्कूल की गाड़ियों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। स्कूल में लगी आग को बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड की टीम बुलानी पड़ी। इस कारण यातायात व्यवस्था पूरी तरह बाधित हो गई। सुबह इस रास्ते गुजरने वालों लोगों, अन्य स्कूल

के बच्चों और शिक्षकों को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने लोगों को समझा-बुझाकर शांत करवाने की कोशिश की लेकिन सभी हत्यारे की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि चार साल के बच्चे की लाश मिलने के बाद बाद सड़क पर सैकड़ो की संख्या में लोग जमा हो गए। मृत बच्चे की पहचान दीघा के रामजी चक निवासी शैलेंद्र राय के पुत्र आयुष कुमार (4) के रूप में हुई है। थाना प्रभारी का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। स्कूल प्रबंधन से पूछताछ की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा। मामले में आगे की कार्रवाई चल रही है।

परिवार के लोगों ने बताया कि गुरुवार की सुबह लगभग 6:00 बजे अपने घर से दीघा स्थित स्कूल (टिनी टॉट एकेडमी) के लिए निकला था। क्लास खत्म होने के बाद वहां कोचिंग किया करता था। जब देर शाम तक घर नहीं लौटा तो हमलोगों ने स्कूल की प्राचार्या को जब फोन किया। उन्होंने बताया कि बच्चा स्कूल में नहीं है। इसके बाद हमलोग स्कूल पहुंचे। स्कूल की गाड़ी के ड्राइवर को बुलाया गया। तब ड्राइवर ने बताया कि लगभग 6:30 बजे पर सभी बच्चों को स्कूल पहुंचा दिया था। इसके बाद हमलोगों ने स्कूल के सीसीटीवी फुटेज खंगाला। दोपहर 12 के आसपास आयुष स्कूल में दिखा। इसके बाद का सीसीटीवी फुटेज के कई शॉर्ट गायब मिले।

परिवार वालों ने आरोप लगाया है कि उनके बच्चे की हत्या के बाद स्कूल के चेंबर में ही लाश को फेंक दिया गया। इसके बाद चैंबर ऊपर से बंद कर दिया गया है। पुलिस इस मामले को गंभीरता से ले और हत्यारों की गिरफ्तारी करे। इधर, गुस्साए लोगों ने स्कूल में घुसकर जमकर तोड़फोड़ की। घटना के बाद स्कूल के सभी टीचर फरार हो गए। वहीं लोगों का कहना है कि जब तक पुलिस बच्चे के हत्यारे को गिरफ्तार नहीं कर लेती, तब तक उनका प्रदर्शन जारी रहेगा।

रोहिणी आचार्य का नामांकन रद्द होगा?

गलत सूचना देने के कारण पटना हाईकोर्ट में याचिका दायर

पटना (एजेंसियां)।

सारण लोकसभा सीट की प्रत्याशी व राष्ट्रीय जनत दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य के खिलाफ़ पटना हाईकोर्ट में याचिका दायर हुई है। याचिकाकर्ता ने रोहिणी के नामांकन को रद्द करने की मांग की है। याचिकाकर्ता नृपेंद्र कुमार चतुर्वेदी ने रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा रोहिणी के नामांकन को स्वीकृत करने चुनौती दी। उन्होंने कहा कि रोहिणी का नामांकन अवैध है। उन्होंने अपने नामांकन में संपत्ति, घर का पता, नागरिकता समेत कई चीजों का उल्लेख नहीं है।

याचिकाकर्ता नृपेंद्र कुमार

चतुर्वेदी ने कहा कि रोहिणी आचार्य के पासपोर्ट की कोई जांच नहीं की गई है। वह सात साल से अधिक समय से सिंगापुर में रहीं। उन्होंने वहां की नागरिकता हासिल की है या नहीं? उन्होंने भारत की नागरिकता पर भी सवाल उठाया। याचिकाकर्ता ने ने कहा कि हमारे देश के संविधान के अनुच्छेद 84 और 102 के तहत लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए रोहिणी आचार्य अयोग्य है। इसलिए इस मामले को गंभीरता से लिया जाए।

याचिकाकर्ता नृपेंद्र कुमार चतुर्वेदी ने यह भी आरोप लगाया कि सारण लोकसभा सीट से राजद प्रत्याशी ने अपने नामांकन पत्र के साथ दाखिल शपथ पत्र में अनेक गलत तथ्यों को लिखा है। उन्होंने अपने घर का पता सारण या पटना नहीं दिया है। इसके अलावा अपनी संपत्ति के विवरण, इनकमटैक्स का विवरण, बैंक खाताओं में जमा रकम की जानकारी भी गलत दी है। यह भी दावा किया कि रोहिणी आचार्य ने नामांकन और शपथ पत्र में सिंगापुर के घर, आय का विवरण और निवासी स्थान के संबंध में तथ्य को छिपा लिया है। याचिकाकर्ता ने स्पष्ट लिखा कि इन सब चीजों को जानते हुए सारण लोकसभा सीट के रिटर्निंग ऑफिसर ने इन सारे तथ्यों की जांच किए बिना ही रोहिणी का नामांकन पत्र स्वीकृत कर लिया। उन्होंने कहा कि जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 36 के तहत रोहिणी आचार्य का नामांकन स्वीकृत किए जाने से पहले शपथ पत्र की जांच करना आवश्यक था।

थाने में मुंशी ने मांगी रिश्वत, थानेदार ने कहा-

बिना दिए काम नहीं करता है मुंशी, अब वीडियो वायरल

सुपौल (एजेंसियां)।

सुपौल के पिपरा थाना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में पिपरा थाना अध्यक्ष इंस्पेक्टर संजय दास थाने के मुंशी द्वारा अवैध वसूली को अपनी सहमति देते नजर आ रहे हैं। थाना अध्यक्ष कहते हैं कि बतौर थानेदार उन्होंने 15 साल नौकरी की है और ऐसा कोई थाना नहीं रहा, जहां मुंशी 200 और 500 रुपए लिए बिना काम करता हो। 1 मिनट 17 सेकंड के इस वीडियो में इंस्पेक्टर संजय दास मुंशी के अवैध वसूली को जायज ठहरा रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो बुधवार की रात का बताया जा रहा है। वायरल वीडियो में थाना अध्यक्ष के अलावा दो-तीन अन्य चेहरे भी दिखाई दे रहे हैं। वहीं वीडियो में थाना अध्यक्ष किसी महिला को समझाने का प्रयास करते नजर आ रहे हैं। हालांकि, इस वीडियो की पुष्टि अमर उजाला नहीं करता है।

स्थानीय लोगों के अनुसार घटना बुधवार शाम की है, जहां पिपरा थाना क्षेत्र अंतर्गत तुलापट्टी पंचायत वार्ड 3 में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई। इस घटना में एक पक्ष से तीन लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए, जिसका आवेदन लेकर घायल पक्ष के लोग पिपरा थाना पहुंचे। लेकिन थाना में आवेदन लेने के बदले यहां उनसे पैसों की डिमांड की जाने लगी। थाना में आवेदन देने के लिए पहुंचे पीड़ित पक्ष के राधेश्याम मंडल ने बताया कि गांव के ही विद्यानंद मंडल से जमीन विवाद को लेकर मारपीट हो गई। जिसका आवेदन देने पिपरा थाना पहुंचे। थाना में मौजूद मौजूद मुंशी ने खर्चा देने की बात कही। लेकिन चूंकि पीड़ित पक्ष के लोग इसके लिए सक्षम नहीं रहने के कारण थाना में आवेदन नहीं लिया जा रहा था। आवेदन लेकर घंटों इंतजार करना पड़ा। फ़िक्र थानाध्यक्ष संजय दास से मुलाकात हुई और अपनी समस्या उन्हें बताई। जहां थानाध्यक्ष भी मुंशी को रुपए देने की बात कहने लगे।

पीड़ित के अनुसार थानाध्यक्ष से जब मुंशी की शिकायत की गई तो पहले उन्होंने यह पूछा कि रुपए किसने मांगे। वही उन्होंने कहा कि हम 15 साल से थाना चला रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com